3 राजधानी
केजरीवाल के मुद्दे पर प्रदर्शन जारी

6 अभिमत
भारत और श्रीलंका के रिश्तों में खींचतान

11 विदेश
जयशंकर की मलेशिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात

12 स्पोर्ट्स
सनराइजर्स ने मुंबई इंडियंस को हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 140
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 28 मार्च, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आर्थिक राष्ट्रवाद का आह्वान किया
राष्ट्रीय-10

अरविंद केजरीवाल को नहीं मिली राहत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी सुप्रीमो को बड़ा झटका देते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को आबकारी शुल्क नीति 'घोटाले' से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। इस बीच, केजरीवाल को ईडी की हिरासत अवधि समाप्त होने पर बृहस्पतिवार को दिल्ली की एक अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। बाद में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें 28 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल ने उच्च न्यायालय से इस आधार पर उन्हें तत्काल रिहा करन का अनुरोध किया है कि उनकी गिरफ्तारी अवैध है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने अपनी गिरफ्तारी और उसके बाद ईडी की हिरासत में भेजे जाने को चुनौती देने वाली आप नेता की याचिका पर नोटिस जारी किया और एजेंसी से 2 अप्रैल से पहले रिहाई की अंतरिम राहत के लिए उनकी याचिका के साथ-साथ इस पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

न्यायाधीश ने आदेश में स्पष्ट किया कि मामले को अंतिम निपटान के लिए 3 अप्रैल को लिया जाएगा और कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। अदालत ने कहा, 'यह अदालत मुख्य रिट याचिका के साथ-साथ अंतरिम राहत देने के लिए आवेदन का नोटिस जारी करना उचित समझती है, जिसे 03.04.2024 को वापस किया जा सकता है। इसके अलावा, हिरासत से कोई भी रिहाई आदेश अंतरिम उपाय के रूप में आरोपी/याचिकाकर्ता को जमानत या अंतरिम जमानत पर रिहा करने जैसा होगा। भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट क्षेत्राधिकार सीआरपीसी की धारा 439 के तहत जमानत के उपाय के लिए एक तैयार विकल्प नहीं है। अदालत ने आदेश दिया कि मुख्य याचिका में प्रार्थना (सी) में मांगी गई राहत प्रार्थना (ए) और (बी) के परिणाम पर निर्भर है। इसलिए, याचिकाकर्ता की अंतरिम रिहाई के लिए आवेदन में पारित कोई भी आदेश, मुख्य याचिका के निपटान के बिना लंबित है। इस स्तर पर, प्रतिवादी से जवाब माँगना मुख्य याचिका पर ही निर्णय लेने जैसा होगा। यह कोर्ट इस तथ्य के प्रति सचेत है कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए कि याचिकाकर्ता तत्काल रिहाई का हकदार है या नहीं। इस कोर्ट को आवश्यक रूप से मुख्य याचिका में उठाए गए मुद्दों पर निर्णय लेना होगा, क्योंकि वे मुद्दे ही दलीलों का आधार हैं।

आदेश में कहा गया है, 'प्रवर्तन निदेशालय यह सुनिश्चित करेगा कि मुख्य याचिका के साथ-साथ याचिकाकर्ता की अंतरिम रिहाई के लिए आवेदन पर 02.04.2024 तक जवाब दाखिल किया जाए और उसकी प्रतियां डिजिटल रूप में और साथ ही हार्ड कॉपी में वकील को प्रदान की जाएं। आदेश में कहा गया, इस अदालत की यह भी राय है कि वर्तमान याचिका याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी और रिमांड के संबंध में वैधता के कई मुद्दे उठाती है। इसके अतिरिक्त यह सवाल करता है कि क्या गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और दुर्भावनापूर्ण हो सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 और पीएमएलए की धारा 19 के साथ-साथ एक अनुमोदक के बयान की वैधता से संबंधित हैं।

याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी की आवश्यकता और समय और इसके पीछे के मकसद पर वरिष्ठ वकील सिंघवी ने भी विस्तार से बहस की। उन्होंने इस न्यायालय के समक्ष गंभीर और आलोचनात्मक प्रश्न भी उठाए हैं कि एक संवैधानिक न्यायालय होने के नाते इस न्यायालय को गिरफ्तारी के पीछे के मकसद पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो स्पष्ट रूप से अवैध है और इसका देश में आसन्न चुनावों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ता है। इस न्यायालय की राय में, केवल एक पक्ष को याचिका, दस्तावेज, तर्कों के संक्षिप्त नोट और उनके द्वारा भरोसा किए गए निर्णयों के संकलन को दायर करने का (शेष पेज 9)

भारत ने अमेरिका की वरिष्ठ राजनयिक को किया तलब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी की टिप्पणी को लेकर बुधवार को अमेरिका की एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमेरिकी मिशन की कार्यवाहक उप प्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय में तलब किया था। बैठक 30 मिनट से ज्यादा चली। अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा था कि वाशिंगटन मुख्यमंत्री केजरीवाल के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रिया के लिए प्रोत्साहित करता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम भारत में कुछ

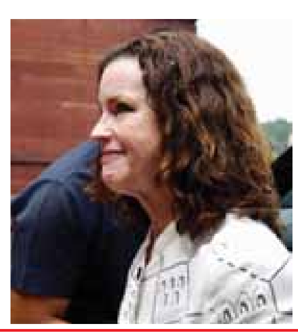

कानूनी कार्यवाही के बारे में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हैं। बयान में कहा गया है, कूटनीति में, राष्ट्रों से दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। मित्र लोकतंत्रों के मामले में यह जिम्मेदारी और भी अधिक है। अन्यथा यह हानिकारक मिसाल कायम कर सकता है। (शेष पेज 9)

दिल्ली सरकार जेल से नहीं चलेगी : एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को साफ कहा कि दिल्ली सरकार जेल से नहीं चलेगी। उनका यह जवाब आप नेताओं के उस बयान की पृष्ठभूमि में आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे, भले ही वह सलाखों के पीछे हों। मीडिया कॉन्क्लेव में एक सवाल का जवाब देते हुए उपराज्यपाल ने कहा, मैं दिल्ली के लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि सरकार जेल से नहीं चलेगी। आप सरकार पर निशाना साधते हुए सक्सेना ने कहा, बच्चों के रूप में, हम सभी ने कहावत सुनी है 'लोहे के चने चबाना' (बड़ी कठिनाई का सामना करना), दिल्ली आने के बाद मुझे वास्तव में इस कहावत का अर्थ पता चला। इस शहर में कोई भी काम करना 'लोहे के चने चबाना' जैसा लगता है। आप जो भी करने की कोशिश करते हैं, कुछ ताकतें ऐसी होती हैं जो उस काम को रोकने में अपनी पूरी ताकत लगा देती हैं। अगर आप उस काम को सफलतापूर्वक पूरा कर पाते हैं तो ये ताकतें उसका श्रेय लेने की कोशिश करती हैं।

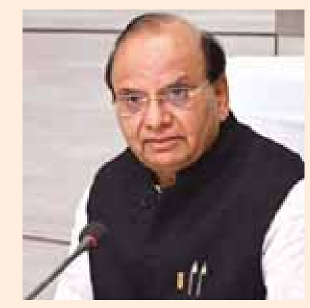

राष्ट्रपति शासन के संबंध में भाजपा द्वारा किए जा रहे शोर को साफ करते हुए, वरिष्ठ आप नेता और केजरीवाल कैबिनेट में मंत्री आतिशी ने देश के कानून 1951 और जीएनसीटीडी अधिनियम यानी जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का हवाला देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी संवैधानिक प्रावधान जेल से शासन को नहीं रोकता है। आतिशी ने आगे कहा कि देश का कानून बहुत स्पष्ट है। राष्ट्रपति शासन तभी लगाया जा सकता है जब कोई अन्य विकल्प न हो। अनुच्छेद 356 का मुद्दा कई बार सुप्रीम कोर्ट में गया है और उसने बार-बार फैसला सुनाया है कि राष्ट्रपति शासन तभी लागू किया जा सकता है जब उस राज्य के शासन के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं बचा हो। इसलिए अगर आज राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है तो यह स्पष्ट है कि यह एक राजनीतिक प्रतिशोध है। तो जैसा कि आप देख सकते हैं कि इसका प्रयोग एक के बाद एक संस्थाएं विपक्ष को ख़त्म करने के लिए करती हैं। आतिशी ने कहा कि देश का कानून बहुत स्पष्ट है। (शेष पेज 9)

सियासी उठापटक से कांग्रेस मुश्किल में

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, जो बाहरी तौर पर अभी भी सीट बंटवारे को लेकर प्रमुख गठबंधन सहयोगियों के साथ संघर्ष कर रही है, जबकि आंतरिक रूप से पार्टी के सदस्यों के पार्टी छोड़ने और उनमें से कुछ के कर्नाटक में धमकी देने की वजह से असहाय दिख रही है। सबसे पुरानी पार्टी ने बुधवार को अपने सहयोगियों महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और बिहार में लालू यादव के नेतृत्व वाले राजद पर नाराजगी जताई, जहां इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने अपने-अपने लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की है।

बिहार में औरंगाबाद, बेगुसराय, कटिहार, पूर्णिया और सीवान ऐसी सीटें हैं जहां असहमति ने महागठबंधन के सहयोगियों को सीट-बंटवारे की व्यवस्था तक पहुंचने से रोक दिया है। सूत्रों ने कहा कि राजद ने कांग्रेस को नाराज करने के लिए अपने उम्मीदवारों को पार्टी चिन्ह वितरित किए हैं। कांग्रेस ने भिवंडी, मुंबई दक्षिण मध्य और सांगली लोकसभा सीटों के लिए शिवसेना (यूबीटी) द्वारा अपने उम्मीदवारों की घोषणा पर आपत्ति जताई है और कहा है कि एमवीए सहयोगियों को 'गठबंधन धर्म' का पालन करना चाहिए। जहां कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट ने सेना (यूबीटी) से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया, वहीं उनकी पार्टी के सहयोगी संजय निरुपम ने और अधिक आक्रामक रुख अपनाया।

महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक कांग्रेस, सेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) महाराष्ट्र में 48 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सीट-बंटवारे पर चर्चा कर रहे हैं, जहां 19 अप्रैल से पांच चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। बातचीत के बीच, सेना (यूबीटी) ने पहले दिन में आगामी चुनावों के लिए 17 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की और कहा कि वह राज्य में कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। थोराट ने कहा कि उनकी पार्टी की राज्य इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व को घटनाक्रम से अवगत करा दिया है। कांग्रेस ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) नेता प्रकाश अंबेडकर ने उम्मीदवारों की एक अलग सूची की घोषणा की है।

मुंबई उत्तर पश्चिम संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक निरुपम ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने पिछले एक पखवाड़े में उनसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा, 'नेतृत्व को इसकी चिंता नहीं है कि उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय हो रहा है। शिवसेना (यूबीटी) हमें झुका रही है और हम ऐसा कर रहे हैं।' बिहार में जहां राजद नेता तेजस्वी यादव सीट बंटवारे के मुद्दे पर कई दिनों की अड़चनों के बाद गठबंधन बनाने के लिए दिल्ली पहुंचे, वहीं कई बार के पूर्व लोकसभा सांसद पप्पू यादव, जिन्होंने पिछले हफ्ते अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया था, ने जोर देकर कहा कि वह अपने दावे पर रोक नहीं लगाएंगे। पूर्णिया सीट पर राजद ने दांव लगाया था क्योंकि राजद ने पप्पू यादव (शेष पेज 9)

पायनियर लोक सभा 2024 रिपोर्ट

कोलकाता हवाई अड्डे पर दो विमान टकराए, पंख क्षतिग्रस्त

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

कोलकाता हवाई अड्डे पर बुधवार को विमानन कंपनी इंडिगो का एक विमान एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान के पंख से टकरा गया जिससे दोनों विमानों के पंख क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को कोलकाता से चेन्नई के लिए उड़ान भरनी था जबकि इंडिगो के विमान को दरभंगा के लिए रवाना होना था। डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है और हादसे में शामिल इंडिगो के दो पायलट को उड़ान कार्य में नहीं लगाने को कहा है।

हवाई अड्डा के सूत्रों ने बताया कि रनवे के पास के टैक्सीवे पर पूर्वाह्न करीब 11 बजे यह दुर्घटना हुई। इंडिगो की उड़ान में 131 वयस्क और चार शिशु सवार थे, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान के अंदर 163 यात्री थे। दोनों विमानों में यात्रियों के अलावा पायलट और चालक दल के सदस्य भी सवार थे, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि दोनों विमानों के पंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, किसी अन्य एयरलाइन के विमान के पंख ने हमारे एक विमान को चपेट में ले लिया, जो स्थिर था और चेन्नई के लिए निर्धारित उड़ान के लिए कोलकाता के रनवे में प्रवेश करने की मंजूरी का इंतजार कर रहा था। इंडिगो ने एक बयान में कहा, कोलकाता हवाई अड्डे पर इंडिगो के एक विमान और एक अन्य विमान के बीच मामूली टक्कर की सूचना मिली है। प्रोटोकॉल के अनुसार विमान निरीक्षण और अन्य आवश्यक कार्वाई के लिए बे में लौट आया है। इसके परिणाम स्वरूप कोलकाता और दरभंगा के बीच इंडिगो की उड़ान 6ई-6152 में देरी हुई है।

बेरोजगार भारतीयों में 83 प्रतिशत युवा: रिपोर्ट

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 83 प्रतिशत बेरोजगार व्यक्ति युवा हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 17.5 प्रतिशत युवा नियमित काम में लगे हुए हैं। इस रिपोर्ट ने विपक्षी दलों को चल रही चुनावी लड़ाई के बीच भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रदर्शन की आलोचना करने के लिए पर्याप्त हथियार प्रदान किया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन द्वारा जारी अध्ययन 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024', गंभीर नौकरी परिदृश्य को चित्रित करता है, जिसमें कहा गया है कि 2000 और 2019 के बीच युवा रोजगार और अल्परोजगार में वृद्धि हुई है, लेकिन महामारी के वर्षों के दौरान इसमें गिरावट आई है, शिक्षित युवाओं को बहुत अधिक स्तर का अनुभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके पास काम करने का कौशल नहीं है - 75 फीसदी युवा संलग्नक के साथ ईमेल भेजने में असमर्थ हैं, 60 फीसदी फ़ाइलों को कॉपी और पेस्ट करने में असमर्थ हैं, और 90 फीसदी युवा कार्यबल को कॉपी और पेस्ट करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत लोगों की हिस्सेदारी 2012 से कुल कार्यबल के 26 प्रतिशत पर ही बनी हुई है। आर्थिक गतिविधियों में शामिल युवाओं का प्रतिशत 2012 में 42 प्रतिशत से घटकर 2022 तक 37 प्रतिशत हो गया।

फाइल फोटो पीटीआई

इसके अलावा, 'बेरोजगारों में शिक्षित, कम से कम माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या 2000 में 35.2 प्रतिशत से दोगुनी होकर 2022 में 66 प्रतिशत हो गई है।' रिपोर्ट में सरकार की आर्थिक नीतियों, विशेष रूप से सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में खराब प्रदर्शन को दर्शाया गया है। रिपोर्ट में 2012 से उद्योग और विनिर्माण रोजगार में स्थिरता का खुलासा अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में निराशाजनक वृद्धि की ओर इशारा करता है।

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस ने रिपोर्ट की टिप्पणियों का लाभ उठाते हुए बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोला है और उस पर युवाओं के भविष्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोगों से मतदान से पहले यह याद रखने का आग्रह किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों में 20 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन 'युवाओं से 12 करोड़ से अधिक नौकरियां छीन लीं।' उन्होंने कहा, हमारे युवा मोदी सरकार की दयनीय उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे हैं, क्योंकि लगातार बढ़ती बेरोजगारी ने उनका भविष्य बर्बाद कर दिया है। आईएलओ और आईएचडी रिपोर्ट निर्णायक रूप से कहती है कि भारत में बेरोजगारी की समस्या गंभीर है। उन्होंने कहा, 'लेकिन मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार यह कहकर प्रिय नेता का बचाव करते हैं कि सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक, (शेष पेज 9)

मोदी के संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए कॉमिक बुक का सहारा

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

भारत में चुनाव प्रचार ने अब कॉमिक बुक/ग्राफिक उपन्यास के प्रकाशन के साथ एक नया मोड़ ले लिया है। इससे पहले तक यह पत्रिकाओं, होर्डिंग, बड़े आकार के पोस्टरों और टीवी विज्ञापनों के पन्नों तक सीमित था। एक तरफ मोदी विरोधी 'मोदी की गारंटी' नारे के लिए उनका उपहास कर रहे हैं, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा की गई प्रगति का अध्ययन करने वाले लोग एक ग्राफिक उपन्यास '101 कारण क्यों मैं मोदी को वोट दूंगा' लेकर आए हैं। राजनीतिक संदेश फैलाने के लिए कॉमिक बुक का उपयोग करने का यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। ग्राफिक उपन्यास जनता तक राजनीतिक विचारों को संप्रेषित करने का बहुत शक्तिशाली साधन हो सकते हैं। लेखक शांतनु गुप्ता ने पायनियर को बताया कि यह किताब मतदाताओं के दृष्टिकोण से लिखी गई है कि वे 2024 में मोदी को दोबारा सत्ता में लाने के लिए क्यों वोट देंगे।

देश भर में धूम मचाने वाली कॉमिक बुक हंसी का पात्र नहीं है। ये यादें हैं, चिंतन हैं और पिछले दस वर्षों में देश ने जो बदलाव देखा है। पुस्तक की गंभीरता अनुभवी पत्रकार और दो अग्रणी पुस्तकों 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' और 'द मॉन्क हू ट्रांसफॉर्म्ड उत्तर प्रदेश' के लेखक शांतनु गुप्ता द्वारा किए गए अध्ययन में निहित है। किताबें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित थीं कि कैसे उन्होंने 'यूपी वाला भैया' तंज को बैज ऑफ ऑनर में बदल दिया।

जिन लोगों ने दोनों किताबें पढ़ीं, उन्हें गुप्ता की प्रत्यक्षदर्शी कहानी के कारण 2022 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव के नतीजे के बारे में कोई संदेह नहीं था। उन्हें पता चला कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की बेड़ियों से मुक्त हो गया है क्योंकि उद्यमी और निवेशक राज्य में बड़े

निवेश करने के लिए कतार में खड़े थे। योगी शासन के पहले पांच वर्षों में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू हुईं और योगी की निगरानी में यूपी एक विकसित राज्य के रूप में उभरा। गुप्ता नरेंद्र मोदी सरकार के एक दशक के प्रदर्शन पर एक नया प्रयोग कर रहे हैं। जो चीज़ ग्राफिक उपन्यास को अद्वितीय और विशिष्ट बनाती है वह यह है कि नायक अधिकांश समय पन्नों से दूर रहता है। यह लाभार्थी हैं जो ग्रामीण, छोटे और मध्यम आकार के शहरों के निवासी, छात्र, युवा और वृद्ध हैं जो बताते हैं कि वे 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी को वोट क्यों देंगे।

हमारे नेता इस कहावत से निर्देशित होते हैं कि युद्ध और प्रेम में सब कुछ जायज है। गुप्ता की किताब हर तरह से अलग है क्योंकि यह मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों पर केंद्रित है, जिसने बेघरों को पीएम आवास योजना के तहत चार करोड़ से अधिक घर प्रदान किए, 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए जो ग्रामीणों के लिए वरदान बनकर आए हैं। जिन महिलाओं को प्रकृति की पुकार पर ध्यान देने (शेष पेज 9)

पायनियर लोक सभा 2024 रिपोर्ट

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 28 मार्च, 2024

पीएम के लिए राष्ट्र पहले, विपक्ष भ्रष्टाचार का पक्षधर: योगी

गाजियाबाद में भाजपा का प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में गरजे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ, बोले- आपके वोट से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ/गाजियाबाद/ मथुरा

भाजपा के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी लोकसभा चुनाव को फैमिली फर्स्ट की बात करने वाले विपक्ष और नेशन फर्स्ट की बात करने वाले सत्तापक्ष के बीच का मुकाबला करार देते हुए बुधवार को दावा किया कि विपक्ष भ्रष्टाचार का पक्षधर है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में कतई बर्दाश्त नहीं के पक्षधर हैं। मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद, मेरठ और मथुरा में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्ष पर हमला किया और कहा, एक पक्ष (विपक्ष) के लिए परिवार पहले है तो मोदी जी के नेतृत्व में जो पक्ष है उसके लिए राष्ट्र पहले है। परिवार पहले मानने वाला पक्ष अपने कृत्य से माफिया राज को प्रश्रय देता है जबकि मोदी जी का पक्ष कानून के राज को प्रभावी ढंग से लागू करने का काम करता है।

गाजियाबाद के नेहरूनगर स्थित दीनदयाल ऑडिटोरियम में बुधवार को भाजपा का प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। शहर के तमाम डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, सीएए, शिक्षक.प्रोफेसर सहित अन्य सभी प्रबुद्ध वर्गों के लोग भी सम्मेलन में शामिल हुए। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, कांवड़ यात्रा का जब निर्णय था, बहुत कठिन निर्णय था। इससे पहले इस पर बैन था।

कोई राज्य कांवड़ यात्रा नहीं निकलने दे रहा था। हम सरकार में आए तो सब पहले से तय था। कागजी प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, बस उसे लागू करना था। हमने अधिकारियों से पूछा- क्या बैठक हुई, क्या तय हुआ, उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा नहीं निकलेगी। इस पर हमने कहा कि हम यहां ताली बजाने के लिए नहीं आए हैं।

हम यहां भजन गाने के लिए नहीं आए हैं। भजन गाने के लिए हमारा मठ है। हमें जब गाना होगा, मठ में जाएंगे। शासन में आए हैं तो शासन दमदार तरीके से चलेगा। जिसको काम करना होगा, हमारे साथ काम करेगा। जिसको काम नहीं करना होगा, वो छुट्टी ले और जीवनभर के लिए छुट्टी मैं सेंशन करुंगा। मेरी डिक्शनरी में न शब्द नहीं है। और फिर कांवड़ यात्रा शानदार तरीके से निकली। प्रयागराज कुंभ में 24 करोड़ लोग आए। अयोध्या श्रीराम मंदिर के अब तक डेढ करोड़ श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। ये सब आपके एक वोट से संभव हुआ।

योगी आदित्यनाथ ने कहा 1998 में मैं सांसद था। गाजियाबाद आने में हम हिचकते थे। उसके दो कारण थे। एक अपराध और दूसरा गंदगी। आज गाजियाबाद स्मार्ट सिटी में नंबर वन आता है। आज गाजियाबाद कमिश्नरेट का पुलिस रिकॉर्ड सबसे अच्छा उदाहरण बन रहा है। सरकार की पहल से बिल्डर, बायर्स को समय पर मकान दे रहे हैं। पहले कोई गाजियाबाद नहीं आना चाहता था, आज कोई गाजियाबाद छोड़ना नहीं चाहता। गाजियाबाद के बगल में जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है। इस कार्यक्रम में दो बार के सांसद जनरल वीके सिंह मंच पर नहीं दिखे। दरअसल, पार्टी ने इस बार उनका टिकट काटकर अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनरल वीके सिंह के नेतृत्व में पिछले 10 साल में हमने गाजियाबाद को बदलते देखा है। परिवर्तन व्यवस्था का हिस्सा है। इसी व्यवस्था परिवर्तन में अतुल गर्ग को पार्टी ने आप सबके बीच भेजा है। प्रत्याशी का हर घर जाना संभव नहीं है। इसलिए समाज का नेतृत्व करने वाले लोग खुद प्रत्याशी बनें और इस काम को आगे बढ़ाएं। मथुरा में उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा, माफिया राज को प्रश्रय देने वाला एक पक्ष भ्रष्टाचार का पक्षधर है और मोदी जी का पक्ष कतई बर्दाश्त नहीं का है। एक पक्ष तुष्टीकरण के नाम पर व्यक्ति, जाति, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटना चाहता है, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व वाला पक्ष सबका साथ, सबका विकास के माध्यम से गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर एक तबके को देने का पक्षधर है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के दूसरे कार्यकाल में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी। मोदी के तीसरे कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य है। बाद में मेरठ में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि तीन दशक पहले जिस तरह अरुण गोविल ने छोटे पर्दे पर रामायण में मजबूती के साथ श्रीराम के किरदार को जीवंत किया था, आज वो मेरठ की पहचान बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरुण गोविल अब मेरठ में इतिहास रचेंगे, क्योंकि मेरठ इतिहास में दर्ज नहीं होता, बल्कि ए हमेशा इतिहास रचता है। योगी ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मतदान की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी है लेकिन, विपक्ष ने हमेशा जातिवाद को प्राथमिकता दी।

30 मार्च को ग्रेटर नोएडा आएंगे सीएम आदित्यनाथ, महेश शर्मा के लिए मांगेंगे वोट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मार्च को ग्रेटर नोएडा आएंगे। योगी ग्रेटर नोएडा के एक संस्थान में प्रबुद्ध सम्मेलन करके नोएडा गौतमबुद्धनगर सीट से भाजपा के प्रत्याशी डा महेश शर्मा के लिए वोट मांगेंगे। योगी का यह कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा के जीएल बजाज कॉलिज में होगा।

भाजपा ने नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में योगी के कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दीं हैं। इस कार्यक्रम में योगी अपनी पार्टी भाजपा के प्रत्याशी डा महेश शर्मा के लिए वोट मांगेंगे। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मार्च को ग्रेटर नोएडा में आएंगे। मावी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के जीएल बजाज कॉलिज में सीएम योगी प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में समाज के हर वर्ग, शिक्षक, वकील, डाक्टर, इंजीनियर तथा पत्रकार भाग लेंगे। इस प्रबुद्ध सम्मेलन में योगी भाजपा की नीति तथा रीति का विस्तार से वर्णन करके भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक वोट डालने का अनुरोध करेंगे। योगी के इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में भारतीय जनता पार्टी के नेता सक्रिय हो गए हैं। बताया जा रहा है कि प्रबुद्ध सम्मेलन में ग्रेटर नोएडा के साथ ही साथ पूरे गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों को बुलाया गया है। बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में भाग लेंगे।

मतदान कराने के लिए प्राचार्यो को दिलाई शपथ

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव में जिले का मतदान प्रतिशत बढाने के लिए गुरुकुल द स्कूल में सौ स्कूलों के प्राचार्यो को मतदान कराने की शपथ दिलाई गई। सभी प्राचार्यो को मतदान को लेकर अभिभावकों को भी जागरूक करने की अपील की। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनावों को सफल बनाने के लिए सभी मतदाताओं को अपना योगदान देना होगा। सीडीओ अभिनव गोपाल ने अपील करते हुए इस बात पर जोर दिया कि मतदान से पूर्व की छात्रों को यह बता दिया जाए कि अभिभावको को वोट देने के लिए प्रेरित करने पर एवं वोट डालने के बाद वोट की स्याही के निशान के साथ ली गई सेल्फी कक्षा अध्यापक को भेजने पर छात्रों को उनके आंतरिक मूल्यांकन में भी वरीयता दी जाएगी।

आचार संहिता उल्लंघन करने वालों पर नजर रखेंगी 30 टीमें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू कर दी जाती है। इसका उल्लंघन होने पर सम्बंधित व्यक्ति या संगठन के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। लेकिन इसके बाद भी आचार संहिता उल्लंघन के दर्जनों मामले हर चुनाव में दर्ज होते हैं।

लोकसभा चुनावों में आचार संहिता के उल्लघंन की निगरानी करने के लिए तीस टीमों का गठन जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा किया गया है। इसका नोडल प्रभारी एडीएम सिटी गंभीर सिंह को बनाया गया है। इसके अलावा जिला निर्वाचन कार्यालय में भी अलग से एक कंट्रोल रूम बनाया गया है जहां आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। इसके अलावा 54 टीमें स्टेटिक सर्विलांस, वीडियो सर्विलांस, फ्लाइंग स्कवायड और सहायक व्यय आर्ब्जवर की गठित की गई हैं जो अपने स्तर से चुनाव को लेकर निगरानी रखेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के मुताबिक चुनाव आचार संहिता के अनुपालन के तहत कराएं जाएंगे। इसके लिए लगातार टीमें क्षेत्र में भ्रमण कर रही हैं।

प्लास्टिक के ढेर में लगी आग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पहले नोएडा और अब ग्रेटर नोएडा में होली के बाद आग लगने की घटना सामने आई है। हाल ही में ग्रेटर नोएडा में प्लास्टिक के कूड़े से भरे ढेर में अचानक ही भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते काफी विकराल रूप ले लिया।

आग लगने के बाद ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर काले बादल छा गए। इसके साथ ही ग्रेटर नोएडा के लोगों को काले धुएं की वजह से सांस लेने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ गया। आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रेटर नोएडा फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां और स्थानीय पुलिस की टीम पहुंची। जिसके बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस हादसे में फिलाहाल कोई जनहानि नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा के कोतवाली बादलपुर क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की बंगले के पास स्थित प्लास्टिक का सामान बनाने वाली कंपनी के पीछे में बुधवार सुबह आग लग गई। देखते ही देखते कंपनी के पीछे पड़े स्क्रैप में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया।

इससे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। आसमान में धुएं को देख लोगों ने इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दी। जानकारी के अनुसार इस आग में हजारों का सामान जलकर खाक हो गया।

लोस चुनाव: गौतमबुद्ध नगर में बनेंगे चुनावी रिकॉर्ड

● भाजपा जीती तो बनेगा डबल हैट्रिक का रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में इस बार के लोकसभा चुनाव कुछ रिकॉर्ड बन सकते हैं। अगर भाजपा प्रत्याशी जीतता है, तब 2 बार हैट्रिक का रिकार्ड बनेगा और यदि सपा-कांग्रेस गठबंधन का प्रत्याशी जीतता है, तब गौतमबुद्धनगर में पहली बार सपा अपना खाता खोलेगी। बसपा 2009 में एक बार यहां से जीत चुकी है। उस समय डॉ महेश शर्मा को बसपा प्रत्याशी सुरेंद्र नागर ने हराया था।

हालांकि सुरेंद्र नागर अब भाजपा से ही राज्य सभा सांसद है और डॉ महेश 2024 लोकसभा चुनाव में गौतमबुद्धनगर से प्रत्याशी। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा लगातार 2 बार जीत दर्ज कर चुकी है। 2014 और 2019 में पार्टी उम्मीदवार डॉ महेश शर्मा ने बड़े अंतर से निकटतम प्रतिद्वंद्वी को मात दी। 2009 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस लोकसभा चुनाव में भी जीत हासिल होने पर भाजपा के नाम एक रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा। बुलंदशहर, खुर्जा और गौतमबुद्धनगर 1951 और 1957 में बुलंदशहर, 1962 से 2004 तक खुर्जा और 2009 से अब गौतमबुद्धनगर लोकसभा लोकसभा क्षेत्र से अब तक भाजपा और कांग्रेस ने एक.एक बार हैट्रिक जीत हासिल की है। 1951 से लेकर 1962 तक लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीत दर्ज कर कांग्रेस ने जीत की हैट्रिक लगाई थी। तीनों चुनाव कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया लाल वाल्मीकि ने जीते थे। इसके बाद कांग्रेस ने 1971 और 1984 में जीत दर्ज की थी। फिर कांग्रेस इस सीट पर कभी जीत हासिल नहीं कर सकी। नोएडा की नींव आपात काल में ही डाली गई। जिसके पीछे आपात काल के सबसे सशक्त नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी थे। उस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी थे। इतनी मजबूत नींव होने के बाद भी नोएडा में कांग्रेस का आपात काल जारी है। तब से लेकर अब तक कांग्रेस यहां अपनी साख बचाने में नाकाम रही। लोकसभा चुनाव में दूसरी बार जीत की हैट्रिक भाजपा लगा सकती है। 1996, 1998 ओर 1999 में भाजपा प्रत्याशी अशोक प्रधान ने जीत हासिल की। इसके बाद 2004 में भी उन्होंने जीत हासिल कर पार्टी को बड़ी सफलता दिलाई, लेकिन 2009 के चुनाव में भाजपा ने डॉ महेश शर्मा को हार का सामना करना पड़ा।

खाली करने के लिए नोटिस

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

सूचना

इसके द्वारा आवेदकों/गारंटरों/बंधककर्ता बॉडी ड्रेंच इंडिया प्रा. लि., पंकज अरोड़ा को 1103 और 1104, 11वीं मंजिल, एसएएस टॉवर-बी सेक्टर-38 गुड़गांव -122001-हरियाणा में स्थित संपत्ति में चल वस्तुओं को खाली करने के लिए नोटिस दिया जाता है, जिसका कब्जा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा 23 फरवरी, 2024 को वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम-2002 के प्रवर्तन की धारा 13 (4) के तहत लिया गया है। इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों की अवधि के भीतर।
कृपया ध्यान दें कि यदि आप चल वस्तुओं को खाली करने में विफल रहते हैं, तो आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड आपके खर्च और परिणामों पर संपत्ति में पड़ी चल वस्तुओं के साथ-साथ संपत्ति की नीलामी करने के लिए बाध्य होगा और आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

दिनांक : मार्च 28, 2024
स्थानः गुड़गाँव

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी
आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client **Anshul Jain** is in process to avail the credit facility from KMBL against his Property No. 825 in Block-D area measuring 492 Sq. Yards. situated in the layout plan of New friends Colony, New Delhi-110065 having acquired the same vide five gift deeds bearing documents no's 3245-3249 dated 20/3/2009 executed by Jit Paul, whereas he has lost an Conveyance Deed dated 27.08.2007 pertain to the said property, an FIR has already been lodged for that on dated 26/3/2024
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-ई-नीलामी

[नियम 8(6) का परंतुक देखें]

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिए ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनः निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहपठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियमावली, 2002 की धारा 8(6) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रूप से कर्ज़दार एवं ज़मानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शाई गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता केपास बंधक/ अधिभारित है। उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के रूप में कर लिया गया है एवं दर्शाए विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहाँ है जैसी है", "जैसी है वैसी है" एवं "जिस भी स्थिति में है" के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे हैं :-

क्र. सं.	कर्ज़दार (रों)/ सह-कर्ज़दारों/ ज़मानतदारों के नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई है	बकाया राशि (रु. में)	सुरक्षित मूल्य (रु. में) / धरोहर राशि जमा (रु. में)	संपत्तियों निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)
1.	ट्रैवोनेशन हॉलीडेज प्राइवेट लिमिटेड-(कर्ज़दार), मोहम्मद फैजल (सह-आवेदक/बंधककर्ता एवं ज़मानतदार), रीना (ज़मानतदार, मोहम्मद अब्बास (बंधककर्ता/ सह-आवेदक एवं ज़मानतदार), शीबा नकवी (ज़मानतदार),	दुकान बियरिंग प्राइवेट नंबर जी-11, ग्राउंड फ्लोर पर छत के अधिकार के बिना छत के स्तर तक, संपत्ति नंबर ए-1/बी का एक हिस्सा, खसरा नंबर 63 के बाहर, मयूर विहार, चरण 1, आचार्य निकेतन की आबादी में स्थित, गांव कोटला दिल्ली- 110091/ क्षेत्रफल- 166.34 वर्ग फुट	रु. 1,14,97,417/- (मार्च 02, 2024 तक)	रु. 35,56,000/- / रु. 3,55,600/-	मार्च 03, 2024 को सु. 11:00 बजे से दोप. 01:00 बजे तक	अप्रैल 24, 2024 को दोप. 01:00 बजे से
		दुकान बियरिंग प्राइवेट नंबर जी-12, ग्राउंड फ्लोर पर छत के अधिकार के बिना छत के स्तर तक, संपत्ति नंबर ए-1/बी का एक हिस्सा, खसरा नंबर 63 के बाहर, मयूर विहार, चरण 1, आचार्य निकेतन की आबादी में स्थित, गाँव कोटला, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110091/ क्षेत्रफल- 147.68 वर्ग फुट		रु. 31,57,000/- / रु. 3,15,700/-		

ऑनलाइन नीलामी हमारी ई-नीलामी संस्था **मेसर्स नेक्सजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** की वेबसाइट **(URL Link- https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी। बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं को **अप्रैल 23, 2024** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर इस/ इन संरक्षित संपत्ति/यों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी **ई** संदर्भ) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005** में **अप्रैल 23, 2024** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावती की स्कैन इमेज, **अप्रैल 23, 2024** तक **शाम 05:00** बजे से पूर्व जमा करें। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005** में निविदा प्रलेखों की हस्ताक्षरित प्रति को **अप्रैल 23, 2024** को **शाम 05:00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं। बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट/ पे ऑर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैड्यूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** की **दिल्ली** शाखा के पक्ष में भुगतान हेतु होना चाहिए।
संपत्ति अवलोकन, ई-नीलामी के नियम एवं शर्तों तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन नंबर **8928935040/ 8584874809** पर संपर्क करें।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसियाँ **1. मेसर्स नेक्सजेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड व 3. हेक्टा प्रॉपटेक प्राइवेट लिमिटेड** इस संपत्ति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्न हैं।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाए किसी एक अथवा अधिक निविदा व बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।
बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करें।

तिथि : मार्च 28, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पर्यावरण नियमों की अनदेखी करने वालों पर प्राधिकरण करेगा कार्रवाई

● चिकनाइयुक्त वेस्ट वाटर बिना शोधित किए सीधे सीवर में डाला जा रहा था

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने नियम न मानने वाले होटलों, रेस्टोरेंट्स के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है। नोएडा प्राधिकरण के फैसले के बाद नोएडा शहर के जाने.माने रेस्टोरेंट्स व ढाबों को सील किया जाएगा। सीलिंग की कार्रवाई बृहस्पतिवार(आज) को की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम के निर्देश पर नोएडा प्राधिकरण यह बड़ी कार्यवाही करने जा रही है। नोएडा में स्थित रेस्तरां, होटल व वाणिज्यिक संस्थानों को अपेन किचन का चिकनाईयुक्त वेस्ट वाटर शोधित करने के बाद सीवर या ड्रेन में डालना होता है। लेकिन प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा चैकिंग के दौरान पाया गया था कि अधिकतर रेस्तरां, होटलों व वाणिज्यिक संस्थान किचन में सिस्टम नहीं लगाते हैं और चिकनाईयुक्त पानी बिना शोधित किए सीधे सीवर लाइन या ड्रेन में बहा रहे हैं।

प्राधिकरण ने सिस्टम न लगाने वाले होटलों, रेस्तरां व वाणिज्यिक संस्थानों को चिकनाईयुक्त वेस्ट वाटर बिना शोधित किए सीधे सीवर में डालने पर पहले नोटिस जारी किया उसके बाद उन पर जुर्माना भी लगाया। इसके बावजूद जिन होटलों, रेस्तरां ने नियम नहीं माना उन्हें अब सील किया जाएगा। सेक्टर-18 में स्थित सागर रत्ना पर 5 लाख का जुर्माना, सेक्टर.18 का चौमन, सेक्टर-18 का ढाबा एट अटटा तथा सेक्टर.18 का ही नजीर फूडस पर दो लाख रुपये का नोएडा प्राधिकरण ने जुर्माना लगाया था।

PUBLIC NOTICE

This is to certify that my clientess Smt. Jwala Devi W/o. Late Sh. Mahender Singh, R/o. House No.-3008, Arya Pura Delhi-110007, has severed all her relations with her son namely Heera & his wife namely Smt. Deepti Rani. She has also disowned them from her all moveable and immoveable properties. Whosoever deals with them, he/she will be doing so at his/her risk and responsibilities. **RADHEY SHYAM ADVOCATE Chamber No. : X-25, Eastern Wing, Civil Side, Tis Hazari Courts, Delhi-110054**

PUBLIC NOTICE

My Client Sh. Sumit Kumar S/o Sh. Krishan Chakervorty, R/o C-57, Ganesh Nagar, Pandav Nagar Complex, Shakar Pur Baramad, East Delhi-110092, do hereby declare that my client's PAN card bearing number DOGPK2240B has been misused by some unknown person and the company namely **Bharat Enterprises, GSTIN 07DOGPK2240B1ZH** is not belongs to my client. He is not responsible for the acts of the said company.

Piyush Sharma (Advocate) (D/1395/2021)
Chamber No.-F-611, Karkardooma Courts, Delhi-32

PUBLIC NOTICE

To be known to all that, **I RAJEEV JAIN S/O LATE CHAMAN LAL JAIN, R/O 4181/4th floor, Aradhya Homes, Ansal Versalia, Sector 67A, Gurugram 122102**, MY **Original Registry (Property Documents) have been lost / misplaced bearing House No.131,MAYUR VIHAR PHASE-2, SHASHTRI NAGAR,MEERUT,** Lost Report to this effect have been lodged in PS CRIME BRANCH vide LR NO. 1587320/2024 dated **27 March 2024**.
If anyone found contact phone No. **9910776868**

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	सुभाषचंद यादव/ सुनीता देवी/ LBDEL00002943978	फ्लैट नंबर 0208, दूसरी मंजिल, टावर 15, सुपरटेक बसेरा, मानेसर कॉम्प्लेक्स, ग्राम नौरंगपुर, सेक्टर-79 और 79बी गुड़गाँव/ मार्च 23, 2024	नवंबर 30, 2022 रु. 9,96,015/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : मार्च 28, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद पुलिस गिरफ्त में विदेश भेजने वाले दो ठग।

विदेश भेजने के नाम पर ठगने वाले दो गिरफ्तार

गाजियाबाद। कौशांबी थाने के एसओ एसके सिह की टीम ने साइबर थाना पुलिस के साथ मिलकर दो ऐसे जालसाजों को मुखबिर की सूचना के बाद दबोच लिया जो अब तक कई प्रांतों में सैंकड़ों लोगों को करोड़ों की चपत लगा चुका था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस की गिरफ्त में आये शातिर जालसाजों के पास से कई पासपोर्ट, नकली वीजा, जाली दस्तावेज व सामग्री बरामद हुई। पूछताछ के दौरान दोनों जालसाजों ने अपने नाम मुकीम व मुफीद पुत्र गुलत्जर निवासी सांकला खत्री सहारनपुर बताये। दोनों जालसाज सगे भाई हैं। इनका गैंग भोले भाले बेरोजगार युवकों को विदेश भेजने और वहां पर अच्छी नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगता रहा है। ठगी करने से पहले यह गैंग बेरोजगार युवकों के पासपोर्ट एवं अन्य दस्तावेज ले लेता और फिर वीजा बनवाने एवं विदेश भेजने के लिये किराया वसूलने के नाम पर मोटी रकम ऐंठ लेता था। ठगी करने के बाद ये दोनों भाई और इनके साथी वहां से रफूचक्कर हो जाते थे।

धर्म परिवर्तन करवाने वाले दो युवकों पर मुकदमा

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले दो युवकों के खिलाफ गौतमबुद्धनगर के एक कस्बे में रहने वाली लडकी ने जबरन धर्म परिवर्तन करवाने और इज्जत से खिलवाड़ करने जैसी अपराधिक धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। सूत्रों के अनुसार जिन युवकों के खिलाफमुकदमा दर्ज हुआ है उनके नाम शाकिर व शारूख हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि रिपोर्ट दर्ज करने के बाद विजयनगर थाना पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी थी।

दंबगों ने घर में घुसकर की मारपीट व तोड़फोड़

गाजियाबाद। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव शामली में फ्री पान मसाला दिलाने से इनकार करने पर दबंगों ने घर में घुसकर जमकर मारपीट व तोड़फोड़ की। इस संघर्ष में एक ही परिवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने पांच नामजद सहित अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है। गांव शामली में मनोज सैनी परिवार सहित रहते है। देर रात उनका भतीजा आकाश परचून की दुकान पर खड़ा था। इसी बीच गांव निवासी अनुज आया और आकाश से पान मसाले का पाउच दिलाने को कहा। आकाश ने पैसे ना होने की बात कहीं तो मारपीट करने लगा। वहां पर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। उस समय तो मामला शांत करा दिया। देर रात अनुज पक्ष के लोगों ने मनोज सैनी क घर पर धावा बोल दिया। एक दर्जन दर्जन से अधिक लोगों ने घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ कर मारपीट की। धारदार हथियार व सरिया से वार कर किए गए। इस हमले में मनोज सैनी, सागर, राहुल, दीपक व आंकाक्षा गंभीर रुप से घायल हो गई। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर द्रिवेश तोमर, सग्राम तोमर, कालो, नीरज, अनुज निवासी गांव शामली व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल के मुद्दे पर प्रदर्शन जारी

इस्तीफे की मांग लेकर भाजपा का प्रदर्शन, आप कार्यकर्ताओं ने लगाए भाजपा विरोधी नारे

- नेता प्रतिपक्ष बिधूड़ी ने कहा, सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए
- आप विधायकों ने सदन के बाहर धरना दिया, ईडी हिरासत से तुरंत रिहा करने की मांग की

भाजपा विधायकों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। फोटो: रंजन डिमरी

आप विधायकों ने सदन के बाहर धरना दिया और केजरीवाल को ईडी की हिरासत से तुरंत रिहा करने की मांग की।

पीएनएस। नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम

राष्ट्रीय राजधानी में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए। भाजपा विधायकों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया तो आप विधायकों तथा उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया है। इस आबकारी नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। दोनों ही दलों ने एक ही समय पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर मार्च निकाला। पीली टी-शर्ट पहने आप नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भाजपा विधायकों के पीछे-पीछे हो लिए। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। बिधूड़ी ने कहा, मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन पर भ्रष्टाचार के लगभग 12 आरोप हैं। अगर आबकारी नीति विश्वस्तरीय थी तो उन्होंने इसे वापस क्यों लिया, हम केजरीवाल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इसी बीच, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी दोपहर करीब 12 बजे विधानसभा परिसर के प्रवेश द्वार के बाहर मयूर विहार के लगभग 100 पार्टी कार्यकर्ताओं के एक समूह, पार्टी की महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ प्रदर्शन किया और केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की। काले कपड़े पहने भाजपा कार्यकर्ता विधानसभा प्रवेश द्वार पर एकत्र हो गए और नारेबाजी करने लगे। सचदेवा नारे लगाते हुए द्वार पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें विधानसभा परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया। सुरक्षाकर्मियों ने मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया और बाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के लोग केजरीवाल सरकार के राजनीतिक नाटक से ऊब चुके हैं और दावा किया कि जनता आगामी लोकसभा चुनावों में आप-कांग्रेस गठबंधन को पूरी तरह से खारिज कर सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के दो मंत्री पहले से ही जेल में हैं और दावा किया कि फर्जी पत्र जारी करने के आरोप में आतिशी तथा सौरभ भारद्वाज भी जल्द ही जेल जा सकते हैं।विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले आप विधायकों ने सदन के बाहर धरना दिया और नारे लगाते हुए केजरीवाल को ईडी की हिरासत से तुरंत रिहा करने की मांग की। आतिशी और सौरभ भारद्वाज समेत पार्टी के अन्य नेताओं ने विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने पीले रंग की टी-शर्ट पहनी हुई थी जिस पर मैं भी केजरीवाल और मोदी का सबसे बड़ा डर केजरीवाल जैसे नारे लिखे हुए थे। आप के राष्ट्रीय संयोजक को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था और बाद में यहां की एक अदालत ने उन्हें 28 मार्च तक के लिए केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में भेज दिया था। उधर, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुर में बुधवार को आप के कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंका। उसी समय, भाजपा कार्यकर्ताओं का एक छोटा समूह यहां मुरारजी भवन स्थित पार्टी कार्यालय से बाहर आया और विरोध कर रहे आप कार्यकर्ताओं से भिड़ने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों दलों को रोकने का प्रयास किया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा शुरू किए गए नो वोट फॉर भाजपा मुहिम के बाद उन्होंने यहां ईस्ट फोर्ट से भाजपा कार्यालय तक मार्च किया। आप कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ और विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के पक्ष में नारे लगाए, जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी पार्टी और प्रधानमंत्री के पक्ष में नारेबाजी की। सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता बड़ा पत्थर ले जाते हुए दिखाई दे रहा है और आप कार्यकर्ताओं के करीब पहुंचाने के प्रयास के दौरान पुलिस कर्मियों ने पत्थर हटा दिया। कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हो गई। इस दौरान पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया।

मेरा शरीर जेल में हैं, पर आत्मा जनता के बीच : केजरीवाल

- मुख्यमंत्री ने हिरासत से पत्नी सुनीता के जरिए दिया संदेश
- दावा : हिरासत में बिगड़ रही केजरीवाल की सेहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

'मेरा शरीर जेल में है, लेकिन आत्मा आप सबके बीच है। आंखे बंद करो, मुझे अपने आस-पास महसूस करोगे।' यह संदेश मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पत्नी सुनीता केजरीवाल के माध्यम से एक बार फिर दिल्ली और देशवासियों को दिया।

केजरीवाल ने मुझे बताया कि दो साल में ढाई सौ रेड करने के बाद भी ईडी को एक पैसा नहीं मिला। 28 मार्च को कोर्ट में सीएम सबूतों के साथ तथाकथित शराब घोटाले का खुलासा करेंगे और बताएंगे कि पैसा कहां है।

दरअसल, सुनीता केजरीवाल मंगलवार की शाम सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने ईडी दफ्तर गई थी। इस दौरान सीएम केजरीवाल ने दिल्लीवासियों के लिए दो महत्वपूर्ण संदेश भेजे। इससे दो दिन पहले उन्होंने दिल्ली की जल मंत्री आतिशी को संदेश भेजा था कि लोगों के पानी और सीवर की समस्याओं का समाधान किया जाए।

सुनीता ने कहा कि केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और सत्येंद्र जैन के यहां भी रेड मारी लेकिन उन्हें एक भी पैसा नहीं मिला। ईडी ने हमारे घर भी रेड मारी, जिसमें उन्हें मात्र 73,000 रुपए मिले। इसलिए यह सवाल उठता है कि फिर इस तथाकथित शराब घोटाले का पैसा कहां है।

सीएम अरविंद केजरीवाल इस बात का खुलासा 28 मार्च को कोर्ट के सामने करेंगे। वो पूरे देश को सबूत के साथ सच-सच बताएंगे कि इस तथाकथित शराब घोटाले का पैसा कहां है। आम आदमी पार्टी (आप) के सूत्रों ने बुधवार को दावा किया कि मधुमेह से पीड़ित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के रक्त में शर्करा के स्तर में उतार चढ़ाव हो रहा है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में उनकी सेहत बिगड़ रही है।

सूत्रों ने दावा किया कि केजरीवाल के रक्त में शर्करा का स्तर एक बार गिरकर 46 मिलीग्राम (एमजी) तक आ गया था और डॉक्टरों के मुताबिक, यह बहुत खतरनाक होता है। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 28 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में हैं। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति बनाने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से संबंधित है।

ईडी हिरासत के दौरान सीएम आदेश पत्र की जांच हो : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मिलकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा ईडी की हिरासत से मंत्रियों को भेजे जा रहे पत्रों के मामले में जांच की मांग की।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली पुलिस मुख्यालय में अरोड़ा के साथ मुलाकात में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने इस बारे में जांच कराने की मांग की कि क्या केजरीवाल द्वारा लिखे जा रहे पत्र वास्तविक हैं।

भाजपा ने दिल्ली सरकार के मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की जिन्होंने पत्र प्राप्त करने का दावा किया है। सचदेवा ने दावा किया, एक प्रक्रिया है जिसके तहत ईडी की हिरासत में से किसी व्यक्ति के इस तरह के पत्र उचित प्रमाणन के बाद आ सकते हैं। जहां तक मेरी सूचना है, ये पत्र फर्जी हैं। जल मंत्री आतिशी ने पिछले सप्ताह केजरीवाल का एक पत्र दिखाते हुए दावा किया था कि मुख्यमंत्री ने उन्हें शहर में पानी की आपूर्ति और सीवर से संबंधित मुद्दों का समाधान करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री भारद्वाज ने मंगलवार को दावा किया कि केजरीवाल ने उन्हें ईडी की हिरासत से निर्देश भेजे कि सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में निशुल्क दवाएं उपलब्ध हों।

अदालत ने सीएम की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन पर वकीलों को किया आगाह

- कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने कहा, इसके परिणाम गंभीर होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन ने मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ अदालत परिसरों में विरोध प्रदर्शन करने के प्रति बुधवार को वकीलों को आगाह करते हुए कहा कि परिणाम गंभीर होंगे।

आप के विधि प्रकोष्ठ ने बुधवार को यहां जिला अदालतों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 28 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में हैं। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, अदालत में विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के परिणाम गंभीर होंगे। अदालतों को रोका नहीं जा सकता। हम किसी से अदालत जाने का अधिकार नहीं छीन सकते। उन्होंने कहा, यदि कोई ऐसा करता है, तो वह इसे अपने जोखिम पर करे। इस मुद्दे का उल्लेख कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष अधिवक्ता वैभव सिंह ने किया था। उन्होंने कहा कि अदालत परिसर का उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि वह इस मुद्दे को कल देखेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी।

बीसीआई ने अधिवक्ताओं से अलग रहने का किया आग्रह

नई दिल्ली। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई)ने एक बयान जारी कर वकीलों से आग्रह किया है कि वे तब तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ किसी भी विरोध प्रदर्शन से तब तक दूर रहें जब तक कि उन्हें निर्दोष घोषित नहीं कर दिया जाता।

आम आदमी पार्टी (आप) के कानूनी प्रकोष्ठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ सभी जिला अदालतों में वकीलों से विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की ओर से जारी बयान में कहा गया है, आइए, हम अपने महान पेशे की अखंडता और गरिमा को बनाए रखें, जब तक कि एक सक्षम अदालत स्पष्ट रूप से अरविंद केजरीवाल की बेगुनाही को स्थापित नहीं कर देती या उनकी गिरफ्तारी को अनुचित या गैरकानूनी घोषित नहीं कर देती।

रेस्तरां मालिक की गोली मारकर हत्या

- सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस, मृतक का रहा है आपराधिक रिकॉर्ड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में स्थित न्यू उस्मानपुर इलाके में अज्ञात हमलावरों ने एक रेस्तरां के 32 वर्षीय मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

रेस्तरां मालिक संजय सिंह जब मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को रेस्तरां से लौट रहे थे तो उस दौरान हमलावरों ने उनके घर के पास हमला कर दिया। सिंह पर हत्या का एक मामला दर्ज है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिंह के एक दोस्त ने उन्हें सड़क पर घायल स्थिति में पड़े हुए देखा और उनके छोटे भाई नितिन को इस बारे में जानकारी दी। नितिन एक डेयरी का मालिक है। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही नितिन घटनास्थल पर पहुंचा और सिंह को हनुमान मंदिर वाली गली के पास खून से लथपथ पाया। पुलिस के अनुसार, सिंह के सिर, दाहिने कंधे, कोहनी और पेट में चोट लगी थी। उन्हें जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि घटनास्थल पर सात कारतूस के खोखे, 7.65 मिमी का एक कारतूस सहित अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सिंह के खिलाफ रविंदर नाम के एक व्यक्ति की हत्या का मामला दर्ज था। दोनों एक ही इलाके में रहते थे।

अधिकारी ने कहा, पुलिस सिंह की हत्या करने वालों की पहचान करने के प्रयास कर रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

बुद्ध विहार फायरिंग में शूटर धरा

नई दिल्ली। अपराध शाखा ने हाल ही में बुद्ध विहार थाने के तहत हुई सनसनीखेज फायरिंग की घटना में वांछित एक शूटर को मुठभेड़ के बाद पकड़ा है।आरोपी ने बुद्ध विहार के प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग की थी।पुलिस ने उसके पास से अपराध में प्रयुक्त दो अत्याधुनिक स्वचालित पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की है। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 27 फरवरी को रोहिणी सेक्टर-24, में एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर फायरिंग की घटना के संबंध में बुद्ध विहार थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। जांच के दौरान, शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने कार्यालय में कुछ दोस्तों के साथ बैठा था। कुछ लोग बाइक पर आए और फायरिंग की।

कांग्रेस ने की महारैली की तैयारियों पर चर्चा, तृणमूल होगी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केसी वेणुगोपाल

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ रविवार को प्रस्तावित महौरली की तैयारियों को लेकर पार्टी के नेताओं के साथ चर्चा की।

वेणुगोपाल ने रैली की तैयारियों को लेकर जो बैठक की उसमें दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान और दिल्ली एवं हरियाणा के पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया तथा कुछ अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस का कहना है कि केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ईडी द्वारा गिरफ्तारी और पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने के खिलाफ इस महारैली का आयोजन हो रहा है। 31 मार्च को आयोजित विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली में तृणमूल कांग्रेस अपने प्रतिनिधि भेजेगी। आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली आयोजित करने की घोषणा की है। तृणमूल सूत्रों ने कहा कि पार्टी दो नेताओं को रैली में प्रतिनिधि के तौर पर भेजेगी, लेकिन उन्होंने नेताओं के नाम नहीं बताए।

पिटाई से किराएदार की मौत, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के करावल नगर इलाके में रह रहे 47 वर्षीय व्यक्ति की, मकान मालिक के भतीजे के साथ झगड़े के बाद बेतहाशा पिटाई होने से मौत हो गई। मृतक दिल्ली परिवहन निगम में बस मार्शल के तौर पर काम करता था। यह घटना 24 और 25 मार्च की मध्य रात्रि को हुई थी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ने उन्हें इस बारे में सूचना दी थी कि एक बेहोश व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके हाथ-पैर में चोट लगी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सतवीर को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया था। उसको कई अंदरूनी चोटें भी आई थीं। उन्होंने कहा कि इस मामले में 26 मार्च को भारतीय दंड संहिता की धारा 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मांडविया ने दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं करने पर उठाए सवाल

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर केजरीवाल पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं पर चिंता व्यक्त करने के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर उन्हें इतनी फिक्र होती तो वह आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करते। मांडविया ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) को लागू नहीं करने के लिए भी केजरीवाल की आलोचना की।

पीएम-एबीएचआईएम सभी स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल सुविधा को बनाए रखने में स्वास्थ्य संस्थानों की क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है। मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत से केजरीवाल ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया कि सभी सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में लोगों के लिए दवाएं और जांच सुविधाएं उपलब्ध हों। पीएम-एबीएचआईएम योजना के तहत, दिल्ली को।,139 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 11 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं और नौ महत्वपूर्ण देखभाल सुविधा ब्लॉक के लिए 2406.77 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। मांडविया ने कहा, योजना के तहत उपलब्ध वित्तीय सहायता का लाभ उठाने के लिए दिल्ली सरकार से कई बार सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया गया, लेकिन वह अभी तक आगे नहीं आई है। अगर आप वाकई दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं तो इस एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिल्ली के लोगों के लिए 2,406.77 करोड़ रुपए प्राप्त करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) लागू नहीं की है, जिसके कारण राष्ट्रीय राजधानी के लगभग 30 लाख लोग उस योजना के लाभ से वंचित हैं जो माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए परिवार को प्रति व्यक्ति पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है।

मांडविया ने कहा, केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के कुल 6,54,041 परिवार (लगभग 30 लाख व्यक्ति) आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई के लिए पात्र हैं। अगर दिल्ली में एबी पीएम-जेएवाई लागू होती तो राष्ट्रीय राजधानी को योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रति वर्ष 47 करोड़ रुपए मिलते। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस योजना के तहत अस्पतालों के शामिल नहीं होने के कारण दूसरे राज्यों से यहां काम करने के लिए आने वालों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता। केंद्रीय मंत्री ने कहा, दिल्ली में देश भर से लोग आते हैं। वे आम तौर पर एबी पीएमजेएवाई के लाभार्थी हैं। इस आबादी की स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, भारत सरकार ने 92 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है। हालांकि, दिल्ली सरकार के अस्पतालों को योजना के तहत सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

मांडविया ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में अस्पताल के बिस्तरों की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आधे से अधिक बिस्तर केंद्र सरकार के चार अस्पतालों-अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), राम मनोहर लोहिया (आरएमएल), सफदरजंग और लेडी हार्डिंग में हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों और सीटों में भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। मांडविया ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में तपेदिक (टीबी) के मामले बढ़ते जा रहे हैं और बीमारी से निपटने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

सार्वजनिक सूचना
संपत्ति कर विभाग, एमसीडी
दिल्ली के संपत्ति धारक ध्यान दें
वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति कर का समय पर भुगतान सुनिश्चित करें!
केवल 4 दिन शेष
क्या आपने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति कर का भुगतान किया है?
यदि नहीं, तो देय कर पर ब्याज और जुर्माने से बचने के लिए कृपया आज ही अपने संपत्ति कर का भुगतान करें और 10,000/- रुपये तक के कर के ऑनलाइन भुगतान पर 2% छूट प्राप्त करें। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति कर के भुगतान की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2024 है।
क्या आपने अपनी संपत्ति के लिए जियो-टैगिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली है?
यदि नहीं, तो कृपया जल्दी करें! संपत्तियों की जियो-टैगिंग की अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 है। जियो-टैग नहीं की गई संपत्तियों पर अगले वित्तीय वर्ष में 30 जून तक समय पर भुगतान हेतु छूट का लाभ नही मिलेगा।
यदि आपने अभी तक अपनी संपत्ति का पंजीकरण नहीं कराया है तो कृपया एमसीडी की वेबसाइट www.mcdonline.nic.in पर 31 मार्च 2024 तक लॉग इन कर पंजीकृत करें और विशिष्ट संपत्ति पहचान कोड (यूपीआईसी/UPIC) बनाएं। अभियोजन एवं कारावास सहित कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अपने बकाये कर का भुगतान तुरंत करें।
अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 155305 पर कॉल करें या www.mcdonline.nic.in पर लॉग इन करें।
Be compliant and Self-Reliant
RO No.:102/DPI/MCD/2023-24
दिल्ली नगर निगम
कर-निर्धारण और समाहरण विभाग

महिलाओं के लिए स्पेशल पिंक बूथ, कमजोर तबके के लिए बनेंगे कुछ विशेष बूथ

दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाता दे सकते हैं बैलेट पेपर से वोट

लोकसभा चुनाव 2024

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान गुरुग्राम जिला में महिला वोटरों के लिए स्पेशल पिंक बूथ बनाए जाएंगे। इसके अलावा दिव्यांगजनों और बुजुर्ग मतदाताओं को बैलेट पेपर से वोट देने की भी सुविधा प्रदान की जाएगी। इस चुनाव में मतदाताओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। नारी शक्ति का सम्मान करते हुए जिला में पिंक बूथ बनाए जाएंगे। इन बूथ पर महिला कर्मचारियों व महिला सुरक्षाकर्मियों को ही तैनात किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव के मुताबिक ये बूथ इसलिए बनाए जाएंगे कि महिलाएं भी वोट डालने के लिए घर से बाहर आएं। अपने अनुकूल वातावरण में मतदाधिकार का प्रयोग करें। जिला में पिंक बूथ बनाने के लिए अभी स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार 85 वर्ष या इससे अधिक आयु के बुजुर्गों तथा चलने-फिरने अक्षम दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए बैलेट पेपर से वोट डलवाए जाएंगे। जो बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता बूथ पर जाकर वोट नहीं डालना चाहते, उनको चुनाव का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद घर-घर जाकर फार्म 12 डी दिया जाएगा। यह नोटिफिकेशन 29 अप्रैल को जारी होगा और इसी दिन से लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

जिला में हैं 21 हजार 728 बुजुर्ग डीसी ने बताया कि फार्म-12डी में मतदाता यह लिखकर बताएगा कि वह बूथ पर जाकर वोट देना चाहेगा या बैलेट पेपर से। नामांकन प्रक्रिया छह मई को पूरी होगी। उसके बाद ये फार्म बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं के घर से एकत्रित किए जाएंगे।

जो मतदाता चाहेंगे कि वे घर से ही वोट देंगे, उनको बैलेट पेपर वितरित किए जाएंगे और चुनाव कर्मचारी उसी दिन उनके बैलेट पेपर पर निशान लगवा कर लेकर उन्हें सीलबंद कर देंगे। इस प्रक्रिया में मतदाता के गोपनीयता के अधिकार को बरकरार रखा जाएगा। निशांत कुमार यादव ने बताया कि जिला में कुल 21 हजार 728 मतदाता 85 साल से अधिक आयु के हैं। इनमें पटौदी विधानसभा क्षेत्र में 4583, बादशाहपुर में 6927, गुरुग्राम में 6194 और सोहना हलके में 4024 वोटर हैं। दिव्यांग मतदाताओं की गणना की जा रही है। जो बुजुर्ग और दिव्यांग बूथ पर वोट डालने आएंगे, उनको वालंटियर सहयोग करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भी जिला में कुछ विशेष पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे। ये बूथ अनुसूचित वर्ग की आबादी के अनुसार निर्मित होंगे। इन पर एससी वर्ग के ही कर्मचारी व अधिकारियों की पोलिंग पार्टी के रूप में नियुक्ति की जाएगी। जिला में 62 सहायक बूथ सहित कुल 1332 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। प्रत्येक बूथ पर चार कर्मचारी लगाए जाएंगे और बीस प्रतिशत पोलिंग पार्टियां रिजर्व में रहेंगी। स्टाफ की कमी को देखते हुए मतदान केंद्रों पर महिला कर्मचारी भी नियुक्त की जाएंगी।

अलवर में प्रत्याशी भूपेंद्र यादव के नामांकन में शामिल हुए विधायक सुधीर सिंगला

भूपेंद्र यादव की भारी मतों से जीत का किया दावा

पायनियर समाचार समाचर सेवा। गुरुग्राम

अलवर में लोकसभा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव के नामांकन कार्यक्रम में पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला का सम्मान करते गणमान्य लोग व उपस्थित आमजन।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला राजस्थान की अलवर लोकसभा पर भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के नामांकन प्रक्रिया में शामिल हुए। नामांकन से पूर्व सभा में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव के भारी मतों से जीत का दावा किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भव्य सभा को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में विधायक के साथ पार्षद मनीष वजीराबाद, विष्णु मंगला, मदन गोपाल सिंगला, विश्वंभर शर्मा, ओमदत्त कटारिया, कृष्ण नंबरदार,महेश टिन्नी, राजबीर, सकूंतपाल नागर, सुरेश, ललित, पंकज दहिया, आरपी सिंह मेहर राणा, सुनील मेंबर, राजपाल (कालू), राजबीर मानेसर, व अन्य कार्यकर्ता साथ रहे। नामांकन सभा में पहुंची भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते हुए विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि लोगों का हुजूम भाजपा प्रत्याशी भूपेन्द्र यादव की जीत को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर राज्य में पार्टी की मजबूती की वहां के विकास के काम गवाही देते हैं।

जिस तरह से समग्र विकास करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों को अग्रणी राज्य बनाने के लिए काम किया, वह काबिले तारीफ है। पीएम मोदी ने देश को विकास के जिस रास्ते पर आगे बढ़ाया है, वह पहले कभी नहीं हुआ। देश को आंतरिक रूप से भी मजबूत किया है और बाहरी रूप से भी मजबूत किया है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार लाने के लिए अब हम सबको एकजुट होकर काम करना है। किसी के बहकावे में नहीं आना। विपक्ष बरगलाने का काम करेगा, लेकिन हमें सकारात्मक सोच रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में आस्था रखते हुए भाजपा के पक्ष में ही मतदान करना है। विधायक ने कहा कि देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए तीसरी बार नरेंद्र भाई मोदी का प्रधानमंत्री बनना जरूरी है, नहीं तो सपना अधूरा रह जाएगा।

मोदी सरकार की आलोचना से पहले हिंदुस्तान के बदले हालात पर जरूर करें गौर : वैशाली तोमर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मीडिया प्रभारी वैशाली तोमर ने कहा कि देश की जनता चाहे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों, नीतियों और विचारधारा से प्रभावित है या नहीं, उन सभी से यह सोचने का आग्रह किया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में हमें देश की कमान किस हाथों में सौंपनी है।

इस पर गहराई के साथ चिंतन व मनन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यों की सराहना करने वालों की एक लंबी फेहरिस्त हमारे देश में है, वहीं कुछ लोग सरकार के कार्यों से ज्यादा संतुष्ट नहीं है। लोकतंत्र में हर किसी को अपने हिसाब से सोचने और निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त है। इसके अनुसार प्रत्येक नागरिक क्या निर्णय लेना चाहता है यह उसके विवेक पर निर्भर है, लेकिन एक तरफ देश के बीते 70 वर्षों के इतिहास पर मंथन किया जाए और मोदी शासन में हिंदुस्तान की स्थिति पर गौर किया जाना नितांत आवश्यक है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मीडिया प्रभारी वैशाली तोमर ने कहा कि देश के किसी एक राज्य में अगर भाजपा एक चुनाव हारे तो कुछ लोगों द्वारा यह मान लिया जाता है कि मोदी लहर खत्म और चुनाव जीते तो ईवीएम हैक करने की तोहमत लगा दी।

राम मनोहारी हैं, अलौकिक हैं, अनुकरणीय और वंदनीय हैं: बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम युवा पीढ़ी को बना रही संस्कारवान

हनुमान चालीस मुहिम ने पांच लाख 93 हजार का आंकड़ा पार किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बोधराज सीकरी द्वारा चलाई जा रही हनुमान चालीसा पाठ मुहिम के तहत प्रधान राम लाल ग्रोवर द्वारा हनुमान मंदिर मदनपुरी गली नंबर-3 गुरुग्राम में पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें 350 लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। इस आयोजन में महाबीर दल ने अपना विशेष सहयोग दिया व साईं सेवा समिति ने भंडारे का कार्यभार बखूबी निभाया।

इस आयोजन में गजेंद्र गोसाई ने विधिवत पूजन के बाद पंडित भीम दत्त से शंखनाद करवाया गया। हनुमान चालीसा पाठ को संगीतमय तरीके से 21-21 बार प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में अशोक वाटिका का दृश्य हनुमान जी के निमित्त प्रस्तुत किया, जिसमें बगिया का वर्णन पुष्पों के माध्यम से किया गया। कैसे एक कथा में भगवान राम मां सीता के साथ हनुमान जी के साथ उपस्थित होते हैं। भक्ति की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने ऐसे ही रामायण में वर्णित सरभंग ऋषि का एक योग के माध्यम से किये गए चमत्कार का जिक्र भी किया। कैसे सरभंग ऋषि को राम ने दर्शन दिया। उस वृंतात का बखूबी वर्णन कर लोगों का मन हर लिया।

बोधराज सीकरी ने बताया कि वर्तमान पाठ में लगभग 350 भक्तों ने भाग लिया। सभी ने 21-21 बार पाठ किया। ज्योत्सना बजाज के ऑनलाइन हनुमान चालीसा के पाठ के आयोजन में 21 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्ट्री के 66 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। 248 स्थानों पर 42,922 पाठ हो चुका है।

योगेश शर्मा बनाए गए हरियाणा स्टेट सोशल सुरक्षा बोर्ड के सदस्य

बोर्ड के चेयरमैन होंगे हरियाणा सरकार के श्रम मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेशभर के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण के लिए बनाएं गए हरियाणा स्टेट सोशल सिक्योरिटी बोर्ड की घोषणा की गई, जिसके चेयरमैन हरियाणा सरकार के श्रम मंत्री होंगें। बोर्ड के सदस्य के रूप मे गुरुग्राम के योगेश शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार ने प्रदान करके असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के कल्याण के लिए बड़ा कदम उठाया है। योगेश शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भारतीय मजदूर संघ के उत्तर क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार, सह संगठन मंत्री सोहनलाल गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार एवं प्रदेश महामंत्री हवा सिंह मैहला, प्रदेश उपाध्यक्ष विरेन्द्र शर्मा का आभार जताया है।

श्रम विभाग की ओर से एसीएस/प्रिन्सिपल सेक्रेटरी और श्रम आयुक्त हरियाणा को रखा गया है। बोर्ड में सभी सरकारी विभागों के विभाग प्रमुखों को शामिल किया गया है। योगेश शर्मा इससे पहले भी असंगठित क्षेत्र के लिए बनाई गई हरियाणा सरकार की निगरानी कमेटी के सदस्य भी रहे है। योगेश शर्मा को बोर्ड का सदस्य बनाएं जाने से प्रदेशभर के ऑटो ड्राइवरों और भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओ मे भारी खुशी है।

इस अवसर पर योगेश शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड के गठन करके बडा सराहनीय कदम उठाया है। योगेश शर्मा ने कहा कि मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी देने पर हरियाणा सरकार, भारतीय मजदूर संघ के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड के सदस्य की जिम्मेदारी का निर्वहन अंतिम पंक्ति मे बैठे असंगठित क्षेत्र के श्रमिक के कल्याण और उसको समाज की मुख्य धारा से जोड़कर सभी सरकार की सुविधाओं का लाभ दिलवाने का का काम प्राथमिकता से करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने सभी का धन्यवाद किया।

सेल्सफोर्स और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की साझेदारी वाहन लोन प्राप्त करने वाले ग्राहकों की डिजिटल ऑनबोर्डिंग संभव बनाएगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीआरएम समाधानों में ग्लोबल लीडर, सेल्सफोर्स ने आज भारत के अग्रणी एसएफबी, एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक (एयू एसएफबी) के साथ गठबंधन की घोषणा की। इस गठबंधन का उद्देश्य बैंक के वाहन लोन के ग्राहकों के लिए एडवांस्ड डिजिटल कस्टमर ऑनबोर्डिंग सॉल्यूशन का क्रियान्वयन करना है। इस साझेदारी से टेक्नोलॉजी अपनाने की एयू एसएफबी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है, ताकि ग्राहक के साथ जुड़ाव बढ़ाकर ऑपरेशनल एफिशियंसी में सुधार लाया जा सके। सेल्सफोर्स की मदद से एयू एसएफबी रिलेशनशिप ऑफिसर्स एवं बिजनेस मैनेजर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूर्णत: डिजिटाईज़्ड समाधानों का निर्माण करेगा। इस सहयोग के साथ बैंक अपने ग्राहकों द्वारा क्रेडिट एवं ऑपरेशंस का पूरा सफर एक ही प्लेटफॉर्म पर ले आएगा। इससे वो टर्नअराउंड टाईम (टीएटी) में तेजी ला सकेंगे, और विभिन्न डिजिटल चैनलों पर ग्राहक प्राप्त कर सकेंगे। बैंक द्वारा सेल्सफोर्स की मदद से अपने मौजूदा एपीआई स्टैक का उपयोग किया जाएगा, और मैन्युअल डेटा एंट्री कम करके डेटा वैलिडेशन की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जाएगा। सेल्सफोर्स की टीम के सहयोग से एयू एसएफबी का उद्देश्य एडवांस्ड रिपोर्टिंग क्षमताओं के इंटीग्रेशन द्वारा ऑपरेशनल एफिशियंसी बढ़ाना है। इसमें क्रेडिट निर्णयों को अंडरराईट करने, डेटा और दस्तावेजों की पुष्टि करने, और यूजर्स को हाथों-हाथ डैशबोर्ड प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करना शामिल है, ताकि पेपरलैस वर्कफ्लो में सुगम परिवर्तन संभव हो सके। इस सहयोग द्वारा नए फीचर्स एवं पॉलिसीज पेश की जाएंगी और चुनौतियों पर विजय प्राप्त की जाएगी।

इस साझेदारी के बारे में भास्कर करकेरा, हेड ऑफ रिटेल एस्सेट्स, एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक ने कहा, ''हमें अपने सबसे पुराने और सबसे मजबूत उत्पादों में से एक, वाहन लोन के ग्राहकों के लिए प्रक्रिया को डिजिटाईज करने के लिए सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी करने की खुशी है। एयू एसएफबी में हम अपने प्रयासों को ग्राहकों पर केंद्रित रखते हैं, और सेल्सफोर्स के साथ हमारा यह सहयोग इस प्रतिबद्धता को मजबूत बनाएगा। इस सहयोग से न केवल हमारी उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों का अनुभव एक नए आयाम में पहुँच जाएगा। यह इनोवेशन टेक्नोलॉजी को अपनाने से बढ़कर है, इससे हमें तेजी से विकसित होते हुए वित्तीय परिदृश्य में सबसे आगे निकलने में मदद मिलेगी, जो टेक्नोलॉजी के विस्तृत उपयोग द्वारा संभव होगा। यह एंड-टू-एंड डिजिटल ऑन-बोर्डिंग ऐप वैल्यू चेन में सभी हितधारकों को लाभ पहुँचाएगा, जिनमें ऑटो डीलर, हमारे सेल्स ऑफिसर, बैंक-ऑफिस टीम, और ग्राहक शामिल हैं।'' सेल्सफोर्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर-सेल्स, अरुण कुमार परमेश्वरन ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी बैंकिंग में इनोवेशन के लिए आकर्षक अवसर प्रदान करती है। सेल्सफोर्स में हम जानते हैं।

पिज्जा हट का बेस्टसेलर ''मैल्ट्स'' भारत में लॉन्च हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद पिज्जा ब्रांड ने अपने बेस्टसैलर 'मैल्ट्स' को अब भारत में लॉन्च किया है, इसके साथ ही भारतीय बाजार में इस ब्रांड ने एक नई श्रेणी में कदम रख दिया है। तेज रफ्तार जिंदगी जीने वालों के लिए मैल्ट्स उचित पेशकश है, इसे किसी भी समय कहीं भी खाया जा सकता है।

क्रिस्पी, चीजी और लोडेड यह नया 'मैल्ट्स थिन एन' क्रिस्पी क्रस्ट से बना है जो स्वादिष्ट फिलिंग और सॉस से भरपूर है, इसमें पिघला हुआ 100 प्रतिशत मॉजरेला चीज शामिल है। इसे उम्दा ढंग से बेक किया गया है। मैल्ट्स दुनिया भर में सनसनी फैला चुका है और अब इसे भारतीय स्वाद के मुताबिक तैयार किया गया है, इसमें 6 स्वादिष्ट प्रकार प्रस्तुत किए गए हैं। लोडेड वैजी बीबीक्यू, लोडेड चिकन बीबीक्यू, चीजी चीज, चीजी चीज चिकन, मैजिकल मखनी पनीर, और चिकन टिक्का और कीमा सुप्रीम। पिज्जा हट इंडियन सबकॉन्टिनेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर मेरिल पेरेरा ने कहा, ''मैल्ट्स एक ऐसा प्रोडक्ट है। जैसा अब तक भारत में पेश नहीं किया गया है और इसके साथ हमने एकदम नई श्रेणी में कदम रखा है। ऐसा जायकेदार प्रोडक्ट पेश करते हुए हम बेहद रोमांचित हैं, जो खाने में इतना सुविधाजनक है, कि हमारे जो ग्राहक तेज रफ्तार जिन्दगी जीते हैं। वे इसे किसी भी वक्त, कहीं भी खा सकते हैं। स्वादों की विविधता और आकर्षक कीमत के साथ यह मैल्ट्स बेशक पिज्जा हट प्रेमियों को चकित और खुश करेगा। हमें उनकी प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार है।'' चाहे आप घर पर मूवी का मजा ले रहे हों, आप दिन भर काम में बहुत व्यस्त रहे हों या आप बस बढ़िया स्वाद का लुत्फ लेना चाहते हों तो क्रिस्पी, चीजी व लोडेड मैल्ट्स निश्चित तौर पर आप ही के लिए है। मैल्ट्स केवल रु. 169 की किफायती कीमत से शुरु होता है और यह पूरे भारत में 850 से ज्यादा पिज्जा हट रेस्टोरेंट्स में डाइन-इन, डिलिवरी व टेकअवे के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, पिज्जा हट शानदार मैल्ट्स कॉम्बो व डील्स भी पेश करता है जैसे मैल्ट्स मील फॉर 1 और 3 कोर्स मील फॉर 2 ऑप्शंस। मैल्ट्स के साथ ही पिज्जा हट ने अपना सिग्नेचर व बहु-प्रतीक्षित थिन एन' क्रिस्पी क्रस्ट भी प्रस्तुत किया है, जिसमें कई तरह की अनूठी टॉपिंग के कॉम्बिनेशन हैं, जो ग्राहकों को और भी ज्यादा पिज्जा क्रस्ट के विकल्प देते हैं।

सफाई व्यवस्था व नियमित कचरा उठान को प्रभावी रूप से किया जाए सुनिश्चित: डॉ. नरहरि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था तथा नियमित कचरा उठान को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। इसके तहत सभी संयुक्त आयुक्त अपने-अपने जोन का दौरा करें तथा सफाई एजेंसियों व सफाई कर्मचारियों के माध्यम से सफाई व्यवस्था को बेहतर करवाएं। वे बुधवार को अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने जोन में बागवानी कचरे का उठान भी नियमित रूप से करवाएं, ताकि कचरे में आग लगाने संबंधी घटनाएं ना हो सकें। इससे निकलने वाला धुआं पर्यावरण को प्रदूषित करती हैं।

हिंदवेयर लिमिटेड ने गाजियाबाद में लॉन्च किया हिंदवेयर गैलेरिया शोरूम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

भारत के अग्रणी बाथवेयर ब्रांड, हिंदवेयर लिमिटेड ने गाजियाबाद के प्रसिद्ध रमते राम रोड में स्थित हिंदवेयर गैलेरिया शोरूम का उद्घाटन किया। हिंदवेयर गैलेरिया में, ग्राहकों को एक ही जगह पर कई प्रकार के ब्रांड मिलेंगे, जिसमें प्रीमियम ब्रांड हिंदवेयर इटालियन कलेक्शन और प्रतिष्ठित ब्रांड हिंदवेयर शामिल हैं। रणनीतिक रूप से स्थित यह शोरूम बाथरूम के लिए व्यापक समाधान चाहने वाले ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। हिंदवेयर के नवीनतम सैनिटरीवेयर, नल, और वेलनेस प्रोडक्ट की विशेषता के साथ, यह ब्रांड की शिल्प कौशल और नवीनता की विरासत को दर्शाता है।

हिंदवेयर गैलेरिया का उद्घाटन हिंदवेयर लिमिटेड में बाथ कारोबार के सीईओ श्री सुधांशु पोखरियाल द्वारा किया गया, और इसमें आर्किटेक्ट और कारोबार साझेदार भी उपस्थित थे। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हिंदवेयर लिमिटेड के बाथ एंड टाइल्स कारोबार के सीईओ श्री सुधांशु पोखरियाल ने कहा, ''हिंदवेयर में, हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता ग्राहकों को नए अत्याधुनिक डिजाइन और प्रोडक्ट उपलब्ध करना है, जिससे उन्हें अपने सपनों का बाथरूम बनाने में मदद मिलेगी। सैनिटरीवेयर और फॉसेट के क्षेत्र में अनुभवी फ्रेंचाइजी भागीदारों के साथ हमारी साझेदारी के साथ इस बाजार में हिंदवेयर का पर्याप्त निवेश असाधारण सेवा प्रदान करने और दिल्ली एनसीआर में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। हिंदवेयर के मजबूत रिटेल और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में 35,000 से अधिक एक्टिव रिटेल टचप्वाइंट तक फैला एक विशाल नेटवर्क शामिल है, जिसमें 700 जिलों में 500 डीलर और पूरे भारत में 575 से अधिक रणनीतिक रूप से स्थित ब्रांड स्टोर हैं।

मिट्टी के अवैध उठान की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई करे खनन विभाग: हितेश मीणा

टास्क फोर्स कमेटी की बैठक लेते एडीसी हितेश कुमार मीणा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एडीसी की अध्यक्षता में खनन विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक

जिला में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर एडीसी हितेश कुमार मीणा ने खनन विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीसी ने विकास सदन स्थित अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे जिला के सभी ब्लॉक में मिट्टी के अवैध उठान की रोकथाम के लिए राज्य सरकार की मंशानुरूप सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई करे।

एडीसी ने कहा कि खनन, पुलिस, वन व आरटीए विभाग संयुक्त अभियान चलाकर खनन माफिया के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करें। जिले में अवैध खनन वाले क्षेत्रों को चिन्हित करें और कार्य योजना बनाकर रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने निर्देश दिए कि खनन विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें की जिला में निर्धारित लीज के अतिरिक्त किसी भी क्षेत्र अथवा स्थान पर खनन नही हो। इस दौरान उन्होंने अवैध खनन के विरुद्ध पुलिस, प्रशासन एवं विभागीय अधिकारियों से की।

एआई-संचालित ऑटोमेशन के साथ निवेश में क्रांति ला रहा है: मल्टीफाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हाल के वर्षों में, स्वचालित निवेश समाधानों की शुरूआत के साथ वित्तीय क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन आए हैं। इन परिवर्तनों में से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है स्वचालित निवेश रणनीतियों की पेशकश, जो स्वचालित निवेश समाधानों को उपयोगकर्ताओं के लिए स्थिर और लगातार रिटर्न उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती हैं। इन स्वचालित निवेश समाधानों की प्रमुख विशेषता यह है, कि वे एआई (Artificial Intelligence) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों का उपयोग करते हैं, ताकि उन्हें बाजार के अद्यतन और विश्लेषण के लिए अधिक सुचारू बनाया जा सकें। इसके फलस्वरूप, ये समाधान उपयोगकर्ताओं को स्थिर और उत्तम निवेश निर्णय लेने में मदद करते हैं। सेबी (सेक्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) पंजीकृत रिसर्च एनालिस्ट फर्म ''मल्टीफाई'' भी इसी प्रकार की स्वचालित निवेश रणनीतियों की पेशकश करता है। ये फिर्म एआई-संचालित तकनीकी विश्लेषण का उपयोग करती है, ताकि वे बाजार के डेटा को विश्लेषित कर सकें और उपयोगकर्ताओं को बेहतर निवेश फैसले लेने में मदद कर सकें।

श्री रचित चावला द्वारा स्थापित मल्टीफाई कंपनी मानव बुद्धि और प्रौद्योगिकी के बेहतर परिणाम पर काम करती है और इसका मुख्य उद्देश्य स्वचालित निवेश निर्णयों को सूचित करना है। उन्होंने कंपनी की प्रतिबद्धता को डेटा-संचालित, बैकटेस्टेड प्रक्रियाओं और व्यवहारिक वित्त से अंतर्दृष्टि पर ध्यान केंद्रित किया है। मल्टीफाई का मुख्य उद्देश्य विविध दर्शकों की जरूरतों को पूरा करना है। इसमें फंड मैनेजर, पेशेवर व्यापारी और परिवार कार्यालय के सदस्य शामिल हैं, जो अपनी दिन-प्रतिदिन की निवेश गतिविधियों को सुव्यवस्थित और स्वचालित करना चाहते हैं। श्री चावला के नेतृत्व में, मल्टीफाई ने तकनीकी उन्नति के माध्यम से निवेशकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया है। पारंपरिक मानव-नेतृत्व वाले निवेश अनुसंधान से खुद को अलग करते हुए, मल्टीफाई का अनूठा फंड अपने एआई अनुसंधान प्रणाली, APART (उन्नत प्रक्रिया स्वचालन और अनुसंधान प्रौद्योगिकी) के माध्यम से एंड-टू-एंड अनुसंधान स्वचालन को नियोजित करता है। मल्टीफाई द्वारा सुविधानुसार स्वचालित निवेश में मूल्य, समय और मात्रा जैसे कारकों के आधार पर पूर्व-डिजाइन किए गए व्यवस्थित तरीकों का उपयोग करके ऑर्डर पूरा करना शामिल है। यह दृष्टिकोण स्टॉक एक्सचेंज पर वित्तीय प्रतिभूतियों में लेन-देन को निष्पादित करने के लिए गणितीय नियमों और मानवीय अंतर्दृष्टि के साथ विशिष्ट सूत्रों का उपयोग करता है। प्रति सेकंड हजारों ट्रेड करने की क्षमता के साथ, स्वचालित निवेश ऑर्डर निष्पादन, ट्रेंड निवेश रणनीतियों और मध्यस्थता सहित विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करता है, जिसका लक्ष्य अंतत: निवेशकों को उनकी संपत्ति बढ़ाने के लिए परेशानी मुक्त और लाभदायक वातावरण प्रदान करना है। मल्टीफाई के रचित चावला ने कहा, मल्टीफाई कंपनी अपने ढेर सारे विकल्पों और स्टॉक विशेषज्ञों की एक टीम के कारण स्वचालित निवेश परिदृश्य में खड़ी है।

मोबाइल एप के जरिये वोटर व प्रत्याशी घर बैठे ले सकते हैं चुनाव की जानकारी

ऑनलाइन नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बनाया केंडिडेट नॉमिनेशन एप्लीकेशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि मोबाइल ऐप के जरिये मतदाता व उम्मीदवार घर बैठे चुनाव संबंधित नवीनतम जानकारियां ले सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ऑनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली पर चुनाव संबंधित अपडेट रहें और समस्याओं का समाधान करवाएं। वहीं ऑनलाइन नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए केंडिडेट नॉमिनेशन एप्लीकेशन बनाया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा 18वें लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से ऑनलाइन मोबाइल ऐप शुरू की गई हैं, जो मतदाताओं के साथ-साथ उम्मीदवारों के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। इस ऐप का प्रयोग करके मतदाता व उम्मीदवार सरलतम तरीके से घर बैठे ही चुनाव से संबंधित नवीनतम जानकारियों का अपडेट एवं समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 18 साल का कोई युवा या युवती अपना वोट बनवाना चाहता है तो वह वोट्स.ईसीआई.इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

सी-विजिल पर दें ऑनलाइन शिकायत: जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि इसी प्रकार भारत निर्वाचन आयोग ने सी-विजिल के नाम से एक मोबाइल ऐप शुरू किया है। इस मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर कोई भी नागरिक आदर्श आचार संहिता की कहीं भी अवहेलना हो रही है तो उसकी फोटो या वीडियो बनाकर अपनी शिकायत भेज सकता है, जिसका निवारण निर्वाचन कार्यालय की ओर से 100 मिनट के अंदर किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगे बताया कि ऑनलाइन नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए भी भारत निर्वाचन आयोग ने केंडिडेट नॉमिनेशन एप्लीकेशन के नाम से ऐप्प बनाया है। कोई भी प्रत्याशी इस एप्प का प्रयोग कर अपने आवेदन को इस एप्प पर ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। इसमें ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से अपनी जमानत राशि जमा करने का विकल्प प्रदान किया गया है। एक बार आवेदन दर्ज होने के बाद उम्मीदवार केंडिडेट सुविधा ऐप का प्रयोग कर अपने आवेदन की आगामी कार्यवाही पर नजर रख सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि रिटर्निंग अधिकारियों के लिए आयोग ने एनकोर के नाम से एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इसमें उम्मीदवारों का आवश्यक डाटा फीड रहता है। उम्मीदवारों की संपत्ति के विवरण को देखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने शपथ पत्र पोर्टल बनाया है। इस ऐप पर किसी उम्मीदवार की चल-अचल संपत्ति, हलफनामे को ऑनलाइन देखा जा सकता है।

वोटर हेल्पलाइन एप से डाउनलोड करें मतदाता स्लीप : जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि इसी प्रकार भारत निर्वाचन आयोग ने बूथ ऐप्प के माध्यम से मतदाताओं की डिजिटल पहचान करने की सेवा शुरू की है।

दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए बनाया पीडब्ल्यूडी एप : जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए आयोग ने पीडब्ल्यूडी ऐप आरंभ किया है। इस एप का प्रयोग कर दिव्यांगजन अपने नाम, मतदाता पहचान पत्र आदि की जांच कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर इन सभी ऐप की जानकारी प्रदान की गई है।

मकान की दूसरी मंजिल पर लगी भीषण आग

लाखों का सामान कपड़ा-कॉस्मेटिक सामान जला

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जवाहर नगर कैंप स्थित एक मकान की दूसरी मंजिल पर लगे पानी के डिस्पेंसर में शॉर्ट सर्किट होने से मकान में आग लग गई। आग से मकान में रखा करीब 30 लाख रुपये के सामान सहित मकान पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। आग की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ी ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक सबकुछ जलकर राख हो चुका था।

जवाहर नगर कैंप निवासी वीरभान चावला ने बताया कि मंगलवार देर शाम करीब साढ़े सात बजे उनके मकान की दूसरी मंजिल पर रखे पानी के डिस्पेंसर में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से डिस्पेंसर फट गया। इससे मकान में आग फैल गई। देखते ही देखते मकान की खिड़कियों व दरवाजों से आग की लपटें निकलने लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि मकान के पास जाना भी मुश्किल हो रहा था। फायर बिग्रेड व पुलिस को मौके पर बुला लिया।

वीरभान ने बताया कि उनके बेटे तनु की कपड़ों की दुकान है और कॉस्मेटिक के सामान का ऑनलाइन का काम करता है। मकान की दूसरी मंजिल पर आग लगने के समय करीब 30 लाख रुपये कीमत का कॉस्मेटिक का सामान व कपड़े रखे हुए थे। मकान में पैकिंग का कार्य कर रहे कर्मियों ने नीचे उतर कर अपनी जान बचाई।

भाजपा जिला कार्यालय का घेराव कर आप कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पलवल में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर आप जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर रावत व पदाधिकारियों ने कहा कि भाजपा ईडी जैसी स्वतंत्र एजेंसियों का दुरूपयोग कर विपक्ष के नेताओं को जेल में डाल रही है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का भाजपा को लोकसभा चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ेगा और लोकसभा चुनाव में भाजपा बुरी तरह हार होगी।

भाजपा जिला कार्यालय का घेराव कर आप के जिलाध्यक्ष चंदरशेखर रावत ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव से डरी हुई है। बिना किसी कसूर के अरविंद केजरीवाल को जेल में डाला है। यह देश के इतिहास में पहली बार है कि किसी सिटिंग मुख्यमंत्री को जेल में डाला गया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल इंसान नहीं, बल्कि एक विचारधारा है। देश में करोड़ों अरविंद केजरीवाल हैं। भाजपा किस किसको जेल में डालेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश को हम यह बताना चाहते हैं कि ईडी, सीबीआई, आईटी का दुरूपयोग जिस तरह भाजपा ने किया है वो आज से पहले देश में कभी नहीं हुआ। दस सालों के अंदर देश की जड़ों को बर्बाद करने का काम भाजपा ने किया है। युवाओं से रोजगार छीनने का काम और महंगाई बढ़ाने का काम व जीडीपी गिराने का काम भाजपा ने किया है। हमारा देश 80 प्रतिशत कर्जे में है, अगर 20 प्रतिशत और ले लिया तो बहुत जल्दी देश गुलाम हो जायेगा। आर्मी में अग्निवीर भर्ती युवाओं के साथ धोखा है। अपने चंद मित्रों की खातिर देश को बर्बाद करने की भाजपा सरकार रच रही है। उन्होंने कहा कि जब इलेक्टोरल बांड के लिए जब चंदा नहीं मिलता तो वहां ईडी को भेज दिया जाता है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को जेल में डालकर अपना सर्व सत्यानाश कर लिया है।

वहीं आप के जिला कोषाध्यक्ष मूलचंद बडगुर्जर ने कहा कि हम भाजपा को संदेश देना चाहते हैं कि हम भाजपा की तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इनके चंदे के खेल को सुप्रीम कोर्ट ने उजागर कर दिया, उसी को दबाने के लिए आनन फानन में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। जिसका जवाब देश की जनता लोकसभा चुनाव में वोट की चोट से जबाब देगी, क्योंकि देश में जिन विपक्षी नेताओं पर आरोप लगे हैं, उनपर कार्रवाई का डर बनाकर भाजपा में शामिल कराया जाता है, जिससे भाजपा की कार्यशैली बेनकाब हो रही है। इस मौके पर आप नेता धर्मेंद्र, सैलेंदर गौतम ने भी आप कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

लिंग्याज विद्यापीठ ने बेस्ट ऑफ जील का खिताब जीता

लिंग्याज में शानदार प्रदर्शन के साथ जील 2024 का समापन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लिंग्याज ललिता देवी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड साइंसेज के द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव ज़ील 2024 का समापन रोमांचक प्रतियोगिता और जीवंत मनोरंजन के साथ हुआ।

दूसरे दिन वेस्टर्न डांस, सोलो डांस, ग्रुप सिंगिंग और रंगमंचीय नाटक कम्पटीशन के द्वारा प्रदर्शित कार्यक्रमों में छात्र- छात्राओं का जोश देखने को मिला, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एलएलडीआईएमएस ने ग्रुप सिंगिंग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता, जिससे कॉलेज की गायन प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। दिल्ली एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से आये प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम मे बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया। इसमें लगभग 40 से भी ऊपर कॉलेजों ने भाग लिया। समारोह में डॉ. पिचेश्वर गड्डे सीईओ और अध्यक्ष, लिंग्याज़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सुनीता गड्डे सचिव लिंग्याज़ ग्रुप, अमिता कुमार सलाहकार एलएलडीआईएमएस, डॉ. प्रणव मिश्रा निदेशक, एलएलडीआईएमएस उपस्थित रहे।

डॉ. पिचेश्वर गड्डे सीईओ ने अपने भाषण में लिंग्याज विद्यापीठ को प्रतिष्ठित बेस्ट ऑफ जील 2024 खिताब के विजेता के रूप में घोषित किया। उत्सव का समापन राष्ट्रगान की दिलकश प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ी। ज़ील 2024 ने छात्र-छात्राओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने, नई दोस्ती बनाने और जीवन भर याद रहने वाली स्मृतियां बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। उत्सव की सफलता आयोजन समिति के समर्पण, छात्र-छात्राओं, उत्साही भागीदारी और कॉलेज प्रशासन के अटूट समर्थन का प्रमाण है।

मकान से 15 लाख के जेवर-कैश चोरी

घर को ताला लगा होली पर गांव गया था परिवार

पायनियर समाचार सेवा। पलववल

जवाहर नगर कैंप स्थित एक मकान का रात के समय चोरों ने ताला तोड़ कर 50 हजार रुपये नकद सहित करीब 15 लाख के सोने व चांदी के जेवर चोरी कर लिया। मकान मालिक परिवार के साथ अपने गांव गया था।

कैंप थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी दिनेश कुमार के अनुसार, जवाहर नगर कैंप निवासी राजवीर ने दी शिकायत में कहा है कि वह खेतों के काम से अकसर अपने गांव आता जाता रहता है। वह अपने खेतों के काम से परिवार को साथ लेकर गांव गया हुआ था और होली पर्व के चलते रात में गांव में ही रुक गया। अगले दिन सुबह जब उसका बेटा तरुण अपनी पत्नी व बच्चों के साथ घर पहुंचा। उसने बाहर के गेट पर लगा ताला खोला तो देखा कि अंदर कमरों के ताले टूटे हुए हैं व अलमारियों के अंदर रखा सारा सामान बिखरा हुआ मिला। उसके बेटे ने तुरंत इसकी सूचना उन्हें दी और वे घर पहुंच गए। उन्होंने घर जाकर देखा तो अलमारियों में रखे 15-16 तोले सोने के आभूषण व डेढ़ किलोग्राम चांदी के आभूषणों सहित 50 हजार रुपए नकद गायब मिले।

पड़ोसियों ने घर में हुई चोरी की सूचना पुलिस को दे दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। उसने अपने ही पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति पर चोरी करने का शक जाहिर किया है। पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

डीएवी स्कूल में हवन यज्ञ से शुरू हुआ सत्र

पलवल। डीएवी पब्लिक स्कूल पलवल में बासंती नवसष्येष्ट यज्ञ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य तरुण प्रकाश ने बताया कि डीएवी पब्लिक स्कूल पलवल की विशाल यज्ञ शाला में यज्ञ किया गया। इस अवसर पर यजमान पूनम भसीन एवं निशि चौहान रही तथा यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य देशराज शुक्ला एवं आचार्य ओम प्रकाश शास्त्री थे। आचार्य देशराज शुक्ला ने होली पर्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रत्येक मनुष्य को ईर्ष्या द्वेष नफरत कुटिलता को छोड़कर के ईश्वर भक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए। जीवन में सदा सत्य का पालन करना, धर्म का पालन करना चाहिए।

आईपीएल मैच पर सट्टा लगाने वाले पांच गिरफ्तार

आरोपियों से 41,500 रुपये नकद, तीन लैपटॉप, दो एलईडी टीवी, 24 मोबाइल और एक वाईफाई बरामद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपराध शाखा सेक्टर-30 प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम ने आईपीएल मैच में सट्टा लगाने व लगवाने वाले पांच आरोपियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने मुकदमे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में पुनीत निवासी सेक्टर-17, चरनजीत निवासी सेक्टर-85, हितेश निवासी एनआईटी-1 नंबर, दिलीप निवासी एनआईटी-5, नंबर और रोविन निवासी एनआईटी-1 के रहने वाले हैं। अपराध शाखा टीम ने आरोपियों को गश्त के दौरान सेक्टर-85 पुनीत के किराए के मकान से काबू किया है। आरोपियों से मौके पर 41500 रुपये नकद, तीन लैपटॉप, दो एलईडी टीवी, 24 मोबाइल और एक वाईफाई बरामद किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ थाना बीपीटीपी में जुआ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि सभी दोस्त हैं, जो पहले एनआईटी में ही रहते थे। आरोपी पैसे के लालच में आकर सट्टा लगाने का काम कर रहे थे। आरोपी पहले छोटे छोटे सट्टे लगाते थे। पूछताछ के बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

स्नेहमयी रंगोत्सव ने शरणार्थियों के दर्द पर मरहम का काम किया : गंगा शंकर मिश्र

पीएम, सीएम विस्थापितों की पीड़ा को कम करने का हरसंभव प्रयास करते हैं : राजीव जेटली

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पाकिस्तान से विस्थापितों का स्वागत एवं होली मिलन समारोह का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फरीदाबाद, सेवा भारती फरीदाबाद और श्री माधव स्मृति सेवा केंद्र फरीदाबाद द्वारा किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा शंकर ने कहा कि स्नेहमयी रंगोत्सव होली शरणार्थियों के दर्द पर मरहम जैसा भाव जागृत करेगा ऐसा मेरा विश्वास है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इन विस्थापित भाइयों के साथ सदैव खड़ा रहा है। भविष्य में भी उनकी नागरिकता संबंधी और अन्य कार्यों के लिए सदैव खड़ा रहेगा। उन्होंने सभी विस्थापितों भाइयों से अपील की कि सभी अपने कागजात जल्द से जल्द जमा करें। ताकि उनकी नागरिकता के लिए आवेदन किया जा सके। संघ के सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने शरणार्थियों संग होली खेलकर उनका सम्मान भी किया।

सेक्टर 21 सी स्थित सामुदायिक भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पाकिस्तान से आये हिंदू शरणार्थियों के लिए होली मिलन समारोह में उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव जेटली, मीडिया सलाहकार, मुख्यमंत्री हरियाणा ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदाय के लोगों को नागरिकता दिलवाने के लिए लाया गया है। उन्होंने विस्थापितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम में से बहुत से लोगों ने इस पीड़ा को सहा है। वर्तमान सरकार, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आपकी सहायता के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर पर धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए फरीदाबाद पश्चिम के संघचालक संजय अरोड़ा ने भी विस्थापितों का स्वागत और धन्यवाद किया।

कार्यक्रम आयोजक सामाजिक सद्भाव संयोजक अरुण वालिया, जोकि पिछले आठ वर्षों से विस्थापितों के जीवन के हर क्षेत्र उनके सुख-दुख, रोजगार स्वास्थ्य और कन्याओं की शादियों और नागरिकता संबंधी सभी कार्यों में उनकी सहायता में जुटे हुए है। उन्होंने इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंह और उनके परिवार की समाज, धर्म और देश के लिए की गई कुर्बानियों को याद किया और पाकिस्तान से आए इन हिंदू और सिख विस्थापितों को गुरु गोविंद सिंह का सच्चा अनुयायी बताया, जो अपने धर्म की रक्षा के लिए अपना घर बार, कारोबार सबकुछ छोड़कर यहां पर बहुत ही दयनीय स्थिति में रह रहे हैं, परंतु किसी भी हाल में अपना धर्म नहीं छोड़ा।

उन्होंने समाज से अपील की कि हम सब मिलकर विस्थापितों को अपने गले लगाए और उनकी हर संभव सहायता करें। इस अवसर पर सेवा भारती से धर्मपाल, हरिओम, मनोज जेटली, रितु सिंह, रजनी रावत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से गोविंद, सुनील, राम, छत्रपाल, महेंद्र एवं समाजसेवी प्रीति और जोगिंदर सिंह उपस्थित रहे। इस मौके पर भारत माता की जय उद्घोष के बीच फूलों द्वारा होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी का धन्यवाद किया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने मानी हार, कांग्रेसी नेताओं पर खेल रही दांव : मान

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य से लेकर देश के कई अलग अलग राज्यों में भारतीय जनता पार्टी एक ओर नारा दे रही थी कांग्रेस मुक्त भारत होने का। लेकिन धरातल पर इसका असर कुछ और ही परिपेक्ष्य में दिखाई पड़ रहा है। हरियाणा प्रदेश में लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने जो प्रत्याशियों की सूची जारी की है, उसको देखकर तो यही लगता है। लगभग 60 फीसदी लोकसभा सीटों पर कांग्रेस छोड़कर गए नेताओं को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बना दिया है। इसको लेकर अब कांग्रेस नेता मनधीर सिंह मान ने भाजपा की कथनी व करनी पर जमकर निशाना साधा है। मनधीर सिंह मान ने अपने बयान में कहा कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व नैतिकता के तहत लोकसभा चुनाव में अपनी हार मान चुका है, क्योंकि भाजपा एक ओर देश में कांग्रेस मुक्त भारत की बात करती थी, लेकिन मौजूदा समय में भाजपा कांग्रेस युक्त पार्टी होती जा रही है। कांग्रेस छोड़कर गए दह ऐसे नेताओं को लोकसभा का हरियाणा में टिकट दे दिया गया है।मनधीर सिंह मान ने कहा कांग्रेस पार्टी में सदैव अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान व उनकी इज्जत को सर्वोपरि रखा जाता है। हमारी पार्टी में निचले स्तर से मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं को पार्टी के सर्वोच्च पदों पर आसीन किया जाता है, लेकिन भाजपा में इस समय भगदड़ की स्थिति बनी हुई है। तलाशने से भी प्रत्याशी चुनाव लड़ने के लिए नहीं मिल रहे हैं, इसलिए हरियाणा राज्य में 60 फीसदी प्रत्याशी कांग्रेस पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं को दिए गए हैं। ये बातें भाजपा के वर्षों से मेहनत कर रहे कार्यकर्ताओं को देखनी व समझनी चाहिए, कैसे उनकी मेहनत को बाहरी आकर बर्बाद कर देते हैं। इस चुनाव में जनता से यही कहना है कि वह अपने बीच के लोगों में से अपना रहनुमा चुनें, दलबदलुओं को इस बार मजा सिखाना चाहिए।

हादसे में घायल महिला की मौत

पलवल। नेशनल हाइवे पर सवारी के सवारी के इंतजार में खड़े मां-बेटे को एक केंटर टक्कर मार दी। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर इलाज के दौरान मां की मौत हो गई, जबकि बेटे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुंडकटी थाना पुलिस ने मृतक महिला के पति की शिकायत पर केंटर के अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मुंडकटी थाना प्रभारी सुंदरपाल के अनुसार, जिला मथुरा यूपी के तूमौला गांव निवासी कुमरचंद ने दी शिकायत में कहा है कि वह अपनी पत्नी गीता व बेटे मनीष के साथ नेशनल हाईवे पर पलवल जाने के लिए तूमसरा गांव के चौक पर सवारी के इंतजार में खड़ा हुआ था। उसी दौरान एक आइसर केंटर चालक लापरवाही से केंटर को चलाता हुआ आया और उसकी पत्नी गीता व बेटा मनीष को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद केंटर को लेकर चालक पलवल की तरफ लेकर फरार हो गया। उसने राहगीरों की मदद से अपनी पत्नी व बेटे को इलाज के लिए जिला नागरिक अस्पताल में पहुंचा दिया। वहां से डॉक्टरों ने दोनों की हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद घायलों को आगरा अस्पताल में भर्ती करा दिया, जहां से उसकी पत्नी की हालत नाजुक देखते हुए आगरा से हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। उसने अपनी पत्नी को जयपुर के एक अस्पताल में दाखिल करा दिया, जहां इलाज के दौरान गीता देवी की मौत हो गई, जबकि बेटे का इलाज चल रहा है। पुलिस ने जयपुर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव को उसके परिजनों के हवाले कर दिया। मुंडकटी थाना पुलिस ने कुमरचंद की शिकायत पर केंटर के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चेकिंग अभियान में 1119 चालान काट कर जुर्माना लगाया

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर राकेश कुमार आर्य द्वारा होली पर्व को लेकर फरीदाबाद के सभी डीसीपी को शहर में सुरक्षा को चौक चौबंद रखने के लिए निर्देश दिए। जिसके तहत डीसीपी ट्रैफिक ऊषा के मार्गदर्शन में वाहन चेकिंग का विशेष अभियान चलाया था। प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस की विशेष टीमें तैनात करके होली के त्योहार के अवसर पर यातायात उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसने के लिए चालकों के चालान काटकर जुर्माना लगाया गया। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद में चौक चौराहों पर यातायात पुलिस तैनात थी। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस का मुख्य फोकस ड्रंकन ड्राइविंग, स्टंट बाइकिंग, ओवर स्पीडिंग, जिग.जैग ड्राइविंग और खतरनाक ड्राइविंग, विदाउट हेलमेट, रेडलाइट जंपिंग, नाबालिगों द्वारा की जाने वाली ड्राइविंग और फोन पर बात करते हुए गाड़ी चला रहे वाहन चालकों के चालान काट कर जुर्माना लगाया गया है। जिसके तहत ट्रैफिक पुलिस द्वारा 1119 चालाने काटे गए थे। जिसमें ओवर स्पीड के 292, खतरनाक ड्राइविंग के 25 व विदाउट हेलमेट के 449, ब्लैक फिल्म के तीन वाहन चालाकों के चालाने शामिल है। इन चालानों में पोस्टल चालान भी शामिल है।

सेक्टर-18ए आरडब्ल्यूए ने पौधारोपण कर होली पर्व मनाया

फरीदाबाद। होली के पर्व पर सेक्टर-18ए की आरडब्ल्यूए ने सांई मित्र मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से नई पहल की। आरडब्ल्यूए ने इस बार होली पर पौधारोपण शुरू किया। आरडब्ल्यूए के महासचिव एवं सांई मित्र मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक नरेंद्र जैन ने बताया कि उसका मुख्य कारण है कि होली दहन वाले दिन कई टन लकड़ियां शहर में जलाई जाती हैं। यह हमारी हिंदू परंपरा है और परंपरा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन उसके बदले में हर व्यक्ति जिस मोहल्ले, सेक्टर, सोसाइटी में होली दहन होता है, वहां ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करे, ताकि जो लकड़ी जलाई गई उसकी क्षतिपूर्ति नए पेड़ों द्वारा हो सके। अन्यथा हर वर्ष हम यूं ही होली दहन पर लकड़ियां जलाते रहेंगे तो पर्यावरण कैसे सुरक्षित रहेगा। इस मौके पर प्रधान कुलदीप सिंघल, आशीष गुप्ता, लखदीप वेद, सचिन वर्मा, नरेंद्र वधवा, ओम प्रकाश वधवा, सचिन गुप्ता, ललित सिंघल, दिनेश सदाना, महेश आर्य एवं चंद्रभान उपस्थित थे।

हैंडप्रिंट पेंटिंग के लिए शिव नादर स्कूल ने बनाया रिकॉर्ड

फरीदाबाद। पर्यावरण के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए शुरू की गई अनोखी पहल के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए, शिव नादर स्कूल के 2232 छात्रों एवं शिक्षकों ने एक घंटे में सबसे अधिक संख्या में हैंडप्रिंट पेंटिंग के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब जीता। यह विश्व रिकॉर्ड इस बात को दर्शाता है कि, यह स्कूल पर्यावरण की हिफाजत करने के साथ-साथ बच्चों को शुरुआत से ही प्रकृति को बचाने और उसकी सुरक्षा करने के बारे में संवेदनशील बनाने के अपने संकल्प पर कायम है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्रों एवं शिक्षकों ने शपथ ली, जो शिव नादर स्कूल की जिम्मेदारी के बुनियादी सिद्धांत और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास के लक्ष्य-6 सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करने के अनुरूप है। इस विशाल हाथ के निशान वाली पेंटिंग बनाकर, छात्रों ने व्यक्तिगत कार्यों की सामूहिक शक्ति को दर्शाया है। यह इस संदेश को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने का एक प्रयास है कि जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है और इसका संरक्षण आवश्यक है। स्कूल द्वारा शुरू की गई इस पहल के तहत आयोजित कार्यक्रम में कर्नल रिटायर्ड गोपाल करुणाकरण सीईओ शिव नादर स्कूल, मिस आरती डावर डिप्टी सीईओ शिव नादर स्कूल, मिस अंजू वाल डायरेक्टर प्रिंसिपल शिव नादर स्कूल फरीदाबाद आदि ने सहयोग दिया।

केजरीवाल का इरादा

जेल से चले सरकार

अरविंद केजरीवाल का जेल से सरकार चलाने का इरादा भले ही 'गैर-परंपरागत' हो, पर यह 'असंवैधानिक' नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब तक अपनी कथनी पर अमल कर रहे हैं कि करोड़ों रुपये के शराब घोटाले में सीखचों के पीछे जाने के बाद वे जेल से ही राजधानी पर शासन करेंगे। लेकिन जेल से जारी सरकारी आदेशों ने विवाद पैदा कर दिया है। भाजपा समेत उनके राजनीतिक विरोधियों ने सरकारी तंत्र में अपराधी तत्वों के व्यापक प्रभाव पर चिन्ता प्रकट की है। इस प्रकरण की शुरुआत 'आप' के राष्ट्रीय समन्वयक केजरीवाल की शराब घोटाले में कथित संलिप्तता के बाद गिरफ्तारी से हुई है। जेल में रहने के बावजूद वे दिल्ली में प्रशासनिक मामलों पर आदेश जारी कर रहे हैं। यह अभूतपूर्व है क्योंकि अब तक किसी सेवारत मुख्यमंत्री को जेल नहीं जाना पड़ा है। केजरीवाल के समर्थकों का कहना है कि उनकी कार्रवाई दायित्वों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रकट करती है, वहीं आलोचकों का मानना है कि जेल में बंद राजनेता द्वारा सरकार चलाने के गंभीर परिणाम होंगे। भाजपा नेताओं ने बिना समय गंवाये फौरन आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम अपराधी तत्वों के गहरे प्रभाव का प्रमाण है। भाजपा नेताओं ने जोर दे कर कहा है कि गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त लोगों को जेल से सत्ता संचालन की अनुमति देना खतरनाक उदाहरण होगा। उनका तर्क है कि इससे सत्ता का ऐसा दुरुपयोग रोकने में न्याय व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठते हैं। दूसरी ओर 'आप' समर्थकों का तर्क है कि भाजपा के आरोपों का लक्ष्य उनकी पार्टी की छवि खराब करना है। उनका कहना है कि केजरीवाल

की कार्रवाई मुख्यमंत्री के रूप में उनके दायित्वों के निर्वहन की सीमा में आती है और इससे दिल्ली की जनता की सेवा करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। उनके अनुसार जेल से केजरीवाल का प्रशासन चलाना एक नेता की दृढ़ता और प्रतिबद्धता प्रकट करता है जो कानूनी चुनौतियों से डरता नहीं है। वास्तव में यह पूरा विवाद आधारहीन है। यदि संविधान किसी व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में रहते हुए संवैधानिक पद पर बने रहने की अनुमति देता है तो तार्किक रूप से इसका यह अर्थ भी है कि वह कहीं से भी शासन चला सकता है। व्यावहारिकता के दृष्टिकोण से यह कृत्य भले ही गैर-परंपरागत लगता हो, पर यह भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के संवैधानिक ढांचे में शामिल है। लालू यादव व हेमंत सोरेन के उलट केजरीवाल ने अवस्थापना की यह उम्मीद तोड़ दी कि पद पर बने रहने के बजाय वे इस्तीफा दे देते। इसके साथ ही केवल न्यायिक हिरासत में रहने का अर्थ दोष सिद्धि या सजा नहीं है, भले ही आरोप चाहे जितने गंभीर क्यों न हों जिनकी कोई कानूनी वैधता नहीं है। जेल से केजरीवाल द्वारा विवादास्पद ढंग से शासन चलाने को देखते हुए उनको तार्किक रूप से जमानत के प्रयास करने चाहिए। एक वर्तमान मुख्यमंत्री को जेल में बंद करना असाधारण परिस्थिति है। केजरीवाल के कानूनी सलाहकार उनकी जल्दी से जल्दी जमानत के प्रयास करेंगे। आरोपों-प्रत्यारोपों के बीच विवाद के व्यापक प्रभावों को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। ये राजनीति, कानून लागू करने तथा भारत में न्याय प्रणाली के बीच जटिल संबंधों को रेखांकित करते हैं। देखना होगा कि आने वाले दिनों में इस विवाद का दिल्ली तथा देश के राजनीतिक परिदृश्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा। केजरीवाल को जहां पद से इस्तीफा देने पर पार्टी के बिखरने का डर है, वहीं वे अपनी गिरफ्तारी से जनता में भावनात्मक समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हैं।

बहुकोणीय चुनावी मुकाबला

चुनावी संघर्ष बहुकोणीय मुकाबले में बदल रहा है। इसमें मुख्य मुकाबला भाजपा नीत राजग तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच होगा। फिलहाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की स्थिति अच्छी है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वर्तमान लोकसभा चुनाव में चुनावी संघर्ष बहुकोणीय मुकाबले में बदल रहा है। इसमें मुख्य मुकाबला भाजपा नीत राजग तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा पिछले सप्ताह चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी परिदृश्य स्पष्ट हो गया है। लोकसभा चुनाव में मतदान अगले महीने शुरू होगा और 4 जून को चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ ही लोकसभा चुनाव का नतीजा सामने आएगा। ऐसे में राजनीति विश्लेषकों तथा चुनाव विशेषज्ञों के सामने सवाल है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में किसे विजय मिलेगी? वर्तमान परिदृश्य के अनुसार चुनाव में बहु-दलीय मुकाबला होगा जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 'राजग' तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच मुख्य मुकाबला होगा। इस बीच गठबंधन बनाने तथा उनको मजबूत करने के काम के साथ ही बड़ी पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा करना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में विभिन्न पार्टियों को अपने साथ लाने के साथ अनेक नेताओं के बीच संभवत: गोपनीय समझौते भी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा तीसरी बार केन्द्र की सत्ता में आने के लिए सभी प्रयास कर रही है। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री मोदी का कद सबसे बड़ा है जिसके चलते भारतीय जनता पार्टी-भाजपा का चुनावी परिदृश्य में वर्चस्व बना हुआ है। अधिकांश राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्षी दल हालांकि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा से मुकाबले के प्रयास कर रहे हैं, पर वे चुनाव प्रचार अभियान चलाने तथा संगठनात्मक दृष्टिकोण से भाजपा के काफी पीछे चल रहे हैं।

विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में 26 पार्टियां शामिल हैं। इन पार्टियों ने भाजपा को चुनौती देने के लिए चुनाव-पूर्व गठबंधन बनाया है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का उद्देश्य भाजपा के खिलाफ आगामी चुनाव में यथासंभव हर सीट पर विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारना है, लेकिन यह काम फिलहाल संभव नहीं लग रहा है। इसके साथ ही 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में लगातार दो बार हारने के कारण विपक्ष की छवि को गहरा धक्का लगा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए विपक्षी दलों के समक्ष मतदाताओं से संवाद विकसित करने की चुनौती है जिसमें युवा मतदाता खासकर महत्वपूर्ण हैं। विपक्ष को पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने की चुनौती भी बहुत बड़ी है।

देश की सबसे पुरानी सेक्युलर पार्टी-138 वर्षीय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस विपक्ष का नेतृत्व कर रही है। कांग्रेस पार्टी लंबे समय तक हाशियाकृत समूहों का प्रतिनिधित्व करती रही है जिसमें अनुसूचित जातियां-एससी, अनुसूचित जनजातियां-एसटी, अन्य पिछड़े वर्ग-ओबीसी व मुस्लिम शामिल हैं। लेकिन अस्सी के दशक में देश के विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय दलों के उभार के कारण कांग्रेस पार्टी काफी कमजोर हो गई और वर्तमान समय में वह अपने स्वर्णिम शक्तिशाली अतीत की लघु छाया रह गई है। इसके साथ ही कांग्रेस को अनेक दृष्टिकोण से नेतृत्व के संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनावों में तगड़ी पराजय के बाद अब कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की है। उसका दावा है कि वह भारत के गरीबों, वंचितों, दलितों, किसानों, नौजवानों और महिलाओं का सशक्तीकरण करना चाहती है। इसके लिए उसने पांच न्याय की गारंटी दी है। इसमें 'युवा न्याय', 'भागीदारी न्याय', 'नारी न्याय', 'किसान न्याय' तथा 'श्रमिक न्याय' शामिल हैं।

विपक्ष का उद्देश्य मुख्यत: भाजपा-विरोधी वोटों को मजबूत कर तथा जनता के विभिन्न वर्गों को प्रोत्साहन देकर मोदी को चुनौती देना है। कांग्रेस की यह रणनीति हाल में हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक तथा तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कारगर रही और कांग्रेस को वहां विजय मिली। कांग्रेस को उम्मीद है कि वह जनता को रियायतों और 'खैरातों' की घोषणा कर भाजपा सरकार के खिलाफ सत्ता-विरोधी लहर का लाभ उठा सकती है। राहुल गांधी की हालिया 'भारत जोड़ो यात्रा' तथा 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में ऐसे मुद्दों को रेखांकित किया गया है। यात्राओं का उद्देश्य लोगों से सीधा संपर्क करना था। लेकिन सफल होने के लिए कांग्रेस को जनता के रोजी-रोटी के मुद्दों को उठाना चाहिए जिसमें मुद्रास्फीति, बेरोजगारी तथा सामाजिक वैमनस्य शामिल हैं। उसे चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए युवा मतदाताओं से प्रभावी संवाद विकसित करना होगा। कांग्रेस को ऐसी वैकल्पिक रणनीति पेश करनी चाहिए जो युवाओं को आकर्षित कर सके। वर्तमान परिदृश्य पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि राज्य स्तर पर कुछ शक्तिशाली मुख्यमंत्रियों की पार्टियों का वर्चस्व बना हुआ है। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन क्षेत्रों में कठोर संघर्ष करना पड़ रहा है। 2019 में भाजपा और उसके सहयोगियों को केवल 45 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बाकी 55 प्रतिशत वोट 'इंडिया' समूह के हिस्से में आए थे। हालांकि, राष्ट्रीय स्तर पर कोई नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है, पर कुछ प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता अपने क्षेत्रों में मतदाताओं को अपने साथ जोड़ सकते हैं। यह बात खासकर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के मामले में सही है।

ऐसे में विपक्षी गठबंधन के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती मोदी के खिलाफ एक नेता प्रस्तुत करना है। दुर्भाग्य से विपक्षी गठबंधन में नेताओं के बीच अहं का टकराव है जिसके चलते वे किसी एक नेता के नाम पर सहमत नहीं हो सकते हैं। भाजपा के पास मजबूत संगठन तथा असाधारण वित्तीय व राजनीतिक शक्ति है। इसके अलावा विपक्ष के पास कोई ठोस या आकर्षक एजेंडा नहीं है और वह केवल संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करता रहता है। लेकिन मतदाताओं को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की ज्यादा चिन्ता है जिसमें रोटी, कपड़ा और मकान शामिल हैं। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि 2004 में सोनिया गांधी के 'आम आदमी' नारे ने मतदाताओं पर व्यापक प्रभाव छोड़ा था। कम आय वाले लोग आमतौर से एक वेतन से दूसरे वेतन के बीच सीमित रहते हैं और अमूर्त राजनीतिक अवधारणायें समझना उनके लिए आसान नहीं है। कांग्रेस पार्टी अब भी अपने स्वर्णिम अतीत के मोह में फंसी है और वह वर्तमान परिदृश्य स्वीकार नहीं कर पा रही है। देश में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते कांग्रेस स्वत: गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा रखती है। लेकिन उसके अनेक नेता भाजपा में शामिल हो गए हैं और ऐसे नेताओं का लगातार पालाबदल पार्टी में निराशा की भावना पैदा कर रहा है। विपक्ष को भाजपा के प्रचार तथा धार्मिक विमर्श का मुकाबला करने के लिए मजबूत जवाबी विमर्श चाहिए।

भाजपा का 1980 के बाद काफी विस्तार हुआ है और आज वह भारत की सबसे बड़ी पार्टी है। उसका संगठन मजबूत है और उसके पास असाधारण धन बल है। पार्टी प्रधानमंत्री के नाम पर वोट मांगती है। इस बार भाजपा विजय की बेहतर संभावनायें हैं। मोदी भाजपा के सौभाग्यशाली प्रतीक हैं। विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से मोदी-समर्थक उनको कारगर मानते हैं। इनमें तीन तलाक, सीएए, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 356 समाप्त करना तथा अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शामिल हैं। भाजपा मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए पिछले दशक में अपनी उपलब्धियों व अनेक कल्याण पहलों का प्रचार कर रही है। निरंतरता ने मोदी को अपना एजेंडा प्राप्त करने में सहायता की है। पिछले दस साल में मोदी की अंतरराष्ट्रीय पहचान बनी है और भारत का कद बढ़ा है। इससे उनके समर्थक उत्साहित हैं।

लेकिन विपक्ष का दावा है कि मोदी सरकार विपक्षी नेताओं पर निशाना लगा रही है तथा सरकारी जांच एजेंसियां उनका उत्पीड़न कर रही हैं। भाजपा अन्य पार्टियों, विधि-निर्माताओं तथा नेताओं पर निशाना लगा रही है। उसने दूसरी कतार के अनेक विपक्षी नेताओं को आकर्षित किया है जिनको वहां अपना भविष्य बेहतर नजर आता है। दोनों पक्षों के बीच संघर्ष तेज होने से 2024 के चुनाव में असाधारण नकारात्मक अभियान की आशंका है क्योंकि इससे विपक्ष तथा आक्रामक भाजपा का भविष्य तय होने वाला है। मोदी की सफलता विभाजित विपक्ष में निहित है। जब तक विपक्ष विभाजित रहेगा, मोदी जीतते रहेंगे। विपक्ष को विजय या अपनी स्थिति सुधारने के लिए विपक्षी एकता पर जोर देना चाहिए।

भारत-श्रीलंका रिश्तों में खींचतान

> तमिलनाडु की चुनावी सरगर्मियों के बीच कच्चातिवु और सेतुसमुद्रम के विवादास्पद मुद्दे फिर से उभरे हैं।

कुमार चेलप्पन
(लेखक, दि पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

आम चुनाव 2024 के कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और तमिलनाडु राज्य गैर-मुद्दों को लेकर हंगामे और हंगामे से भरा है। सत्तारूढ़ द्रमुक, जो पीने और सिंचाई के पानी की व्यवस्था और श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए राज्य के मछुआरों के भाग्य जैसे मुद्दों पर चुप्पी साधे हुए है, ने चुनाव में प्रचार सामग्री के रूप में उपयोग के लिए सदियों पुराने विषयों को हटा दिया है। दिवंगत करुणानिधि की तीसरी पत्नी रजति की बेटी एम के कनिमोझी की अध्यक्षता में तैयार किए गए डीएमके के चुनाव घोषणापत्र पर एक सरसरी नजर डालने से पाठक को संदेह होता है कि तमिलनाडु भारत का हिस्सा है या नहीं।

द्रमुक के चुनाव घोषणापत्र का एक मुख्य बिंदु तमिलनाडु को हृश्वश्वज्ञ-मुक्त राज्य बनाना है। इसका मतलब यह है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा आदेशित चयन प्रणाली से मुक्त होगा। यह यूपीए सरकार (2004-2014) थी जिसमें डीएमके दूसरा सबसे बड़ा घटक था जिसने एनईईटी को व्यवहार में लाया। इसी तरह, डीएमके सेतुसमुद्रम चैनल के नाम से जाने जाने वाले पाक जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नहर बिछाने के काम को पुनर्जीवित और फिर से शुरू करेगी।

इस तथ्य के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद परियोजना कार्य को रोक दिया गया है कि यह न तो आर्थिक रूप से टिकाऊ है और न ही व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य है। सेतुसमुद्रम चैनल के पुनरुद्धार के पीछे एकमात्र प्रेरक कारक यह है कि द्रमुक सरकार राम सेतु को ध्वस्त करने में सक्षम होगी, एक पत्थर की संरचना, जिसके बारे में माना जाता है कि भगवान राम की सेना ने उसी माँ सीता की यात्रा के लिए समुद्र पार करने के लिए इसका निर्माण किया था। रावण की हिरासत. इसे जनवरी में आयोजित अयोध्या में राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा पर द्रविड़ियन के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। डीएमके ने सनातन धर्म को हमेशा के लिए नष्ट करने के अपने मिशन की घोषणा की है। अपने पिता एम करुणानिधि और वैचारिक पिता रामासामी नायकर के साथ जल्द मुलाकात के लिए स्टालिन के तमिलनाडु छोड़ने की स्थिति में डीएमके सिंहासन और मुख्यमंत्री पद के उत्तराधिकारी उदयनिधि स्टालिन ने बार-बार घोषणा की है कि सनातन धर्म कोविड से भी अधिक खतरनाक है और कैंसर को धरती से मिटा देना चाहिए।

द्रमुक द्वारा किया गया एक और वादा 1975 में भारत सरकार द्वारा श्रीलंका को सौंपे गए एक छोटे टापू कच्चातिवू को पुन: प्राप्त करना है। 1975 में इस 285 एकड़ के निर्जन टापू को श्रीलंका को अलग करने का निर्णय कई घटनाओं के बाद लिया गया था। चर्चा में इंदिरा गांधी के करीबी सहयोगी जी पार्थसारथी समेत श्रीलंका और भारत के शीर्ष स्तर के राजनयिक शामिल थे।

कच्चाथीवू पाक जलडमरूमध्य में एक निर्जन टापू है। कभी मोती की खेती के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला द्वीप मछली पकड़ने की गतिविधियों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण था और इसका स्वामित्व रामनाद के राजा के पास था और बाद में मद्रास और सीलोन की तत्कालीन सरकारों के बीच ब्रिटिश शासन के दौरान मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य के परिसीमन के बाद यह मद्रास प्रेसीडेंसी का हिस्सा बन गया।. 1921 में, श्रीलंका और भारत दोनों ने भूमि के इस टुकड़े पर दावा किया और विवाद अनसुलझा रहा।

1975 और 1976 में इंदिरा गांधी और उनके श्रीलंका समकक्ष सिरीमाओ भंडारेनैके द्वारा हस्ताक्षरित समझौते में कहा गया है कि दोनों देशों द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना के साथ, भारत और श्रीलंका अपने जीवित और गैर-जीवित संसाधनों पर संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करेंगे। संबंधित क्षेत्र. भारत के मछली पकड़ने वाले जहाज और मछुआरे श्रीलंका के ऐतिहासिक जल, प्रादेशिक समुद्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली पकड़ने में संलग्न नहीं होंगे, न ही श्रीलंका के मछली पकड़ने वाले जहाज और मछुआरे ऐतिहासिक जल, प्रादेशिक समुद्र में मछली पकड़ने में संलग्न होंगे। और भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र, समझौते के अनुसार, श्रीलंका या भारत की स्पष्ट अनुमति के बिना, जैसा भी मामला हो। समझौते ने यह स्पष्ट कर दिया कि कच्चातिव श्रीलंका के क्षेत्र से संबंधित है। 1976 से 2008 तक डीएमके और उसके नेता करुणानिधि कच्चातिवु पर चुप थे। यह 2008 में अन्नाद्रमुक महासचिव जे जयललिता द्वारा दायर एक मामला था जिसने करुणानिधि को अपनी राजनीतिक बढ़त के हिस्से के रूप में इस मुद्दे को उठाने के लिए मजबूर किया।

जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढ़ा ने तत्कालीन अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी से पूछा कि कच्चाथीव की पुनर्प्राप्ति की क्या संभावनाएं हैं।

रोहतगी ने अदालत से कहा, अगर आप कच्चातिवू को वापस चाहते हैं, तो आपको इसे वापस पाने के लिए युद्ध में जाना होगा। एक अन्य घटनाक्रम में, तटरक्षक बल ने मद्रास उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में कहा कि यह तमिलनाडु के मछुआरे थे जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा का उल्लंघन किया और श्रीलंकाई क्षेत्रीय जल में मछली पकड़ी। श्रीलंका के एक लोकप्रिय समाचार पत्र के सम्मानित संपादक सिन्हा रत्नतुंगा ने कहा कि भारत से 600 से अधिक मछली पकड़ने वाली नावें आईएमबीएल को पार करती हैं और सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हुए द्वीप के क्षेत्रीय जल में नीचे की ओर मछली पकड़ने का काम करती हैं।

प्यूरिन जाल का उपयोग करके नीचे की ओर ट्रॉलिंग करने से श्रीलंकाई जल में संपूर्ण समुद्री संपदा नष्ट हो जाती है। कच्चाथीव को पुन: प्राप्त करने की मांग एक गुप्त उद्देश्य से की जा रही है। द्रविड़ नहीं चाहते कि भारत और श्रीलंका के बीच मधुर संबंध हों। क्या लंका का भी अंत मालदीव जैसा हो जाना चाहिए? आर आर विजयबालन पूछते हैं, जो द्वीप राष्ट्र में भारत के सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं।

आप की बात

मास्को में आतंकी हमला

मॉस्को के एक कॉन्सर्ट हॉल पर हुआ आतंकी हमला बेहद शर्मनाक है। इसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट-आईएस ने ली है, जबकि रूस ने इस मामले में यूक्रेन पर उंगली उठाई है। आईएस द्वारा जिम्मेदारी लेने के बाद यूक्रेन का हाथ बताना कतई न्याय संगत नहीं है। पाकिस्तान जैसे देश संयुक्त राष्ट्र में मुसलमानों पर कथित अत्याचार होने के खिलाफ माहौल बना रहे हैं। मगर गत दो दशकों से हुए आतंकी हमलों में अधिकतर मुस्लिम संगठन ही शामिल हैं। इन्हें समय-समय पर कुछ मुस्लिम राष्ट्रों से भरपूर आर्थिक सहयोग व हथियार मिलते रहते हैं। किसी आतंकवादी के खिलाफ कोई प्रस्ताव आने पर चीन जैसे देश उसे वीटो कर देते हैं। अमेरिका की राजनीति भी आतंकवादियों के प्रति ढुलमुल रही है। विडंबना है कि रूस और चीन जैसे देश अपनी राजनीतिक खेमेबाजी को देखते हुए कुछ आतंकी संगठनों का दूसरे देशों के खिलाफ इस्तेमाल करते रहे हैं। कट्टरपंथी व जिहादी इस्लामवाद के खिलाफ भी वे आमतौर से मौन रहते हैं। इस्लामोफोबिया पर संरा. में पेश पाकिस्तान के प्रस्ताव का चीन ने समर्थन किया था। लेकिन मास्को में हुई आतंकी हमले से सिद्ध है कि कोई भी देश आतंकी और कट्टरपंथी इस्लामवादी खतरे से सुरक्षित नहीं है। इसका स्थाई इलाज होना बहुत जरूरी है।

–**सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

विजयन का बयान

केरल के मुख्यमंत्री पिनारई विजयन ने कहा है कि भारत माता की जय एवं जय हिंद का नारा सबसे पहले दो मुसलमानों ने लगाया था तब ऐसे में क्या संघ परिवार इन नारों को त्यागने को तैयार है? यह एक प्रकार का भड़काऊ बयान है। सर संघ चालक मोहन भागवत हमेशा देश के मुसलमानों के प्रति नरम दृष्टिकोण अपनाते रहे हैं। उनका कहना है कि भारत के अधिकांश मुस्लिम पूर्व में हिंदू ही थे जो मुगलों की जोर जबरदस्ती के कारण हिंदू से मुस्लिम हो गए। स्वयंसेवक संघ देश के हर देशभक्त मुस्लिम का सम्मान करता है जो भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलता है। अजीमुल्ला एवं आबिद हसन के प्रति भी आरएसएस में सम्मान का भाव है जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के समय यह नारा लगाया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनारई विजय का ऐसा बयान देने के पीछे जो भी उद्देश्य हो, इससे वे भारतीय मुसलमानों में संघ की बढ़ती स्वीकार्यता को प्रभावित नहीं कर सकते हैं। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि भले ही कट्टरपंथियों के दबाव में ज्यादातर मुस्लिम महिलायें सार्वजनिक रूप से मोदी या भाजपा का समर्थन न करें, पर वे सभी अपने ऊपर लटकी तीन तलाक की तलवार हटने से खुश हैं।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

आतंकवाद की असलियत

पाकिस्तान लम्बे समय से आतंकवाद की फसल बो रहा है, लेकिन अब आतंकी उसके लिए ही सिरदर्द बनते जा रहे हैं। परंपरागत रूप से भारत-विरोधी समझे जाने वाले पाकिस्तान में पल रहे आतंकी अब किसी को बख्शने के मूड में नहीं हैं। आतंकवादी अब अपना स्वतंत्र क्षेत्र बनाने के साथ ही आर्थिक स्थिति भी मजबूत करना चाहते हैं। इसके लिए वे अपहरण और फिरौती जैसे रास्ते अपना रहे हैं। पाक आतंकियों ने चीन के 6 इंजीनियरों को अपना शिकार बना लिया। विडंबना है कि पाक सरकार अपने मित्र देश के नागरिकों की रक्षा भी आतंकियों से नहीं कर पा रही है। ऐसे में यह समझना कठिन नहीं है कि पाक-पोषित आतंकी दुनिया में किसी को बख्शने वाले नहीं हैं। पाकिस्तान आज अनेक प्रकार के आतंकियों का शिकार है जिसमें से कुछ तालिबान समर्थक तो कुछ ईरान समर्थक हैं। चीन-पाक दोस्ती के बावजूद पाकिस्तान में मौजूद आतंकी समूहों के चीन के उइगुर आतंकियों से संबंध और संपर्क बने हुए हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्रसंघ व खासकर सुरक्षा परिषद को आतंकवाद की परिभाषा निर्धारित कर सभी प्रकार के आतंकियों के खिलाफ विश्व स्तर पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

–**शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

विनाशकारी गारंटियां

कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने सत्ता के बाहर रहते ना जाने कितने उपहार और सुविधायें देने का आश्वासन जनता को दिया है। यदि इनको अक्षरश: और शाश्वत रूप से पूरा किया जाए तो देश में एक भी विकास कार्य सम्भव नहीं होगा। न्याय यात्रा के अन्तिम पड़ाव पर राहुल गांधी ने सरकार बनने पर देश की सभी गरीब महिलाओं को एक-एक लाख रुपए प्रति वर्ष देंगे। सवाल है कि राहुल इतना पैसा कहां से लाएंगे? इस पर ज्यादा परेशान होने के बजाय यही कहा जा सकता है कि न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी। राहुल को पता है कि अब कांग्रेस का अस्तित्व ही संकट में है। राहुल गांधी का यह बयान देश की अर्थनीति, राजनीति व व्यावहारिकता की धज्जियां उड़ाते हुए सीधे जनता को भरमाने और भड़काने का प्रयास है। वैसे देश की ज्यादातर जनता विनाशकारी गारंटियों तथा विभिन्न पार्टियों द्वारा की जाने वाली खैराती घोषणाओं से भली-भांति परिचित है, लेकिन ऐसी घोषणायें रोकने के लिए कदम उठाना बहुत जरूरी हो गया है। सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग को ऐसी गारंटियों पर कार्रवाई का निर्देश देना चाहिए।

– **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

मेरठ इतिहास में दर्ज नहीं होता, इतिहास रचता है: मुख्यमंत्री

- **बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में सीएम योगी ने किया प्रचार**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ मेरठ

तीन दशक पहले जिस तरह अरुण गोविल ने रामायण में मजबूती के साथ श्रीराम के जीवन को जीवंत किया था, आज वो मेरठ की पहचान बनने जा रहे हैं। अरुण गोविल अब मेरठ में इतिहास रचेंगे, क्योंकि मेरठ इतिहास में दर्ज नहीं होता, बल्कि ये हमेशा इतिहास रचता है। ये बातें बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने शहर के डॉक्टर, प्रोफेशनल्स, सीए, टीचर्स और उद्यमियों के बीच पहुंचकर बीजेपी प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मतदान की अपील की। सीएम योगी ने मेरठ के वर्तमान सांसद राजेन्द्र अग्रवाल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सहजता और ईमानदारी के साथ अपना उत्तराधिकारी अरुण गोविल जी को चुना है। अरुण गोविल जिन्होंने तीन दशक पहले कालजयी धारावाहिक रामायण में श्रीराम के जीवन का अभिनय करके लोकप्रियता हासिल की और कोरोना काल में भी यह सबसे ज्यादा देखा जाने वाला कार्यक्रम बना, इससे दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई। अब अरुण गोविल मेरठ की पहचान बनने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले हमारे पर्व और त्योहारों में ज्यादातर फूहड़ गीत बजाए जाते थे। मगर इस बार एक गीत जो हर जगह बजता दिखा कि 'जो राम को लाए हैं...। सुनकर बहुत सुकून हुआ। यही बदलाव का सूचक है। उन्होंने कहा कि पहले होली पर 'होली खेले रघुबीरा अवध में'...गीत गाये जाते थे, मगर जब हम अयोध्या जाते थे तब वहां होली खेलते रघुबीर नहीं मिलते थे। इस बार अयोध्या में श्रीराम ने पूरी भव्यता के साथ होली खेली है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरठ में हो रहे परिवर्तनों का साक्षी आज पूरा देश बन रहा है। यहां 32 हजार करोड़ रुपये से रैपिड रेल का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे बनने से मेरठ के लोग एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय मेरठ में बनाया जा रहा है। उन्होंने गंगा एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए कहा कि यही विकास की तस्वीर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार इसीलिए जीत रहे हैं क्योंकि उन्होंने देश में विकास करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में आज सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद पर लगाम लगी है। पहले धारा 370 हटाने की किसी ने हिम्मत नहीं दिखाई लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी ने उसे भी हटाया कर दिखाया है। उन्होंने जनता से पूछा किया जो पीएम मोदी ने किया है क्या सपा, बसपा और कांग्रेस ऐसा कर पाती? सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी है लेकिन, विपक्ष ने हमेशा जातिवाद को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पूरब, पश्चिम, उत्तर या दक्षिण कहीं चले जाएं, 18वीं लोकसभा में जनता के सामने कभी भी असमंजस की स्थिति नहीं है। जनता के सामने हर तरफ विकास ही विकास है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेगा। इसके साथ ही विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी और देश ग्लोबल लीडर बनकर उभरेगा। एक वो लोग हैं कर्फ्यू लगाते, दंगाइयों को गले लगाते थे और एक भाजपा सरकार है जो कांवड़ यात्रा कराती है और दंगाइयों को इलाज करती है। सीएम ने कहा कि बेटी और व्यापारी को सुरक्षा, युवाओं को आजीविका केवल भाजप दे सकती है। सीएम योगी ने इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित गरीब कल्याण योजनाओं की उपलब्धियों को भी गिनाया। उन्होंने मेरठ में 26 अप्रैल को होने वाली वोटिंग के लिए अभी से तैयारी करने का आह्वान किया। कहा कि आप सब स्वयं अरुण गोविल बनकर घर-घर जाइए और जनता के बीच प्रधानमंत्री मोदी के विजन को रखिए। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश सरकार में मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, सोमेन्द्र तोमर, सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, सांसद प्रत्याशी अरुण गोविल सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

विपक्ष के पास न कोई नेता है और न ही कोई नीतिः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को बिजनौर कलेक्ट्रेट में भाजपा और एनडीए उम्मीदवारों ओम कुमार और चंदन चौहान के नामांकन में शामिल हुए। नामांकन के बाद नुमाइश ग्राउंड में हुई जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज विपक्षी दलों के पास न कोई नेता है और न ही कोई नीति। उनकी नियति भी ठीक नहीं लगती। इन हालात में उत्तर प्रदेश में इन तीनों दलों का कोई खाता तक खुलने वाला नहीं है। मौर्य ने जनसभा में नगीना प्रत्याशी ओम कुमार और बिजनौर प्रत्याशी चंदन चौहान को भारी मतों से जिताने की जनता से अपील की। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश की सभी 80 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीत हासिल करेगा। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर सिर्फ 370 वोट और बढ़ाने हैं। एक तरफ अखिलेश यादव पीडीए का नारा दे रहे हैं। इस नारे का असली फुल फार्म परिवार डवलपमेंट अथारिटी है। अखिलेश को अपने परिवार के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता है। यही कारण है कि टिकट वितरण को लेकर भी चाचा भतीजे में जंग छिड़ी है। रोजाना प्रत्याशी बदले जा रहे हैं। सपा को प्रदेश में प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जो आज विपक्ष में हैं उन्होंने सत्ता में रहते हुए जमकर घोटाले किए। उनके घोटालों की जांच हो ही है तो वे घबराए हुए हैं। घबराकर भाजपा के खिलाफ एकजुट हो गए। लेकिन यह एका कुछ दिन ही चला और फिर बिखर गये। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत के लोग विदेशों में सर झुकाकर चलते थे आतंकी घटना पर अमेरिका के सामने गिड़गिड़ाते थे। आज भारत के लोग सीना चौड़ा करके विदेशों में चलते हैं। किसी भी आतंकी घटना का करारा जवाब भारत देता है यही कारण है कि आतंकी घबराते हैं। नामांकन सभा को जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह उर्फ बाबी ने भी संबोधित किया।

भाजपा ने जो वायदे किए उन सबको पूरा कियाः बृजेश पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक बुधवार को सहारनपुर और कैराना लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के नामांकन में सम्मिलित हुए और नामांकन के बाद हुई जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने जनसभा में सहारनपुर से भाजपा प्रत्याशी राघव लखनपाल और कैराना से प्रदीप चौधरी को जिताने की अपील की।

सहारनपुर के मिशन कंपाउंड स्थित खेमका सदन में भाजपा प्रत्याशी राघव लखनपाल शर्मा की नामांकन सभा में बोलते हुए उप-मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनवाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो वायदे किए थे, उन सबको पूरा कर दिया है। मोदी सरकार ने गरीबों को आयुष्मान कार्ड के जरिए पांच लाख रुपये तक निशुल्क उपचार दिया। किसानों, महिलाओं, युवाओं, उद्यमियों, कारीगरों, गरीबों सहित सर्व समाज का बिना किसी भेदभाव के उत्थान किया। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। पूरी दुनिया में अयोध्या की नई पहचान बनी है। उप-मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के सपनों को साकार किया। गरीबों सहित सर्व समाज का ध्यान रखा गया। अब नए भारत का निर्माण हुआ है। लोकसभा चुनाव में यूपी सहित देश में 400 से अधिक सीटों पर भाजपा जीत का परचम लहराएगी। नामांकन सभा को राज्यमंत्री बृजेश सिंह, जसवंत सैनी, विधायक राजीव गुंबर, देवेंद्र निम, महापौर डॉ. अजय सिंह, लोकसभा संयोजक ब्रिजेंद्र कश्यप, जिलाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सैनी, महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने भी विचार रखे। इस दौरान कांग्रेस नेता उमा भूषण और सपा नेता अर्जुन पंडित ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। वहीं शामली के सिटी ग्रीन बारात घर में कैराना लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा में बोलते हुए उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार के चलते परिवर्तन आए हैं। हर गरीब-किसान के कल्याण के साथ ही बहन-बेटियों को सम्मान देने का काम मोदी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि कहा कि पूर्व में देश में अनेकों सरकारें रही हैं पर किसी ने किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का काम नहीं किया। यह काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार के द्वारा किया गया। चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न देकर देश-प्रदेश के देश के एक-एक किसान को मोदी जी ने सम्मान देने का काम किया। जबकि अन्य सरकारों ने किसानों और उनके हित में काम करने वाले लोगों के नाम पर केवल ओछी राजनीति करने का ही काम किया है। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए जल जीवन मिशन के तहत हर-घर जल देने का काम किया। गरीबों को पांच लाख का निशुल्क इलाज देने का काम किया। हमारी बहन-बेटियों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया है। कोरोना महामारी मुफ्त में वैक्सीन निशुल्क देने का काम किया। मुफ्त राशन दिया जा रहा है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी को जीतने का आह्वान करते हुए भरोसा दिलाया कि भाजपा प्रत्याशी जो भी प्रस्ताव बनाकर भेजेंगे प्रदेश सरकार तत्काल प्रस्ताव को पूरा करने का काम करेगी। इस दौरान लाकुड विधायक मुकेश चौधरी, गंगोह विधायक कीरत सिंह, थानाभवन विधायक अशरफ अली, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व मंत्री सुरेश राणा एमएलसी वीरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की कथनी-करनी में फर्क हैः भूपेन्द्र चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार पीलीभीत संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के नामांकन में मौजूद रहकर नामांकन सभा को सम्बोधित किया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के नामांकन के अवसर पर आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए जनता जनार्दन से तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने और केन्द्र में राजग गठबंधन की सरकार बनाने के लिए भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद को विजयी बनाने की अपील की। चौधरी ने घमंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की कथनी और करनी में फर्क है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम जनता के बीच भाजपा रिपोर्ट कार्ड लेकर आये है। मोदी-योगी सरकार में हुए कार्यों और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 2047 में विकसित भारत के संकल्प को जनता का भी पूर्ण समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनता से भाजपा को मिल रहे अपार समर्थन से उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटों पर कमल खिलाएंगी। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कांग्रेस और सपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2014 में केन्द्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार बनने से पहले देश में किन हालातों से गुजर रहा था और उत्तर प्रदेश 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने से पहले सपा सरकार की अराजकता और गुण्डाराज को कोई आज भी भुला नहीं पाया है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मोदी योगी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्र विकास हो रहा है। विश्व में भारत की शक्ति और सामर्थ्य मोदी जी के नेतृत्व बढ़ा है। आज भारत की पहचान एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुशासन और कानून का राज स्थापित हुआ है।

अग्नि-परीक्षा से कम नहीं है आकाश आनंद के लिए लोकसभा चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाल ही में बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किये जाने के बाद आकाश के लिए लोकसभा चुनाव किसी अग्नि परीक्षा से कम साबित नहीं होने वाला है। पार्टी की तरफ से यूथ को जोड़ने की जिम्मेदारी दिये जाने के बाद पहली बार उनकी चुनाव में एंट्री हो रही है। ऐसे में उन्हें पार्टी के परंपरागत वोटों को बनाए रखने के साथ ही अन्य वोटरों को जोड़ने का भार भी उनके कंधे पर है।

लोकसभा चुनाव में एंट्री के साथ आकाश आनंद 25 रैलियां करेंगे। यूपी में मायावती अपनी सभाएं भी करेंगी। पहले की तरह वह मंडलवार सभाएं करेंगी। कुछ मजबूत प्रत्याशियों के लिए उनके क्षेत्र में सभाएं करने जा सकती हैं। आकाश आनंद भी इन सभाओं में उनके साथ शामिल हो सकते हैं। आकाश आनंद 6 अप्रैल से पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। 6, 7, 8, 11, 13, 17, 25, 25, 26, 28 अप्रैल, 1 मई को आकाश आनंद यूपी में लोकसभा चुनाव प्रचार करेंगे। आकाश आनंद बरेली मंडल, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, सहारनपुर, कैराना, गोरखपुर, बस्ती मंडल, वाराणसी, आजमगढ़, प्रयागराज, मिर्जापुर, अयोध्या और कई लोकसभा क्षेत्रों में जाकर बसपा के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। बता दें कि बसपा प्रमुख द्वारा उत्तराधिकारी घोषित किये जाने के बाद आकाश आनंद लगातार यूपी उत्तराखंड को छोड़कर अन्य प्रदेशों में पार्टी का जनाधार मजबूत करने में लगे हुए हैं। हाल ही में हुए राजस्थान और एमपी के विधानसभा चुनाव में उनको प्रभारी बनाया गया था।

28 से अमरोहा व बिजनौर से चुनावी शंखनाद फूकेंगे आरएलडी प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह द्वारा 28 मार्च को अमरोहा व बिजनौर लोकसभा क्षेत्र से शुरू किये जा रहे चुनाव अभियान के क्रम में आयोजित विशाल जनसभाओं के क्रम में दिनांक 31 मार्च 2 अप्रैल व 4 अप्रैल के भी कार्यक्रम तय कर दिये गए है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने बताया कि चौधरी जयंत सिंह 31 मार्च को मुजफ्फरनगर व बागपत लोकसभा क्षेत्र 2 अप्रैल को कैराना व बागपत लोकसभा क्षेत्र तथा 4 अप्रैल बिजनौर व बागपत लोकसभा क्षेत्र में एन डी ए प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित कर एनडीए प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील करेंगे। दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय लोकदल द्वारा एनडीए से गठबंधन के बाद उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को प्रत्याशियों के टोटा पड़ गया है वहीं राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया चौधरी जयंत सिंह ने एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में अपने चुनावी अभियान की धुआंधार शुरूआत 28 मार्च से कर दी है चौधरी जयंत सिंह की जनसभाओं को लेकर रालोद व भाजपा कार्यकर्ताओं तथा आम जनमानस में जबरदस्त उत्साह है। इस बार उत्तर प्रदेश में एनडीए के 80 के 80 उम्मीदवार जीतकर जायेंगे तथा इंडिया गठबंधन का खाता भी नहीं खुलेगा।

भाजपा की तमाम साजिशों का भी अंत होने वाला हैः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि विकास के मामलों में कोई ठोस उपलब्धि हासिल करने में पूर्णतया विफल रही भाजपा सरकार अब आतंक और गिरफ्तारियों के बल पर सत्ता में आने की साजिश में लग गई है। पूरे देश में अराजकता है। भाजपा के भ्रष्टाचार की पोलें खुल रही है और जनता में असंतोष तथा आक्रोश की लहर है। अपनी पराजय की आशंका से हैरान-परेशान भाजपा अब विपक्ष को बदनाम करके अपनी नेकनामी का षड्यंत्र रच रही है, जिसमें उसे कोई सफलता नहीं मिलने वाली है। अखिलेश ने कहा कि दरअसल भाजपा जानती है कि अब उसके कुछ ही दिन बचे हैं। केंद्र की सत्ता में एनडीए नहीं पीडीए इंडिया गठबन्धन आने वाला है। भाजपा की तमाम साजिशों का भी अंत होने वाला है। जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है तो फिर कोई उसके आगे नहीं टिकता है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार केंद्र की हो या प्रदेश की, दोनों डबल इंजन जनता से किए गए वायदों में खरे नहीं उतरे हैं। किसानों से कर्जमाफी, उनकी आय दोगुनी करने की दिशा में कोई नीति नहीं बनी। एमएसपी पर फसल खरीद की किसानों की मांग पर भाजपा ने बर्बरता से उनकी आवाज दबाने का काम किया है। कर्ज और मंहगाई की मार से परेशान एक लाख किसानो ने आत्महत्या कर ली। अखिलेश ने कहा कि नौजवानों को बड़े-बड़े सपने दिखाए गए थे। केंद्र में सरकार बनते ही 2 करोड़ नौकरियां देने का वायदा था। उत्तर प्रदेश में पूंजी निवेश का हवा महल दिखाकर हजारों लाखों नौकरियां सृजित होने का दावा किया गया। एमओयू तो बहुत से हो गए लेकिन जमीन पर न तो एक उद्योग लगा और नहीं नौकरियां मिली। यूपी में लगने वाले उद्योग गुजरात चले गए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भाजपा ने अव्यवस्था पैदा कर दी है। 69000 से ज्यादा सहायक शिक्षक अपनी नियुक्ति को लेकर लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार उन्हें लाठियों से पीट रही है। भाजपा सरकार में परीक्षाएं होती हैं और पेपर लीक हो जाता है। एक दो नहीं 10-10 परीक्षाएं लीक हो गई। नौकरी देंगे तो आरक्षण भी देना होगा इसलिए जानबूझकर पेपर लीक की नौटंकी होती है।

अखिलेश ने कहा कि छापे डलवाकर धन वसूली का भंडाफोड़ होने से भाजपा की चारों ओर बदनामी हो रही है, इससे बौखलाकर भाजपा सरकार अपनी जांच एजेंसियों के मार्फत विपक्षी नेताओं को बदनाम करने और उनकी गिरफ्तारी से आतंक फैलाने में लगी हैं। भाजपा का सत्तामंडल पूंजीपतियों का समर्थक है और उनकी वसूली की आदत है। जनता अब भाजपा के भ्रष्टाचार से परिचित हो चुकी है। लोग जान गए हैं कि भाजपा मनीलॉन्ड्रिंग के बहाने से पालिटिकल लान्ड्रिंग का मनगढ़ंत केस बनाती है।

कांग्रेस ने यूपी की चार सीटों पर घोषित किये प्रत्याशी, सीतापुर से नकुल दुबे मैदान में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के चल रहे नामांकन की प्रक्रिया के बीच बुधवार देर शाम कांग्रेस की तरफ से यूपी की चार सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी गयी।

जारी सूची में सीतापुर से नकुल दुबे को मैदान में उतारा गया है। पार्टी के जनरल सेक्रेट्री वेणुगोपाल की तरफ से जारी सूची के अनुसार गाजियाबाद से डोली शर्मा, बुलंदशहर सु. से शिवराम वाल्मिकी, सीतापुर से नकुल दुबे और महराजगंज से वीरेन्द्र चौधरी को उम्मीदवार बनाया गया है।

पीड़ित को थाने में बिठाने का आरोप वकीलों के हंगामे के बाद दर्ज किया केस

संवाददाता। मोहनलालगंज

घर में घुसकर मारपीट के आरोपियों पर कार्रवाई के बजाए पीड़ित को ही थाने में बिठा लेने की शिकायत को लेकर मंगलवार की रात वकीलों ने कोतवाली में जमकर हंगामा किया। जिसके बाद बैकफुट पर आई पुलिस ने ग्राम प्रधान समेत सात नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है।

मोहनलालगंज के खुजेहटा निवासी मलखान 24 मार्च को खुझौली में अपनी ससुराल गए थे। आरोप है कि ग्राम प्रधान राजकुमार अजय अतीश विनोद हरिप्रसाद धनऊ रामअचल व 15 अन्य अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर मलखान व उसके साले रिंकू की बेरहमी पिटाई कर दी फिर धमकाते हुए भाग निकले। पीड़ित रिंकू की माँ महाराना ने 112 नंबर पर सूचना देने के साथ ही पूरे मामले की पुलिस से शिकायत की। लेकिन आरोप है कि पुलिस ने शिकायत पर कोई कार्रवाई नही की वहीं नहीं आरोप है कि आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मलखान को थाने बुलाकर बिठा लिया। जिसे लेकर पीड़ित के समर्थन में वकीलों ने मंगलवार की रात कोतवाली पहुंचकर जमकर हंगामा किया और चौकी इंचार्ज की भूमिका पर सवाल उठाए। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने मध्य रात्रि के बाद आरोपियों पर केस दर्ज कर पीड़ित मलखान को थाने से छोड़ दिया। हालांकि पुलिस आरोपों से इंकार कर रही है।

रेलवे ट्रैक के निकट मिला अज्ञात युवती का शव

मोहनलालगंज। फुलवरिया मोड़ के निकट अज्ञात युवती का शव रेलवे ट्रैक के निकट बरामद किया गया। शव की शिनाख्त नही हो सकी है। पुलिस इसे ट्रेन एक्सीडेंट करार दे रही है। मोहनलालगंज में फुलवरिया मोड़ के सामने रेलवे ट्रैक के निकट 35 वर्षीय अज्ञात युवती का बुधवार की दोपहर शव बरामद किया गया। रेलवे ट्रैक से पंजाब मेल गुजरने के बाद शव देखा गया। लिहाजा पुलिस इसे ट्रेन से कूदने अथवा गिरने की वजह से युवती की मौत होने की आशंका जता रही है। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया युवती के हुलिए की मदद से शव की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

हादसों को दावत दे रहे जर्जर पोल व तार शिकायत के बाद भी बेपरवाह अफसर

संवाददाता। मोहनलालगंज

जर्जर पोल और तारों को दुरुस्त कराने में विद्युत विभाग के अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं। लिहाजा सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद भी लोगों को भटकना पड़ रहा है। उधर लेसा अधिकारियों की अनदेखी से विभाग को नुकसान और आमजन के लिए जानलेवा संकट की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

मोहनलालगंज के भद्दी खेड़ा में रोड किनारे एलटी लाइन का झुककर टेढ़ा हो चुका है। इस पोल के जरिए दर्जनों घरों को विद्युत आपूर्ति चल रही है। हवा के तेज झोंके अथवा अधिक बारिश से यह पोल कभी भी जमीन पर गिरकर जानलेवा हादसे की वजह बन सकता है। जिसे लेकर अधिवक्ता अवध बिहारी स्थानीय सबस्टेशन से लेकर 16 मार्च को सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। फिर भी विद्युत विभाग के अधिकारी कुम्भकर्णी नींद में सोए हुए हैं। इसी तरह मोहनलालगंज के सिसेण्डी और धनुवासांड लाइन के तार कुछ जगह अनगिनत जोड़ से बेहद जर्जर हैं। जिसे लेकर स्थानीय लोग आने वाली गर्मी में विद्युत आपूर्ति बाधित होने की आशंका जता रहे हैं। फिर भी इन तारों को बदलवाने को लेकर लेसा अधिकारी संजीदा नहीं हैं। वहीं दहियर में विश्राम खेड़ा नहर की ओर गई एचटी लाइन का पोल कई माह टेढ़ा होकर किसानों और फसलों के लिए संकट बना हुआ है। किसान स्थानीय विद्युतकर्मियों से लेकर सबस्टेशन तक शिकायत कर चुके हैं। फिर भी इस पोल को अब तक दुरुस्त नहीं कराया जा सका है। अधिशाषी अभियन्ता घनश्याम त्रिपाठी ने बताया अधिकांश जर्जर पोल और तारों को दुरुस्त कराया जा चुका है। जहां कहीं से सूचना प्राप्त हो रही है तुरन्त टीम भेजकर जांच कराई जा रही है। बची खुची कमियों को शीघ्र ही सुधार करा लिया जाएगा।

डीएम ने अफसरों को दिया निर्वाचन का प्रशिक्षण, बताईं चुनाव की बारीकियां

● लोस चुनाव संपन्न कराने को जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट, मास्टर ट्रेनर को दिया प्रशिक्षण

लखीमपुर खीरी। लोकसभा चुनाव स्वतंत्रए निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में खीरी और धौरहरा संसदीय क्षेत्र के लिए दो पालियों में जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटए मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण भी दिया गया। डीएम ने निर्वाचन के दौरान उनकी भूमिकाए कर्तव्य व कार्य दायित्व बताएं और यह भी कहा कि आप सभी के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी हैए इसलिए उसका कुशलतापूर्वक निर्वहन करें। डीएम ने ईवीएम का प्रशिक्षण देकर सवाल पूछे। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की बैलेट यूनिटए कंट्रोल यूनिट एवं वीवीपैट की व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने ईवीएम के सभी उपकरणों के संयोजन एवं उसके संचालन की बारीकी से जानकारी दी।

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि निर्वाचन में जोनल व सेक्टर ऑफिसर की महती भूमिका हैए इसलिए सौंपे गए दायित्वों का सजगताए सतर्कता व विवेकपूर्ण तरीके से निर्वहन करें। प्रशिक्षण की आरंभ में प्रभारी अधिकारी ;प्रशिक्षणद्ध पीडी एसएन चौरसिया ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के संबंध में मास्टर ट्रेनर्सए जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्वाचन प्रक्रिया का पीपीटी से व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में एडीएम संजय सिंहए जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ मनीष चंद्रए मौजूद रहे।

यमुना में नहाते तीन युवक डूबे, दो की मौत

गाजीपुर (फ़तेहपुर)। गाजीपुर थाना क्षेत्र के औगासी यमुना नदी में नहाते समय तीन युवक डूब गए। जिसमें दो की मौत हो गई जबकि तीसरे को नाविक ने बचा लिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी रमेश यादव का 17 वर्षीय पुत्र विवेक यादव भटपुरवा गांव निवासी जगरूप का 18 वर्षीय पुत्र स्वतंत्र व शत्रुघन का 23 वर्षीय पुत्र विमल आज सुबह लगभग आठ बजे औगासी घाट यमुना में नहाने गए। नहाते समय तीनों डूबने लगे। तभी शोर-शराबा सुनकर नाविक ने विमल को बचा लिया जबकि दोनों युवक गहरे पानी में जाने के कारण डूब गए। उधर सूचना पर परिजन सहित सैकड़ो लोग मौके पर पहुंच गए। लगभग दो घंटे बाद उसी जगह पर दोनों युवकों के शव बरामद हो गए। पुलिस ने शवों को विच्छेदन गृह भेज दिया। हादसे के बाद दोनों मृतकों के परिवारीजनों में कोहराम मच गया। बताते हैं कि जगरूप का पुत्र स्वतंत्र एकलौता था। मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाइक सवार युवक ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, चिकित्सक की खड़ी कार को ठोका, युवक भी घायल

फर्रुखाबाद। तेज रफ्तार बाइक सबार नें ई-रिक्शा को टक्कर मारनें के बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी चिकित्सक की कार को टक्कर मार दी, जिससे चिकित्सक की कार क्षतिग्रस्त हो गयी। वहीं बाइक सबार भी घायल हो गया। शहर कोतवाली में मोहल्ला इस्माइलगंज सानी निवासी 22 वर्षीय चेतन कादरी गेट निवासी अपने एक दोस्त की बाइक लेकर लोहाई रोड़ पर तेज गति से आ रहा था । उसकी बाइक तेज रफ्तार होनें के चलते उधर से गुजर रही ई-रिक्शा से टकरा गयी, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर भाजपा नेत्री डा. रजनी सरीन के अस्पताल के बाहर खड़ी डॉ.अंजली की कार में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कार क्षतिग्रस्त होनें के साथ ही बाइक के भी परखच्चे उड़ गये । बाइक सबार युवक चेतन भी घायल हो गया। उसे 108 एम्बुलेंस से उपचार के लिए भेजा ।

सबका साथ सबका विकास के नाम पर पूर्ण बहुमत से फिर बनेगी सरकारः अजय मिश्र

निघासन खीरी। मिशन 2024 को लेकर निघासन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह के आवास पर जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री व लोकसभा प्रत्याशी अजय मिश्र टेनी का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री ने विस्तार पूर्वक आत्म निर्भर भारत कैसे बन रहा है इसके बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सरकार गरीबों के हित में निरंतर विकास कार्य कर रही है पूरे भारत में विकास की आंधी जैसा माहौल बना हुआ है आम जनता को किसी न किसी योजना का लाभ जरूर मिला है। लगभग सभी पात्र व्यक्तियों को कोई न कोई योजना का लाभ जरूर मिला है इस प्रकार तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं का बखान किया। इस बैठक में भाजपा विधानसभा निघासन प्रभारी निघासन अरविन्द गुप्ता ने संगठन के पदाधिकारियों को और मजबूती के जुटने के लिए मार्गदर्शन दिया। विधानसभा संयोजक भाजपा निघासन दयाशंकर मौर्य व सांसद प्रतिनिधि व पूर्व जिला महामंत्री अरविन्द सिंह संजय व पूर्व विधानसभा प्रभारी कनक पाल सिंह राणा ने भी संबोधन किया। कार्यक्रम का संचालन नागेन्द्र सिंह सेंगर ने किया।इस दौरान शोशल मीडिया प्रभारी मुकेश मिश्राए महिला मोर्चा से गीता त्रिपाठी प्रधानए मंडल अध्यक्ष सिंगाही बिजेंद्र सिंह बीडीसी, समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

बंद कमरे में पड़ा मिला सेवानिवृत्ति सिपाही का शव

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अटवा गांव में सेवा निवृत सिपाही का शव कमरे के अंदर मिला। पुलिस ने दीवाल तोड़कर शव बरामद किया। पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अकबरपुर के पास कुंभी गांव निवासी राम सिंह यादव प्रतापगढ़ जिले से सिपाही के पद से रिटायर हुए थे। वह भोगनीपुर के अटवा गांव में जयप्रकाश कुरील के मकान में किराए पर कमरा लेकर रहने लगे थे। गांव में डोर टू डोर टैंक्टर से आटा चक्की चलाकर आमदनी करते थे। राम सिंह के पुत्र दीपू व भांजा लालू ने बताया कि राम सिंह लगभग डेढ़ वर्ष से जयप्रकाश कुरील के मकान में रहते थे। कभी कभार ही घर आना जाना था। राम सिंह का लड़का कानपुर में भी रहता है। जयप्रकाश दिनभर आटा चक्की क्षेत्र में चलकर शाम को वापस अपने कमरे में आ जाते थे। बुधवार को सुबह आठ बजे जब राम सिंह घर के बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों ने खिड़की से झांक कर देखा। राम सिंह मृत अवस्था में पड़े थे।

दलित की हत्या में राष्ट्रीय आयोग ने डीएम एसपी को जारी की दूसरी नोटिस

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के पूर गांव के एक दलित की जहर खिलाकर हत्या के मामले में पीड़ित की शिकायत पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग बेहद सख्त हो गया है। पूर्व में तलब की गई रिपोर्ट उपलब्ध न कराने पर डीएम एसपी को दूसरी बार नोटिस जारी कर 7 दिन के अंदर रिपोर्ट उपलब्ध न होने पर दोनों अफसर को तलब करने का अल्टीमेटम दिया है।

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के पूर गांव निवासी बृजेश कुमार की 28 जून 2020 को जहर खिलाकर हत्या कर दी गई थी मामले में मृतक के भाई राजेश कुमार ने अकबरपुर कोतवाली में मु0 अ0 संख्या 42/2020, धारा 302 328 201 3/2 एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था मामले में बिसरा परीक्षण रिपोर्टए घटनास्थल के गवाहोंए मुक्तापुर में मिली मोबाइल लोकेशन आदि की अनदेखी कर आरोपित गुलाब सिंह यादव जो गांव का प्रधान है। से सांठ गांठ कर गांव के उसके समर्थकों के बयान दर्ज कर पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी र्न मामले में कोर्ट से पुर्न विवेचना का आदेश किए जाने के बाद इस मुकदमे की विवेचना अपर पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात कर रहे हैं। मामले में प्रभावी कार्रवाई न होने तथा किसी प्रकार का अनुतोष न दिए जाने पर पीड़ित राजेश कुमार की शिकायत पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पिछले मांह डीएम एसपी को नोटिस जारी कर पीड़ित पक्ष को दी गई अनुतोष राशि अब तक की गई कार्यवाही आदि का विवरण 7 दिन में तलब किया था। वादी की तरफ से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया की मरने से पहले अपने परिजनों व अन्य कुछ लोगों से फोन पर प्रधान द्वारा जहर खिलाने की बात कही थी। उन लोगों के बयानों को दरजी ना देकर पुलिस ने प्रधान समर्थकों के बयानों के आधार पर फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी।

शत-प्रतिशत जमा कराएं लाइसेंसी शस्त्रः इन्दुमती

● अपने-अपने क्षेत्रों में शस्त्र दुकानों का निरीक्षण करें एसडीएम व सीओ

संवाददाता। फतेहपुर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन को शान्तिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जनपद के शस्त्र धारकों के शस्त्रों को जमा कराने के संबंध में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सी. इंदुमती की अध्यक्षता में गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में बैठक संपन्न हुई। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार शस्त्र धारकों के शस्त्रों को अभियान चलाकर जमा कराने के निर्देश संबंधितों को दिए। उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा निर्देशानुसार जमानत में रिहा, आपराधिक इतिहास, दंगो में संलिप्त रहे, परिशांति भंग करने वाले, पाबंद किये जिनके सर्वस्व सूचना जो कानून व्यवस्था की निष्पक्षता में बाधा उत्पन्न कर रहे हो, अति संवेदनशील बूथों के कारको आदि नागरिकों का यदि शस्त्र लाइसेंस है तो शस्त्रों को शत प्रतिशत प्राथमिकता के आधार पर जमा कराना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि एसडीएम व पुलिस क्षेत्राधिकारी आपस में समवन्य बनाकर अपने-अपने क्षेत्र में शस्त्र की दुकानों का विस्तृत निरीक्षण कर शस्त्र धारकों के लाइसेंस का मिलान करा लें। उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी अपने थाना सीमा क्षेत्र में नोटिस भिजवाते हुए शस्त्रों को जमा कराए और उनको प्राप्ति रसीद भी दें। उन्होंने कहा कि नियमानुसार सुरक्षा के दृष्टिगत शस्त्र रखने की अनुमति देना है, इसके लिए उनसे आवेदन लेते हुए उसमे स्पष्ट आख्या देते हुए स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष जल्द से जल्द प्रस्तुत करें जिससे उन आवेदनों पर समय से विचार किया जा सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी डॉ. अविनाश त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप, अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर, बिंदकी, खागा, समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

दो पक्षों में संघर्ष के दौरान पांच घायल, पुलिस ने शुरु की जांच पड़ताल

मौदहा (हमीरपुर)। होली खेलने के दौरान दो पक्षों में संघर्ष के दौरान एक ही पक्ष के पांच लोग घायल हुए हैं जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल करते हुए आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इचौली गांव में दरवाज़े के बाहर होली खेल रहे लोगों परकुछ लोगो ने लाठी डंडों से हमला किया गया है, इस हमले के दौरान पांच लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घायल अजय ने बताया की वह लोग अपने दरवाज़े के सामने होली खेल रहे थे, तभी गाँव का ही रहने वाला मंगल आने दोनों बेटों अजय और अंकुश के साथ आया और गाली गलौज करने लगा। अजय का कहना है की जब गाली देने से मना किया तो उन लोगों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया। इस हमले के दौरान अजय उसके पिता नत्थू माँ कृष्णा दोनों भाई विक्रम और मोहित घायल हुए हैं।

क्विक न्यूज

दोहरे हत्याकांड का 25 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेढ़ में गिरफ्तार

हमीरपुर। जिले के बिवार क्षेत्र में करीब दो माह पहले बृद्ध भाई बहन की हत्या कर नगदी लूटपाट करने वाले 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश पुलिस ने बुधवार को बिवार क्षेत्र में मुठभेढ़ के दौरान बंदी बना लिया है। गोली बदमाश के दाहिने पैर में लगी है,दोहरे हत्याकांड में शामिल दो बदमाशों को बारदात के कुछ दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। फरार चल रहे तीसरे बदमाश को पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। क्षेत्र के पारालदार गांव में बीती आठ फरवारी को कृष्णदत्त सोनी व उसकी बहन केशकली की धारदार हथियार से हत्या कर बदमाशों ने नगदी व लाखों रुपये के जेवर लूट ले गये थे। मृतक के भाई रमाशंकर ने अज्ञात के खिलाफरिपोर्ट दर्ज करायी थी। बारदात के एक सप्ताह बाद पुलिस ने गांव के पूरन व महोवा निवासी हरिया को गिरफ्तार कर लिया था। मौका पाकर राजेंद्र कुरील फरार हो गया था। सीओ मौदहा श्रेयश त्रिपाठी ने बताया कि फरार बदमाश राजेद्र कुरील गांव के शराब ठेका के पास बैठा था पुलिस की घेराबंदी करने पर पुलिस पर गोली चला दी जिस पर पुलिस ने जवाबी फायरिग की जिससे गोली बदमाश के दाहिने पैर पर लगी। उसके कब्जे से 15 हजार रुपये नगद व अवैध तमंचा पुलिस ने बरामद किया है।

कैथा गांव में खूनी संघर्ष, एक की मौत आधा दर्जन घायल

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के कैथा गांव में नशेबाजी को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गयी जिसमें एक ब्यक्ति की मौत हो गयी तथा दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हो गये जिन्हे इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया गया है, उधर मृतक पक्ष के लोगों ने शव को चरपाई में ले जाकर कैथा तिराहे के समाने स्टेट हाइवे 46 भोगनीपुर- चौडगरा सड़क जाम कर दिया, सहयक पुलिस कमिश्नर रंजीत कुमार ने बताया कि पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये दबिसें दी जा रही है।

पत्नी से विवाद होने पर पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

राठ (हमीरपुर)। होली पर्व पर पत्नी से विवाद होने पर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। कस्बे के दीवानपुरा मोहल्ला शिवकुमार का पत्नी राजकुमारी से कल रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया। तभी शिवकुमार ने कमरे में दरवाजा बंद करके पर्दे से फांसी लगाकर ली। परिवारीजनों के चिल्लाने पर उसे फांसी के फंदे से नीचे उतारा और आनन फानन में सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाल उमेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

विद्यालय से चोरों ने टीवी, पंखा सहित अन्य सामान किया पार

राठ(हमीरपुर)। क्षेत्र के मझगवां गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में चोरों हजारों रुपए का सामान चोरी करके लेगये। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने पुलिस को बताया कि बुधवार की सुबह जब वह विद्यालय आया तो गेट की कुंडी अंदर से बंद थी। अंदर जाकर देखा तो एकल कक्ष का ताला टूटा हुआ था। कक्ष के अंदर से 32 इंची एलईडी टीवी, डीटीएच का बोक्स, सीलिंग फैन, बिजली बोर्ड की वायर गायब थी। प्रधानाचार्य ने मझगवां थाने व सहायक खंड शिक्षा अधिकारी को शिकायती पत्र दिया है। मझगवां थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

चोरों ने घर से बीस हजार की नकदी और जेवरात उड़ाए

राठ। कस्बे सिकंदरपुरा मोहल्ले में चोरों ने सूने घर में घुसकर बीस हजार रुपए की नकदी व सोने चांदी के आभूषण पार कर दिए हैं। सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार को वह अपने पैतृक गांव खरेला जनपद महोबा में परिजनों के साथ होली के पर्व पर गया था। घर पर ताला लगा हुआ था। बताया कि मंगलवार की दोपहर पड़ोसी ने फोन घर मकान का ताला टूटा होने की जानकारी दी। उसने अपने पुत्र कर्मेंद्र को राठ पहुंचाया। बताया कि पुत्र ने घर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। चोर हजारों का जेवरात व नगदी उठा ले गये। पुत्र की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। कोतवाल उमेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

महिला ने पेड़ से लटककर जान दी

हमीरपुर। बिवार क्षेत्र के निवादा गांव में अज्ञात कारणों के चलते महिला ने खेत में बबूल के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि गांव की चंदा (48) पत्नी हरिदास ने बुधवार को गांव के बाहर खेत मे पेड़ से लटक कर जान दे दी जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुची शव को पुलिस अपने कब्जे में कर लाश को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

दो पक्षों में हुई मारपीट में चार घायल

गुरसहायगंज (कन्नौज)। किसी बात को लेकर गालीगलौज के बाद एकत्र हुये दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिसमें महिला सहित चार लोग घायल हो गये। पीडितों ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम ऊंचा निवासी आशीष पुत्र शैलेन्द्र द्वारा कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमें में कहा गया है कि विगत 25 मार्च की दोपहर वह अपने घर के बाहर बैठा था तभी गांव के ही मन्नीलाल, राकेश, रानू, सोनू आये और बेवजह गाली गलौज करते हुये लात घूसों से मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। जबकि दूसरे पक्ष के सोनू पुत्र अशोक का कहना है कि वह अपने घर की ओर जा रहा था तभी गांव के ही भारत पाल, रोहित पाल, विनय पाल, बाबी पाल ने रास्ते में घरे लिया और गाली गलौज करते हुये मारपीट शुरू कर दी बचाव में आये उसके भाई नाहर सिंह व उसकी माँ शीला देवी को भी मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

रॅगों में सराबोर होकर दी एक दूसरे को बधाई

रसूलाबाद कानपुर देहात। क्षेत्र में होली का पर्व परम्परागत ढंग से मनाई गई। रंगों में सराबोर लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर बधाई दी। वहीं रसूलाबाद कस्बा सहित ग्रामीण अंचलों में होली के मौके पर होने वाले फाग की भी धूम देखने को मिली। बीएचयू में चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य विभाग में निदेशक प्रो एस एन संखवार ने होली रसूलाबाद क्षेत्र के पालनगर गांव में मनाई।श्री संखवार किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ में सीएमएस रह चुके हैं। कुछ महीने पहले उन्हें बीएचयू निदेशक बनाया गया है। मंगलवार को वह अपने गांव पहुंचे जहां गरीब परिवारों से मिलकर त्यौहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गांवों में आज भी त्यौहार का असली मजा मिलता है। आपसी प्रेम व स्नेह गांव में ही देखने को मिल रहा है। रसूलाबाद क्षेत्र से लखनऊ इलाज को जाने वाले मरीजों की सेवाएं देने में डाक्टर संखवार पूरा जोर लगा देते थे। गांव के प्राइमरी स्कूल में प्राथमिक शिक्षा देने वाले गुरु चंन्द्र प्रकाश त्रिपाठी के घर जाकर उनके स्वास्थ्य का हालचाल लिया।इस दौरान प्रधानाचार्य महावीर कुशवाहा सहित कई लोग मौजूद रहे।

विरोहा रेलवे क्रासिंग के पास मिला अज्ञात शव

पुखरायां। कानपुर देहात। कानपुर झांसी रेलवे लाइन के विरोहा रेलवे क्रॉसिंग के पास अज्ञात शव बरामद हुआ है। भोगनीपुर थाने के उप निरीक्षक आनंद यादव ने बताया कि विरोहा रेलवे क्रॉसिंग के पास खेत पर जा रहे किसानों ने सूचना दी की एक अज्ञात शव पड़ा हुआ। उप निरीक्षक आनंद यादव ने मौके पर पहुंचकर रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक का शव बरामद किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सड़क हादसों में वृद्ध सहित तीन घायल

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत हुए सड़क हादसों के दौरान वृद्ध सहित तीन लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। ललौली थाना क्षेत्र के दतौली गांव निवासी स्व. रामराज का पुत्र रजऊ मंगलवार की शाम पैदल खेत जा रहा था तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दिया जिससे वह घायल हो गया। इसी प्रकार औंग थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव निवासी स्व. छोटेलाल का 45 वर्षीय पुत्र रामखेलावन अपने साथी छुट्टन व श्रीराम के साथ बाइक से किसी काम से जा रहा था। तभी अज्ञात वाहन की टक्कर लग जाने से घायल हो गया। उधर हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सैदनापुर गांव निवासी रामस्वरूप का 40 वर्षीय पुत्र शत्रुघन बुधवार की दोपहर पैदल सामान लेने जा रहा था तभी पीछे से आ रहे चार पहिया ने उसे टक्कर मार दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

अब जमीन पर नहीं गिरेगा कूड़ा, सभी कूड़ा घर होंगे मृत

● पालिका चलायेगी नगर दस्तक अभियान, सफाई मित्र दरवाजा खट-खटा कर मांगेगे कूड़ा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। घरों से शत प्रतिशत पृथक्कीकरण के साथ कूड़ा एकत्रित किये जाने एवं कूड़े का समय से निस्तारण किये जाने के उद्देश्य से नगर पालिका अब 'नगर दस्तक अभियान' चलायेगी जिसमें सफाई कर्मचारी दरवाजा खट-खटाकर कूड़ा मांगेगे। बुधवार को पालिका कार्यालय में अधिषासी अधिकारी अनिल पण्डित ने जानकारी देते हुये बताया कि 10 अप्रैल से पालिका सभी सभासदों के नेतृत्व में 'नगर दस्तक अभियान' चलायेगी। अभियान का उद्देश्य आम जनता में कूड़ा के प्रति जिम्मेदारी की भावना को जगाना तथा पृथक्कीकृत रूप में गीला-सूखा कचरा अलग अलग दिये जाने हेतु प्रोत्साहित करना है। साथ ही इस पहल से शत प्रतिशत घरों एवं संस्थानों को डोर-टू-डोर कूड़ा कलेसन की व्यवस्था से जोड़कर सड़क आदि के किनारे बने कूड़ा घरों को समाप्त कर नगर को कूड़ा मुक्त बनाया जायेगा। बताया कि पालिका द्वारा सूखे कचरे के निस्तारण हेतु एमआरएफ सेण्टर एवं गीले कचरे के निस्तारण हेतु बायोमेथेनेशन प्लाण्ट संचालित किया जा रहा है। कम्युनिटी कम्पोस्टर के माध्यम से भी गीले कचरे का निस्तारण किया जा रहा है।

लोस चुनाव में मददगार है सीवीआईजीआईएल एपए शिकायत हो तो दर्ज करें, 100 मिनट में समाधान

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

आम चुनाव.2024 निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने कई ऑनलाइन मोबाइल एप शुरू किए हैं। इन एप का प्रयोग कर कोई भी मतदाता या प्रत्याशी अपनी समस्या का निवारण कुछ ही मिनटों में करवा सकता है। डीईओए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान में चल रहे लोकसभा सामान्य निर्वाचन.2024 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अन्य विभिन्न प्रकार की शिकायत करने तथा उसके निस्तारण हेतु आनलाइन सी.विजिल एप विकसित किया गया है। उक्त एप पर चुनाव की घोषणा के दिनांक से मतदान दिवस तक शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत अपलोड की जा सकती है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग चुनाव के समय सी.विजिल एप निर्वाचन आयोग की काफी मदद करता है। कोई भी नागरिक कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हुआ देखता है तो उससे संबंधित फोटो वीडियो ऑडियो व अन्य साक्ष्य इसपर अपलोड कर देता है। इस एप में शिकायत के बाद 100 मिनट के भीतर कार्रवाई होती है। डीईओ ने सभी से अपील करते हुए कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन के सम्बन्ध में आनलाइन शिकायत हेतु आयोग द्वारा विकसित सी.विजिल एप का प्रयोग करें। आयोग इसकी सत्यता की परख कर संबंधित पर कार्रवाई सुनिश्चित करता है। यह एप देश के सभी नागरिक को निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में मदद का अवसर देता है। एप का साफ्टवेयर शिकायतकर्ता की पहचानए सुरक्षा व निजता को बरकरार रखता है। सी.विजिल एप का प्रयोग करने हेतु स्मार्टफोन पर गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर अपना मोबाइल नम्बर डालकर ओटीपी के माध्यम से एप में लागिन कर शिकायत दर्ज की जा सकती है। सी.विजिल एप एक जीआइएस आधारित एप है जिसमें साक्ष्य के तौर पर केवल लाइव फोटोए वीडियोए आडियो ही अपलोड किया जा सकता है। शिकायत अपलोड होने के उपरान्त 100 मिनट के अन्तर्गत ही शिकायत का निस्तारण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा उसी एप के माध्यम से सुनिश्चित किया जाना है। निस्तारण के पश्चात् विवरण शिकायतकर्ता के सी.विजिल एप पर स्वत: उपलब्ध हो जायेगा।

घास लेने गया किशोर बेहोश पड़ा मिला

फर्रुखाबाद। घास लेनें गया किशोर संदिग्ध हालत में बेहोश (नशे में) पड़ा मिला। परिजनों नें किशोर को सीएचसी में भर्ती कराया। परिजनों नें मौखिक रूप से उसके साथ कुकर्म करनें का आरोप लगाया। लेकिन पुलिस को दी गयी तहरीर में इसका कोई जिक्र नही किया। राजेपुरथाना क्षेत्र के एक गाँव निवासी 16 वर्षीय किशोर घास लेनें रामगंगा की कटरी में गया था। जहाँ काफी देर तक जब वापस नही आया तो परिजनों ने उसकी तलाश की। जिस पर वह रामगंगा कटरी में नशे की हालत में बेहोश मिला। किशोर के पिता नें शराब पिलाकर उसके साथ कुकर्म करनें का आरोप मौखिक रूप से लगाया है । लेकिन पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप है कि हरिहरपुर के प्रधान श्यामपाल के खेतों में रखवाली करनें वाले छविराम पुत्र वीरेंद्र नें उसके पुत्र को नशीली पदार्थ खिला दिया जिससे वह बेहोश हो गया। मामले की जानकारी होनें पर डायल 112 व 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गयी। एम्बुलेंस से उसे सीएचसी राजेपुर लाया गया। जहाँ चिकित्सक नें उसको भर्ती कर उपचार शुरू किया।

छेड़छाड़ का विरोध करनें पर दंपति सहित वृद्धा को पीटा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विगत दो माह पूर्व दबंगों ने घर में घुसकर महिला के साथ छेडछाड करनें लगे महिला के पति एवं वृद्धा द्वारा विरोध करनें पर उक्तगणों ने लाठी डण्डों से मारपीट कर घायल कर देने और धमकी देनें के मामले में पुलिस द्वारा कार्यवाही न होने पर पीडिता ने न्यायालय में गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निवासी पीडिता द्वारा न्यायालय के आदेश पर कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमे में कहा गया है कि विगत 19 जनवरी की शाम वह अपने घर में थी तभी गांव के ही देवेश, आदेश, अनोखेलाल, आशाराम, रन्धीर आदि नें उसके घर मे घुसकर उसके साथ छेडछाड करनें लगे जिसका विरोध करनें पर लात घूसों से मारपीट करने लगे बचाने आयी सरला देवी व निरंकार को भी मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी।

विशेष संचारी व दस्तक अभियान को सफल बनाना सभी की जिम्मेदारीः जिलाधिकारी

फतेहपुर। एक से तीस अप्रैल तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस से तीस अप्रैल तक चलने वाले दस्तक अभियान की बैठक जिलाधिकारी सी. इन्दुमती की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बाल विकास, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, शिक्षा, नगर निगम, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, दिव्यांग कल्याण, चिकित्सा शिक्षा को जो दायित्व सौंपे गए हैं आपस में समन्वय बनाते हुए टीम भावना के साथ अभियान को सफल बनाए। कार्यो का सूचना विभाग के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी कराये। अभियान का माइक्रोप्लान बना लें, साथ ही ब्लॉक एवं तहसील स्तर की बैठक कराकर रिपोर्ट से अवगत कराएं। प्रशिक्षण भी कराने के निर्देश संबंधितो को दिये। विभागीय अधिकारियों को संचारी रोगों से बचाव एवं नियंत्रण के संबंध में विशेष अभियान चलाते हुए सभी कार्यों को पूर्ण करने एवं आम जनमानस को संचारी रोगों से बचाव, रोकथाम के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायतों को नगरीय क्षेत्र व जिला पंचायतराज अधिकारी को समस्त ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से साफसफाई कराने, नालियों एवं रिक्त स्थानों पर जलभराव की समस्या की स्थिति का समाधान कराने के निर्देश दिए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में झाड़ियों को कटवाते हुए फागिंग कराने एवं एंटी लार्वा का छिड़काव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों विद्यालयों, पंचायत परिसर में मच्छर विकर्षी पौधों लेमन ग्रास, सिट्रोनेला ग्रास, तुलसी आदि को रोपित किया जाये। संचारी रोगों से बचाव के संबंध में पम्पलेट के माध्यम से स्कूली छात्र-छात्राओं एवं ग्राम पंचायतों में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए साथ ही प्रार्थना सभा में भी छात्र-छात्राओं को संचारी रोग के बारे में बताया जाये। जागरूकता संबंधी पम्पलेट को सरकारी भवनों यथा प्राथमिक विद्यालयों, उच्च प्राथमिक विद्यालयों, पंचायत भवनों, सामुदायिक शौचालयों तथा हैल्थ एण्ड वेलनेस केन्द्रों पर चस्पा करने के निर्देश दिए। समस्त विभागों को संचारी एवं दस्तक अभियान के दौरान कृत कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने के निर्देश दिए। आशा, आंगनबाड़ी घर-घर जाकर 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों अथवा क्षय रोग के लक्षण वाले व्यक्ति पाए जाय तो उनके घर के प्रमुख जगह पर स्टीकर लगाएं। चिकित्सा परामर्श दे और बुखार के रोगियों की सूची, आईएलआई (इन्फ्लूएंजा लाईक इलनेस) रोगियों की सूची, क्षय रोग के लक्षणयुक्त रोगियों की सूची, कुष्ठ रोग, फ्लेरिया रोग एवं कालाजार रोग के लक्षणयुक्त रोगियों की सूची बना ले साथ ही नागरिको से संचारी रोगों के नियंत्रण, की जानकारी भी साझा करें। सीडीओ पवन कुमार मीना, उप जिलाधिकारी सदर, बिंदकी, खागा, प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डा. इश्तियाक अहमद, सीएमएस पुरुष, जिला मलेरिया अधिकारी डा. सुजाता ठाकुर, जिला विद्यालय निरीक्षक शिवपूजन द्विवेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब सिंह यादव, नगर पालिका ईओ सदर, खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

गरीबों से लूटा और ईडी में जब्त धन जनता को लौटाने की दिशा में काम कर रहा हूं: मोदी

भाषा। नई दिल्ली, कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में गरीबों से लूटा गया और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कुर्क किया गया धन जनता को वापस मिले। भाजपा के नेताओं ने बताया कि मोदी ने कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा के खिलाफ पार्टी की उम्मीदवार और पूर्ववर्ती राजघराने की सदस्य अमृता रॉय के साथ टेलीफोन पर बातचीत में यह बात कही। भाजपा के एक नेता ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने राजमाता अमृता रॉय से कहा कि भ्रष्टाचारियों ने आम जनता का पैसा लूटा है और ईडी ने उन भ्रष्टाचारियों से जो भी संपत्ति और धन जब्त किया है, उसे गरीब जनता को वापस दिया जाए... यह सुनिश्चित करने के लिए वह कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं। भाजपा नेताओं के अनुसार, मोदी ने कहा कि एक तरफ वर्तमान केंद्र सरकार देश से भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है तो दूसरी तरफ सारे भ्रष्ट एक दूसरे को बचाने के लिए एक साथ आ गए हैं।

प्रधानमंत्री और रॉय के बीच हुई बातचीत का विवरण देते हुए पार्टी के नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री का अनुमान है कि राज्य में नौकरी पाने के लिए रिश्वत के रूप में दी गई राशि करीब 3,000 करोड़ रुपए है। मोदी ने रॉय से कहा कि वह लोगों को इसके बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि सत्ता में वापस आने के तुरंत बाद वह ऐसा रास्ता निकालेंगे ताकि लोगों के पैसे वापस मिलें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जरूरत पड़ने पर कानूनी विकल्प भी तलाशा जाएगा। मोदी ने भ्रष्टाचार के एक मामले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें समर्थन देने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि जिन लोगों ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ शिकायत की थी, उन्होंने अब अपना रुख बदल लिया है। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

उन्होंने कहा, यह दिखाता है कि उनकी प्राथमिकता देश नहीं बल्कि सत्ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा नीत गठबंधन युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए, भ्रष्टाचार मुक्त देश के लिए लड़ रहा है जबकि सभी भ्रष्ट एक दूसरे को बचाने के लिए एक साथ आ गए हैं। रॉय 18वीं सदी के स्थानीय राजा कृष्णचंद्र रॉय के परिवार से हैं।

मोदी ने उन लोगों पर पलटवार भी किया जिन्होंने भाजपा द्वारा उन्हें (रॉय को) उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद कथित तौर पर अंग्रेजों का समर्थन करने के लिए इस राजघराने पर निशाना साधा। रॉय ने मोदी से कहा कि उनके परिवार को देशद्रोही कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृष्णचंद्र रॉय लोगों के लिए काम करते थे और उन्होंने सनातन धर्म को बचाने के लिए अन्य राजाओं से हाथ मिलाया था। इस पर मोदी ने रॉय से कहा कि वह ऐसे आरोपों से कतई परेशान ना हों। उन्होंने कहा कि वे (तृणमूल) वोट बैंक की राजनीति करते हैं और सभी प्रकार के अनर्गल आरोप लगाएंगे। प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि विरोधी दल वाले अपने पापों को छिपाने के लिए ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर वे भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं जबकि दूसरी ओर वे दूसरों को बदनाम करने के लिए दो और तीन शताब्दी पुरानी घटनाओं का हवाला देते हैं।

सामाजिक सुधार के लिए कृष्णचंद्र रॉय द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करने के साथ ही मोदी ने विपक्ष को फटकार लगाई और कहा, यह उनका दोहरा मापदंड है। प्रधानमंत्री ने रॉय की जीत का भरोसा जताया और उनसे कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए पहले 100 दिनों का एजेंडा तैयार रखें। उन्होंने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में जनता परिवर्तन के लिए मतदान करेगी। राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नेताओं का कथित भ्रष्टाचार भाजपा के मुख्य मुद्दों में से एक है। पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी सहित कुछ नेताओं की गिरफ्तारी और बड़ी मात्रा में धन और अन्य संपत्ति की बरामदगी को लेकर भाजपा पिछले कुछ समय से तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमलावर रही है। उन्होंने रॉय से कहा, आपके सामने बंगाल की विरासत को बचाने की चुनौती है।

रॉय ने कहा कि लोगों ने मोदी सरकार के काम में अपना भरोसा जताया है। साथ ही उन्होंने यह दावा भी किया कि क्षेत्र की मौजूदा सांसद महुआ मोइत्रा जेल जाएंगी। इस पर प्रधानमंत्री अपनी हंसी नहीं रोक पाए। मोइत्रा भ्रष्टाचार के एक मामले में जांच का सामना कर रही हैं। उन्होंने कथित तौर पर रिश्वत और अन्य लाभ के बदले एक कारोबारी को संसद की वेबसाइट पर अपनी लॉग-इन की अनुमति दी थी। मोइत्रा ने कारोबारी को अपना दोस्त बताया है और भ्रष्टाचार के आरोपों का खंडन करते हुए इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। बाद में कोलकाता में संवाददाताओं से बात करते हुए रॉय ने प्रधानमंत्री को उनके प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि अब मेरे में एक नया जोश भर गया है। उनके शब्द वास्तव में बहुत उत्साहजनक और प्रेरणादायक थे। मैं इस सीट से भाजपा की जीत सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करूंगी।

तृणमूल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री द्वारा भाजपा की महिला उम्मीदवारों को किए गए फोन कॉल को लोकसभा चुनाव से पहले अच्छी तरह से लिखा गया नाटक करार दिया। तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा, यह लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की ओर से किए गए नाटक के अलावा और कुछ नहीं है। हम मणिपुर की महिलाओं और उत्तर प्रदेश के हाथरस के पीड़ितों के परिवार के सदस्यों के साथ टेलीफोन पर इसी तरह की बातचीत सुनना चाहेंगे। भाजपा ने 2019 में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी। इस बार वह इससे बेहतर प्रदर्शन की कोशिश कर रही है।

मेरठ से भावनात्मक है मेरा रिश्ता : अरुण गोविल

मेरठ (उप्र)। दूरदर्शन पर प्रसारित हुए लोकप्रिय धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले और मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल ने इस शहर के साथ अपने भावनात्मक संबंधों को जाहिर करते हुए बुधवार को कहा कि उनका जन्म मेरठ में हुआ था और उनके जीवन के शुरुआती 17 साल इसी शहर में बीते। गोविल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मैं यहीं (मेरठ में) पैदा हुआ था। मैंने अपना बचपन यहीं बिताया। मेरे जीवन के पहले 17 साल इसी शहर में बीते। मैंने मेरठ में पढ़ाई की। मैं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल का छात्र था। उसके बाद मैंने सरकारी इंटर कॉलेज में दाखिला लिया। इस सवाल पर कि अगर वह मेरठ से लोकसभा चुनाव जीत गए तो क्या यहां की जनता को उनके फिर से दर्शन होंगे, गोविल ने कहा कि यह तो समय ही बताएगा।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा, मैंने अपने जीवन में कभी ऐसा कुछ नहीं किया, जिसके लिए कोई मुझे दोषी ठहरा सके। आज तक मैंने जो भी किया, जो भी करता रहा, वह सेवा का ही एक रूप था। अब यह लोगों की सेवा का ही एक और रूप होगा। राम मंदिर से जुड़े एक सवाल के जवाब में गोविल ने कहा कि रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद आज पूरा देश और दुनिया राममय हो गई है। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इतना काम किया है कि कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। गोविल मंगलवार शाम को मेरठ पहुंचे और स्थानीय पार्टी नेताओं एवं भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय के पदाधिकारियों से मुलाकात की। गोविल पार्टी पदाधिकारियों के साथ औघड़नाथ मंदिर भी गए, जहां उन्होंने भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया। उन्हें देखने के लिए वहां भीड़ उमड़ पड़ी। कई लोग उनके साथ सेल्फी लेते नजर आए। बाद में भाजपा प्रत्याशी ने शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद ने पीलीभीत निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा दाखिल किया

पीलीभीत (उप्र)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने पीलीभीत से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में बुधवार को नामांकन दाखिल किया। पार्टी ने प्रसाद को मौजूदा सांसद वरुण गांधी की जगह पर प्रत्याशी बनाया है। पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी को भाजपा ने टिकट नहीं दिया है, वह आज पीलीभीत में नही थे, और तमाम अटकलों के बावजूद उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। प्रसाद के वकील सरोज कुमार बाजपेई ने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रसाद ने जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष हिंदी भाषा में चार सेटों में नामांकन पत्र जमा किया है। उन्होंने अपनी कुल चल और अचल संपत्ति 15 करोड़ रुपए दिखाई है।

उन्होंने बताया कि उनके नामांकन पत्र में चारों विधानसभाओं के भाजपा विधायकों-संजय गंगवार, बाबूराम पासवान, विवेक वर्मा और स्वामी प्रकाशानंद प्रस्तावक थे। नामांकन के दौरान वरुण गांधी मौजूद नहीं थे और स्थानीय नेता उनकी अनुपस्थिति के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। नामांकन से पहले प्रसाद ने शहर स्थित मां यशवंती देवी के मंदिर में मत्था टेका और उसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नामांकन के बाद मंदिर परिसर में ही चुनावी सभा का आयोजन किया गया।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री प्रसाद ने कहा, मैं मुझको चुनाव मैदान में उतारने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय और राज्य नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। मैं पीलीभीत लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए काम करूंगा। पीलीभीत सीट पर पिछले चार लोकसभा चुनावों से भाजपा का ही कब्जा है। वर्तमान में वरुण गांधी यहां से सांसद हैं। प्रसाद ने 2004 में कांग्रेस के टिकट पर शाहजहांपुर सीट से लोकसभा चुनाव जीता था और 2009 में वह धौरहरा सीट से जीते थे और तत्कालीन कांग्रेस सरकार में राज्य मंत्री बनाए गए थे।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, वरुण गांधी हमारे नेता हैं और पार्टी उनका इस्तेमाल अन्य जगह पर करेगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने मंगलवार को संभल में पत्रकारों से बातचीत में भी कुछ इसी तरह की बात कही। उन्होंने कहा था, वरुण गांधी एक वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी जल्द ही उन्हें कुछ जिम्मेदारियां सौंपेगी। पीलीभीत सीट 1996 से लगातार मेनका गांधी अथवा उनके बेटे वरूण गांधी के पास रही है। इससे पहले मेनका 1989 में भी जनता दल के टिकट पर यहां से जीत दर्ज कर चुकी हैं। इसके बाद 1991 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

मंत्री विक्रमादित्य ने भाजपा सांसद सनी देओल से तुलना कर कंगना पर साधा निशाना

भाषा। शिमला

हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मंडी से उम्मीदवार कंगना रनौत पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उनकी तुलना केंद्र में सत्तारूढ़ दल के एक और सांसद सनी देओल से की, जिनकी संसद और लोकसभा क्षेत्र में अनुपस्थिति को लेकर आलोचना की गई थी। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर दओल की ओर से कथित तौर पर जारी नोटिस साझा किया जिसमें उन्होंने अपने गुरदासपुर निर्वाचन क्षेत्र में होने वाली बैठकों में भाग लेने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त किया था।

लोक निर्माण मंत्री सिंह ने बुधवार को फेसबुक पोस्ट में कहा, मैं भगवान राम से प्रार्थना करता हूं कि मंडी में ऐसी स्थिति पैदा न हो। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से वोट डालने से पहले अच्छी तरह सोचने का आह्वान किया। सिंह की मां प्रतिभा सिंह हिमाचल कांग्रेस प्रमुख और मंडी से वर्तमान सांसद हैं। उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि वह इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। कांग्रेस ने अब तक मंडी से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है।

यह पत्र भाजपा द्वारा रनौत को मंडी सीट से उम्मीदवार घोषित किए जाने के कुछ दिनों बाद बुधवार को फेसबुक पर पोस्ट किया गया। सनी देओल ने कथित तौर पर अपने आधिकारिक नोट पैड पर और संबंधित व्यक्ति को संबोधित करते हुए पत्र लिखा है जिसमें कहा गया है, मैं श्री गुरप्रीत सिंह पलहेरी पुत्र श्री सुपिंदर सिंह निवासी गांव और डाकघर पलहेरी, जिला मोहाली, पंजाब को मेरी ओर से बैठकों में भाग लेने और मेरे संसदीय क्षेत्र, गुरदासपुर से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाने के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करता हूं।

सिंह ने पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं भगवान राम से प्रार्थना करता हूं कि मंडी में ऐसी स्थिति पैदा न हो। उन्होंने कहा कि मंडी के लोगों को अपना उम्मीदवार चुनने से पहले बहुत सोचना होगा। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह के बेटे सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान सवाल किया मानसून आपदा के समय कंगना कहां थीं, जब मंडी के लोगों को उनकी जरूरत थी। प्रतिभा सिंह ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है क्योंकि जमीनी हालात अनुकूल नहीं हैं और कार्यकर्ता निराश हैं। उनके इस बयान ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया था।

कानून की प्रासंगिकता सुनिश्चित करना अदालतों का कर्तव्य है: न्यायमूर्ति बीआर गवई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बी. आर. गवई ने कहा कि यह सुनिश्चित करना अदालतों का कर्तव्य है कि बदलते सामाजिक मानदंडों के बीच कानून प्रासंगिक बना रहे। न्यायमूर्ति गवई ने यह भी कहा कि संविधान भारत में शासन संरचना के उपनिवेशवाद से लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रमाण है। उन्होंने कोलंबिया लॉ स्कूल में अपने संबोधन में कहा कि मतदाताओं को उम्मीदवारों के बारे में जानकारी रखने का अधिकार है। उन्होंने चुनावी बॉण्ड मुद्दे पर शीर्ष अदालत के हालिया फैसले का हवाला दिया। मई 2025 में प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में शामिल न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि चुनावी बॉण्ड पर जानकारी का खुलासा राजनीतिक दलों को चंदे की सूचनात्मक गोपनीयता के आधार पर प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने परिवर्तनकारी संविधानवाद के 75 वर्ष विषय पर अपने संबोधन के दौरान कहा, अदालतें संविधान की सर्वोच्चता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि भारतीय संविधान देश में शासन संरचना के उपनिवेशवाद से लोकतंत्र और महारानी के आदेशै से लोगों की इच्छौ में परिवर्तन का प्रमाण है। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा कि लोकतंत्र और न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत आपस में जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा, ए संविधान की मूल संरचना का मूल हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि शीर्ष अदालत ने लोकतंत्र की सफलता के लिए संविधान के सिद्धांतों और कानूनों के साथ चुनावी प्रक्रिया के अनुपालन की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी, पंकज कुमार, अजय तिर्की ने लोकपाल सदस्य के रूप में शपथ ली

नई दिल्ली। विधि आयोग के पूर्व प्रमुख न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी, पूर्व नौकरशाह- पंकज कुमार और अजय तिर्की- ने बुधवार को लोकपाल सदस्य के रूप में शपथ ली। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि लोकपाल अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर ने इन सदस्यों को दिल्ली स्थित कार्यालय में शपथ दिलाई। कार्मिक मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि नई नियुक्तियां तब हुईं जब दो मौजूदा न्यायिक सदस्यों- न्यायमूर्ति पी के मोहंती और न्यायमूर्ति अभिलाषा कुमारी- और तीन सदस्यों- डी के जैन, अर्चना रामसुंदरम और महेंद्र सिंह ने 26 मार्च को लोकपाल में अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। लोकपाल में न्यायिक सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी ने भारत के 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। इससे पहले वह कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। पंकज कुमार गुजरात कैडर में 1986 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हैं। उन्होंने आखिरी बार गुजरात के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया था। कुमार और अजय टिर्की ने भ्रष्टाचार-विरोधी लोकपाल के सदस्य के रूप में शपथ ली है। टिर्की मध्य प्रदेश कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। लोकपाल सदस्य के रूप में नामित होने से पहले उन्होंने आखिरी बार भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग के सचिव के रूप में कार्य किया था। एक अध्यक्ष के अलावा, लोकपाल में आठ सदस्य हो सकते हैं- चार न्यायिक और इतने ही गैर-न्यायिक।

सीबीआई की संयुक्त निदेशक सुप्रिया पाटिल यादव को केंद्र ने दिया एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में संयुक्त निदेशक के रूप में तैनात भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी सुप्रिया पाटिल यादव को एक साल का सेवा विस्तार दे दिया। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में इसकी जानकारी दी गई है। आदेश में कहा गया है कि यादव महाराष्ट्र कैडर के 2004 बैच की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। इसमें कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सीबीआई के संयुक्त निदेशक के रूप में सुप्रिया के कार्यकाल को 17 अप्रैल 2024 से एक साल के लिए अर्थात 17 अप्रैल 2025 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

मेरे काम और मोदी जी के नाम पर भाजपा को वोट देगा मतदाता: हेमा मालिनी

वृंदावन (उत्तर प्रदेश)। एक दशक राष्ट्रीय राजनीति में बिताने के बावजूद ड्रीमगर्ल हेमा मालिनी खुद को मंझी हुई राजनेता नहीं मानतीं लेकिन उनका कहना है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में मतदाता उनके काम और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर भाजपा को वोट देंगे। मथुरा लोकसभा सीट से दो बार की सांसद हेमा मालिनी ने भाषा को दिए विशेष इंटरव्यू में कहा , मैं मंझी हुई राजनेता नहीं हूं लेकिन सांसद होने के नाते यहां के लिए बहुत कुछ कर सकती हूं। मैं कृष्णभक्त हूं और चुनाव नहीं लड़ती अगर सीट मथुरा नहीं होती। मैं राजनीति में आना नहीं चाहती थी लेकिन कृष्ण ने मुझे सेवा का मौका दिया है।

यह पूछने पर कि मथुरा के मतदाता 26 अप्रैल को चुनाव में हेमा मालिनी को वोट देंगे या नरेन्द्र मोदी के लिए वोट पड़ेंगे, उन्होंने कहा कि यह दोनों का संयोजन होगा। उन्होंने कहा, मोदी जी ने पूरे देश के लिए इतना कुछ किया है जिससे हमें वोट मिलेंगे लेकिन अगर आप पूछ रहे हैं कि मैंने क्या किया है तो मेरा काम खुद बोलता है। प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र जाट सिख हैं और उनकी पत्नी और जाट बहू होने के अलावा रालोद नेता जयंत चौधरी के राजग के साथ आने से जाट बहुल सीट पर हेमा को एक बार फिर फायदा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा 2022 के विधानसभा चुनाव में मथुरा लोकसभा की पांचों विधानसभा सीटों छाता, मांट, गोवर्धन, मथुरा और बलदेव पर भाजपा को मिली जीत भी उनके भीतर अपनी अपनी जीत के प्रति मजबूत भरोसा पैदा करती है।

एक सवाल के जवाब में हेमा ने कहा , लगता है कि चुनाव एकतरफा रहने वाला है लेकिन हमें अधिकतम वोट लेने के लिए मेहनत करनी है। मैं जाट बहू हूं और जाटों से मुझे बहुत प्यार मिला है। इसके अलावा मैं ब्राह्मण भी हूं। एक सवाल के जवाब में उनका कहना था कि सपनों का वृंदावन बनाने का काम अधूरा होने की वजह से वह तीसरी बार मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा , मुझे हमेशा से दुख था कि कृष्ण की जन्मभूमि को सुंदर क्यों नहीं रखा गया है। जब मैं सांसद बनी तो मैंने चीजों को बदलने की कोशिश की लेकिन इतना पर्याप्त नहीं था। महत्वपूर्ण चीज है लोगों की मानसिकता बदलनी चाहिए। जब मैं साफ सफाई पर जोर देती हूं तो लोग मेरी आलोचना करते हैं और बहुत से कहते हैं कि उन्हें स्थानीय सांसद चाहिए क्योंकि उन्हें लगता है कि उन्हें वैसे ही जीते रहना चाहिए जैसा वे पिछले कई दशकों से जीते आ रहे हैं। मैंने पार्टी से कहा कि मेरा काम अभी यहां अधूरा है और मुझे तीसरी बार टिकट दिया गया। मेरे सपनों का वृंदावन बनाने की दिशा में काफी काम बाकी है और उसमें से आधा भी हो गया तो मुझे संतोष रहेगा।

भाजपा ने उम्मीदवारों की पहली सूची में हेमा को मथुरा से प्रत्याशी बनाया था और 75 वर्ष की होने के बावजूद उन्हें टिकट दिया जाना भी पार्टी के अघोषित नियमों में एक अपवाद है। यह पूछने पर कि दो बार सांसद रहने के बाद अब क्या वह बसंती की छवि से बाहर निकल आई हैं तो उन्होंने ना में जवाब दिया। उन्होंने कहा , मैं इस छवि से कभी बाहर नहीं निकलूंगी। यह सदैव मेरे साथ रहेगी। मैंने 200 से अधिक फिल्में की हैं और लोग आज भी मुझे शोले की बसंती या सीता और गीता या बागबान के लिए जानते हैं। मैं श्री इन वन हूं यानी एक अभिनेत्री, शास्त्रीय नृत्यांगना और राजनेता। मैं अभी भी देश विदेश में नृत्य करती हूं और शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पित हूं। फिल्मों में अच्छी भूमिका मिलेगी तो जरूर करूंगी। ए तीनों रोल मेरे ह्रदय के करीब है।

यह पूछने पर कि मौका मिलने पर क्या सरकार में बड़ी भूमिका के लिए वह तैयार हैं, उन्होंने कहा , मैं संतुष्ट प्राणी हूं और किसी चीज की आकांक्षा नहीं रही। लेकिन अगर मुझे कोई और भूमिका भी मिलती है तो मैं तैयार हूं। जो मुझे नहीं आता, वह मैं सीखती हूं और करती हूं। ग्रामीण बहुल सीट पर क्या किसानों के आंदोलन का विपरीत असर उनके वोट बैंक पर पड़ेगा, यह पूछने पर उन्होंने कहा कि मामले को अनावश्यक तूल दिया गया है। उन्होंने कहा , बृजक्षेत्र के किसान कतई नाराज नहीं हैं। उनकी हर समस्या का मैंने समाधान निकालने का प्रयास किया है। यह मसला इतना बड़ा नहीं था जितना बनाया गया है लेकिन मुझे यकीन है कि सरकार इसका हल निकाल लेगी।

चुनाव में राम मंदिर अहम मुद्दा होगा लेकिन कृष्ण जन्मभूमि मसले पर उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा , राम मंदिर भी एक मसला होगा लेकिन मोदी जी के कामों में यही एक नहीं है। उन्होंने अपना वादा पूरा करके रामलला को घर दिया और पूरे देश ने अश्रुपूरित नेत्रों से इसमें भाग लिया। इस तरह का भाव आध्यात्मिक मामले में मैंने देश में कभी नहीं देखा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मामला अदालत के विचाराधीन है तो उस पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा। अगर कृष्ण चाहेंगे तो यह भी हो जाएगा। बतौर सांसद 2014 से 2024 तक वह परिपक्व हुई हैं और उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कार्यकाल में उन्हें चीजों की उतनी समझ नहीं थी।

अगर साजिश का आरोप अधिसूचित अपराध से संबंधित नही है तो पीएमएलए लागू नही किया जा सकता: शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अपने उस फैसले पर पुनर्विचार संबंधी याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने कहा था कि किसी व्यक्ति के खिलाफ कथित आपराधिक साजिश रचने से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-120बी लागू करके धनशोधन निवारण अधि. (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज नहीं किया जा सकता है, यदि कथित आपराधिक साजिश पीएमएलए के तहत अधिसूचित अपराध से संबंधित नहीं है। आईपीसी की धारा 120बी में आपराधिक साजिश के लिए सजा का प्रावधान है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने 29 नवंबर, 2023 के उस फैसले की समीक्षा संबंधी अर्जी खारिज कर दी, जिसमें कहा गया था कि यह जरूरी नहीं है कि जिस व्यक्ति के खिलाफ पीएमएलए की धारा-तीन के तहत अपराध का आरोप है।

पेज 1 का शेष

अरविंद केजरीवाल...

अवसर देकर, ऐसे महत्वपूर्ण प्रश्नों और मुद्दों को संक्षेप में सुना और तय नहीं किया जा सकता है, खासकर जब याचिका की प्रतिलिपि को प्रवर्तन निदेशालय को कल ही उपलब्ध करा दिया गया था और सुनवाई के दौरान ही तर्कों का संक्षिप्त नोट और उनके द्वारा भरोसा किए गए निर्णयों का संकलन न्यायालय के साथ-साथ एएसजी को भी प्रदान किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय को विस्तृत प्रतिक्रिया दाखिल करके इसका खंडन करने का अवसर नहीं देना अनुचित होगा। आदेश में कहा गया है, यह अदालत यह भी नहीं मान सकती कि प्रतिवादी के पास दाखिल करने के लिए कोई जवाब नहीं होगा और वह केवल ट्रायल कोर्ट के समक्ष उठाए गए तर्कों से बंधा रहेगा। चूंकि जांच एजेंसी के कब्जे में याचिकाकर्ता से हिरासत में पूछताछ के दौरान एकत्र की गई कुछ अतिरिक्त सामग्री हो सकती है, जिसे वे इस न्यायालय के समक्ष रखना चाह सकते हैं, जो वर्तमान मामले का फैसला करने के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। ऐसी सामग्री स्वयं याचिकाकर्ता के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकती है। इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय में केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने तर्क दिया कि चुनाव के समय एक मौजूदा मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी संविधान की मूल संरचना के खिलाफ थी। उन्होंने तर्क दिया, गिरफ्तारी का उद्देश्य सामग्री ढूंढना नहीं था बल्कि मुझे और मेरी पार्टी को अक्षम करना था। मेरी प्रार्थना है, मुझे अभी रिहा कर दें। सिंघवी ने यह भी तर्क दिया कि यह देरी करने की एक रणनीति है जो याचिकाकर्ता की रिहाई पर पारित किसी भी आदेश को रोकने या देरी करने के प्रवर्तन निदेशालय के दुर्भावनापूर्ण इरादे को प्रतिबिंबित करती है। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि 'भारी' याचिका उन्हें मंगलवार को ही सौंपी गई थी और अपना रुख रिकॉर्ड पर लाने के लिए समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरिम राहत के लिए भी जवाब देने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए।

भारत ने...

बयान के मुताबिक, भारत की कानूनी प्रक्रियाएं स्वतंत्र न्यायपालिका पर आधारित हैं जो उद्देश्यपूर्ण और समयबद्ध परिणामों के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में यह भी रेखांकित किया गया कि उस पर आक्षेप लगाना अनुचित है। इससे पहले 23 मार्च को भारत ने जर्मनी के मिशन के उप प्रमुख को तलब किया था और केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उसके विदेश मंत्रालय की टिप्पणी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का संज्ञान लिया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने तब कहा था, हम ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के तौर पर देखते हैं। केजरीवाल को धन शोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 28 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में हैं। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति बनाने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से संबंधित है। इस नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था।

दिल्ली सरकार...

आपके पास जीएनसीटीडी अधिनियम है जो बहुत स्पष्ट है कि यदि आप का सदन में बहुमत नहीं हैं तो आप मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। अगर ये शर्तें पूरी होती हैं तो, किन परिस्थितियों में राष्ट्रपति शासन लगाया जाएगा। दिल्ली की मंत्री ने इसे भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की एक राजनीतिक साजिश बताते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का उपयोग करके लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित विपक्षी सरकारों को कमजोर किया जा रहा है। ताकि विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जाए या उन्हें पीएमएलए की कठोर धाराओं के तहत गिरफ्तारी का सामना करना पड़ सकता है। आतिशी ने कहा कि किसी मौजूदा मुख्यमंत्री के हिरासत में रहते हुए उक्त पद पर बने रहने या गिरफ्तारी के दौरान आधिकारिक जिम्मेदारियां निभाने पर कोई स्पष्ट कानूनी रोक नहीं है। दोषी सिद्ध होने तक निर्दोष मानने का सिद्धांत कहता है कि केवल गिरफ्तारी किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने का आधार नहीं हो सकती। अयोग्यता केवल दोषसिद्धि पर ही होती है। आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी को लोकसभा चुनाव में चुनावी फायदा होगा क्योंकि पार्टी को काफी सहानुभूति मिल रही है। आतिशी ने उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया जो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में 'पहले कभी नहीं देखा गया'।

सियासी....

के कांग्रेस में शामिल होने पर अपनी बेचैनी व्यक्त की थी। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर दोनों सहयोगियों के बीच उभरे मतभेदों को सुलझाने के लिए तेजस्वी और कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को बातचीत की। एक हफ्ते की खींचतान के बाद यह बहुप्रतीक्षित बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक के आधिकारिक आवास पर हुई। वासनिक अपनी पार्टी की गठबंधन समिति के संयोजक हैं। बिहार कांग्रेस प्रमुख अखिलेश प्रसाद सिंह और एआईसीसी प्रभारी मोहन प्रकाश भी मौजूद थे। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में बागी और बाद में निलंबित विधायकों के भाजपा में शामिल होने और अब सभी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार होने के एक दिन बाद, कर्नाटक में पांच कांग्रेस विधायकों ने पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री केएच मुनियप्पा के दामाद चिक्का पेद्दन्ना के इस्तीफे की धमकी दी। आगामी लोकसभा चुनाव में कोलार से चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया गया, जिससे संगठन में विभाजन खुलकर सामने आ गया।

बेरोजगार....

आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती।' खड़गे ने युवा न्याय के तहत कांग्रेस की गारंटी गिनाई, जैसे केंद्र सरकार के करीब 30 लाख खाली पदों को भरना। उन्होंने डिग्री/डिप्लोमा धारकों के लिए प्रशिक्षुता के अधिकार कानून पर भी प्रकाश डाला, जो उन्हें प्रति वर्ष 1 लाख रुपये की सहायता के साथ प्रशिक्षुता की गारंटी देगा। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने भी नागेश्वरन की उस कथित टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार सभी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती। पूर्व वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी के पास बेरोजगारी से निपटने के लिए एक ठोस योजना है जिसका खुलासा उसके घोषणापत्र में किया जाएगा। नागेश्वरन ने कथित तौर पर मंगलवार को जोर देकर कहा कि यह सोचना गलत है कि सरकारी हस्तक्षेप हर सामाजिक और आर्थिक चुनौती को हल कर सकता है, उन्होंने तर्क दिया कि जब बेरोजगारी जैसी समस्याओं की बात आती है तो समाधान की तुलना में निदान आसान होता है। एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने कहा, 'सबसे चौंकाने वाला कबूलनामा मुख्य आर्थिक सलाहकार द्वारा किया गया है।' उन्होंने कहा, अगर यह भाजपा सरकार का आधिकारिक रुख है, तो हमें साहसपूर्वक भाजपा से कहना चाहिए कि 'अपनी सीट खाली करें।'

मोदी के...

के लिए खुले मैदानों पर निर्भर रहना पड़ता था और जो हमेशा सांप, बिच्छू और गुंडों के खतरे में रहती थीं, उन्हें शौचालय निर्माण के राष्ट्रीय मिशन के कारण काफी राहत मिली है। यूपी के एक गांव जैतपुरा की कलावती और रमा दीदी जिनका भोजन पकाने के लिए जंगल से लकड़ियां लाने के लिए मीलों पैदल चलने का दुखद अनुभव सचमुच पाठकों को रुला देता है। उज्ज्वला योजना के 10 करोड़ लाभार्थियों में से एक कलावती कहती हैं, लकड़ियां जलाकर दिन में तीन बार भोजन पकाना 300 से अधिक सिगरेट पीने के बराबर था। कलावती ने उन्हें एलपीजी स्टोव और सिलेंडर लेने में मदद की। यह केवल दो या तीन योजनाएं हैं जिनका पिछले दशक में फल मिला है। और भी बहुत कुछ है. भारतीय समाज के प्रत्येक वर्ग, ग्रामीण, शहरी, मेट्रो निवासियों, युवाओं, सभी उम्र की महिलाओं और छात्रों को फुलप्रूफ कार्यक्रमों से लाभ हुआ है। भारत बदल गया है और बेहतरी के लिए बदल गया है। दिलचस्प बात यह है कि चुनौती देने वाले केवल एक ही एजेंडे से बंधे हैं- सरकार को हराना है। इसके लिए वे हर तरह के खेल का सहारा लेते हैं। पिछले दिनों एक सियासी दल के एक राष्ट्रीय प्रवक्ता ने चुनाव लड़ रही एक सम्मानित फिल्मी हस्ती को अपमानित किया। चुनौती देने वालों के सामने एकमात्र विकल्प मतदाताओं को 101 कारण बताना है कि उन्हें क्यों वोट देना चाहिए।

चुनावी बॉन्ड को सभी दलों ने भुनाया, इस बारे में बोलने का किसी राजनीतिक दल को नैतिक अधिकार नहीं: वित्त मंत्री

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनावी बॉन्ड भुनाए हैं। इस मामले में किसी को कुछ भी कहने का नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि यह सब वैध और कानून के मुताबिक था। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी बॉन्ड के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के फैसले के मद्देनजर, चुनावों के वित्तपोषण के लिए बेहतर प्रणाली लाने को लेकर और अधिक चर्चा की जरूरत है। सीतारमण ने यहां समाचार चैनल टाइम्स नाऊके सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि कानून को शीर्ष अदालत ने अब खारिज कर दिया है। लेकिन इसे संसद में पारित किया गया था और बॉन्ड उस समय के कानून के अनुसार खरीदे गए थे।

उन्होंने कहा, इसे संसद द्वारा पारित किया गया था और कानून के आधार पर, बॉन्ड सभी दलों ने खरीदे और भुनाए। हर किसी ने सभी से चंदा प्राप्त किया है, चंदा देने वालों ने हर दल को चंदा दिया। सीतारमण ने कहा, जो दल अब कह रहे हैं कि ए घोटाला है, उन्होंने भी बॉन्ड के जरिए पैसे लिए थे। आखिर किसी को बोलने का क्या नैतिक अधिकार है क्योंकि यह तब कानून के अनुसार था... यह सब वैध तरीके से हुआ। यह पहले की तुलना में एक बेहतर कदम था।

यह पूछे जाने पर कि इस संबंध में नई सरकार क्या कर सकती है, उन्होंने कहा कि यह समझने की जरूरत है कि व्यवस्था को कैसे बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा, चुनावी बॉन्ड प्रणाली अब भी पिछली व्यवस्था से बेहतर थी। हम अब पुरानी स्थिति में हैं। हमें इस संदर्भ में बहुत कुछ करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि चुनावी बॉन्ड योजना संविधान के तहत सूचना के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है। वित्त मंत्री ने ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के छापे और बॉन्ड खरीद के बीच संबंध के आरोपों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि छापे उन कंपनियों पर भी हुए हैं जिन्होंने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भाजपा को चंदा नहीं दिया था।

उन्होंने कहा, ईडी की छापेमारी अब भी होती है, इससे उन्हें (कंपनियों को) कोई छूट नहीं मिल जाती। मंत्री ने कहा कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां किसी राजनीतिक एजेंडे के साथ काम नहीं कर रही हैं। कानून उन लोगों का पीछा करता है जो इसका उल्लंघन करते हैं। यह पूछे जाने पर कि भाजपा दागी नेताओं का स्वागत क्यों कर रही है, उन्होंने कहा कि दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। सीतारमण ने कहा, अगर लोग देखते हैं कि काम हो रहा है... और कोई पार्टी बदलाव ला रही है, तो वे स्पष्ट रूप से आना और शामिल होना चाहेंगे....भारतीय जनता पार्टी मूल्यों पर आधारित पार्टी है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ गलत है। वित्त मंत्री सीतारमण ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि दिल्ली के सीएम की गिरफ्तारी राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ईडी के भेजे कई समन का पालन नहीं किया है।

मेरे पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक धन नहीं- निर्मला सीतारमण

भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ने संबंधी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जरूरी उस तरह का धन नहीं है। उन्होने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने उन्हे आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया था। भाजपा नेता सीतारमण ने यहां टाइम्स नाउ समिट 2024 में कहा, एक हफ्ते या दस दिन तक सोचने के बाद, मैने जवाब दिया... नही। मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए उस तरह का धन नही है। मुझे यह भी समस्या है कि आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु। जीतने लायक विभिन्न मानदंडो का भी सवाल है... आप इस समुदाय से है या आप उस धर्म से है? मैने नही कहा, मुझे नही लगता कि मै ऐसा करने मे सक्षम हूं।

सिविल सेवा परीक्षा के लिए 5 से 8 साल की तैयारी युवा ऊर्जा की बर्बादी: सान्याल

प्रशासक बनना हो तभी करें सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी

20 से 30 साल की उम्र का बड़ा हिस्सा इसमें लगाना ठीक नहीं

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा है कि लाखों छात्र सिविल सेवा परीक्षा के लिए पांच से आठ साल साल की तैयारी करते हैं, यह वास्तव में युवा ऊर्जा की बर्बादी है। सान्याल ने कहा कि अगर कोई प्रशासक बनना चाहता है तो उसे ही यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) या ऐसी अन्य परीक्षाओं के लिए प्रयास करने चाहिए।

उन्होंने कहा, यूपीएससी या ऐसी अन्य परीक्षाओं का प्रयास करना बिल्कुल ठीक है, लेकिन केवल तभी जब व्यक्ति प्रशासक बनना चाहता हो। सान्याल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है, समस्या यह है कि लाखों युवा इस परीक्षा को पास करने के लिए पांच से आठ साल लगा रहे हैं। इसे उन्होंने जीवन का ढर्रा बना लिया। यह वास्तव में युवा ऊर्जा की बर्बादी है। उन्होंने लिखा है कि यह आश्चर्य की बात हो सकती है, लेकिन उनकी इस राय से ज्यादातर नौकरशाह सहमत हैं। उनकी भी सोच यही है। ए वे लोग हैं जिन्होंने किसी समय परीक्षा पास की थी। सान्याल ने कहा, उन लोगों के लिए एक या दो प्रयास ठीक हैं जो वास्तव में प्रशासक बनना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए अपने 20 से 30 साल की उम्र का बड़ा हिस्सा लगाना सही नहीं है। यह नुकसानदायक है।

अर्थशास्त्री ने कहा कि एक पूरा उद्योग वास्तव में कोटा जैसे पूरा शहर एक परीक्षा की तैयारी से जुड़ा है। जबकि इसमें से एक प्रतिशत से भी कम आवेदक सफल होंगे। उन्होंने कहा, और यह हर साल हो रहा है। कल्पना कीजिए कि इस बड़े प्रयास को दूसरे क्षेत्रों में लगाया जाए तो क्या परिणाम होंगे।

यूपीएससी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों का चयन करने के लिए हर साल तीन चरणों में सिविल सेवा परीक्षा... प्रारंभिक, मुख्य और व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) आयोजित करता है।

मुख्यमंत्री सैनी करनाल से लड़ेंगे विधानसभा उपचुनाव

भाषा। नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार होंगे। भाजपा ने एक सूची जारी कर उनके नाम की घोषणा की। पिछले दिनों एक आश्चर्यजनक कदम में, भाजपा ने लोकसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले मनोहर लाल खट्टर की जगह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था। सैनी ने 12 मार्च को हरियाणा के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उसी दिन सैनी के साथ चार भाजपा विधायकों और एक निर्दलीय विधायक ने भी नई मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा ने खट्टर को करनाल से लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित किया था। वह हरियाणा विधानसभा में करनाल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी वजह से इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव की जरूरत पड़ी। मुख्यमंत्री बने रहने के लिए सैनी का छह महीने के भीतर विधानसभा का सदस्य बनना अनिवार्य है। वह वर्तमान में कुरुक्षेत्र के सांसद हैं। भाजपा ने पिछले दिनों पार्टी में शामिल हुए पूर्व कांग्रेस सांसद नवीन जिंदल को लोकसभा चुनाव के लिए कुरुक्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किया है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो दुश्मन की सीमा से परे जाकर हवाई शक्ति दिखाई जा सकती है: वायु सेना प्रमुख

बालाकोट जैसे अभियानों से साबित होती है राजनीतिक इच्छा शक्ति

भाषा। नई दिल्ली

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने बुधवार को कहा कि बालाकोट जैसे अभियानों ने साफ कर दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो दुश्मन की सीमा से परे जाकर हवाई ताकत दिखाई जा सकती है। भविष्य के संघर्षों में हवाई शक्ति विषय पर एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने कहा कि जैसे-जैसे देश तेजी से अंतरिक्ष-आधारित संसाधनों पर निर्भर हो रहे हैं, अंतरिक्ष का सैन्यीकरण और शस्त्रीकरण अपरिहार्य वास्तविकता बन गया है।उन्होंने कहा, मानव इतिहास में, आकाश को अक्सर आश्चर्य और अन्वेषण का क्षेत्र माना गया है, जहां सपने उड़ान भरते हैं और सीमाएं विशाल नीले विस्तार में विलीन हो जाती हैं।

वायु सेना प्रमुख ने कहा, फिर भी, इस शांति के नीचे प्रतिस्पर्धा से भरा एक क्षेत्र है जहां हवाई श्रेष्ठता के लिए प्रतिस्पर्धा ने कई देशों की नियति को आकार दिया है और कई युद्धों के नतीजे तय किए हैं। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हम इन अज्ञात आसमानों में यात्रा कर रहे हैं, वायु शक्ति राष्ट्रीय शक्ति का एक प्रमुख घटक होने के नाते निस्संदेह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और राष्ट्रीय शक्ति के प्रतीक, शांति और सहयोग के लिए एक उपकरण के रूप में भी काम करेगी।

वायु सेना प्रमुख ने कहा, हम सभी को मानना होगा कि भविष्य की जंग अलग-अलग तरीके से लड़ी जाएंगी। उन्होंने कहा कि भविष्य के संघर्ष गतिज और गैर-गतिशील बलों के एक साथ अनुप्रयोग, उच्च स्तर की युद्ध स्थल पारदर्शिता, बहुआयामी परिचालन, उच्च स्तर की सटीकता, अधिक घातकता आदि के मिले-जुले रूप पर आधारित होंगे और निश्चित रूप से इन सभी पर गहन मीडिया निगरानी रहेगी।

वायु सेना प्रमुख ने कहा, बालाकोट जैसे अभियानों से साफ हो जाता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो हवाई शक्ति का उपयोग दुश्मन की सीमा से परे, बिना युद्ध और बिना शांति के परिदृश्य में, परमाणु खतरे की स्थिति में, पूरी तरह संघर्ष की स्थिति में बढ़े बिना किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सैन्य अभियानों के लिए अंतरिक्ष एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के तौर पर उभरा है जहां निर्बाध संचार, मार्ग निर्देशन और निगरानी क्षमताएं आधुनिक सैन्य बलों की बने रहने की क्षमता को बढ़ाएंगी। वायु सेना ने 14 फरवरी को हुए पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में 26 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी प्रशिक्षण शिविर पर हमला बोला था। पाकिस्तान की वायु सेना ने अगले दिन ही जवाबी कार्वाई कर जम्मू कश्मीर में अनेक सैन्य प्रतिष्ठानों पर निशाना साधा था लेकिन वे असफल रहे थे।

बीजापुर में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में छह नक्सली मार गिराये गये

भाषा। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो महिला नक्सलियों समेत छह नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने इस घटना में माओवादियों के प्लाटून नंबर 10 के डिप्टी कमांडर पुनेम नागेश भी मार गिराया है। नागेश के खिलाफ सुरक्षा बलों पर कई घातक हमलों में शामिल होने का आरोप है।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि बासागुड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिपुरभट्टी गांव के करीब तालपेरू नदी के किनारे जंगलों में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो महिला नक्सली समेत छह नक्सलियों को मार गिराया है।

सुंदरराज ने बताया कि अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) के जवान शामिल थे। उन्होंने बताया कि दल आज सुबह आठ बजे जब क्षेत्र के चिपुरभट्टी गांव के करीब तालपेरू नदी के किनारे पहुंचा तब नक्सलियों के प्लाटून नंबर 10 के नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि लगभग एक घंटे तक गोलीबारी होने के बाद जब सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां से दो महिला नक्सलियों समेत छह नक्सलियों के शव तथा भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि माओवादियों के प्लाटून नंबर नौ एवं 10 के नक्सली सोमवार को होली उत्सव के दौरान बासागुड़ा के पास तीन नागरिकों की हत्या में शामिल थे।

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से माओवादियों के शवों के साथ ही एक कार्बाइन गन, फैक्ट्री निर्मित नौ एमएम पिस्टल, एक देशी नौ एमएम पिस्टल, एक 12 बोर बंदूक, एक भरमार बंदूक, सेल्फ लोडिंग राइफल के 10 जिंदा कारतूस, दो टिफिन बम, जिलेटिन की छड़ें, कार्डेक्स वायर, बिजली के तार, माओवादियों के बैग, दवाइयां और दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया गया। सुंदरराज ने बताया, इस घटना के साथ, पिछले साल दिसंबर से बस्तर क्षेत्र में अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 37 नक्सली मारे गए हैं।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान पुनेम नागेश, उसकी पत्नी वेट्टी सोनी (30), आयतु पुनेम (28), सुक्का ओयम (40), नुप्पो मोका (30) और कोवासी गंगी (27) के रूप में की गई है।

कुमार ने बताया कि नागेश माओवादियों के पीएलजीए प्लाटून नंबर 10 के डिप्टी कमांडर के रूप में सक्रिय था। पुनेम नागेश और उनकी पत्नी सोनी एक ही समूह के सदस्य थे और उनके सिर पर क्रमश: पांच लाख रुपए और दो लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि गंगी माओवादियों की एरिया कमेटी की सदस्य थी और उसके सिर पर पांच लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओयम को स्मॉल एक्शन टीम कमांडर और मोका को मिलिशिया सेक्शन कमांडर के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने बताया कि पुनेम आयतु पीएलजीए प्लाटून नंबर के सदस्य के रूप में सक्रिय था तथा उसके सिर पर दो लाख रुपए का इनाम भी था।

यादव ने बताया कि मारे गए नक्सली तीन अप्रैल, 2021 को टेकलगुड़ियाम (बीजापुर में) सहित कई नक्सली घटनाओं में शामिल थे। टेलकमगुड़ियाम घटना में 22 जवान मारे गए थे और 35 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में कई अन्य नक्सलियों के घायल होने की खबर है और इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। नक्सली गर्मियों के दौरान मार्च और जून के बीच टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन (टीसीओसी) चलाते हैं और अपनी आक्रामक गतिविधियां तेज कर देते हैं। टीसीओसी के दौरान बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर बड़ी संख्या में हमले हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक बुधवार की मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान हुआ है। इस घटना में उनके प्रमुख सदस्य मारे गए हैं। राज्य में तीन चरणों में होने वाले आम चुनाव के पहले चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान होगा।

चुनाव आयोग ने आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए दिलीप घोष, सुप्रिया श्रीनेत को कारण बताओ नोटिस जारी किया

भाषा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत को कारण बताओ नोटिस जारी किया। रनौत को भाजपा ने आम चुनाव के लिए हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है।

निर्वाचन आयोग ने घोष और श्रीनेत की टिप्पणियों को अशोभनीय और गलत बताया। आयोग ने कहा कि प्रथम दृष्टया, दोनों टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) और चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों को गरिमा बनाए रखने की सलाह का उल्लंघन हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। घोष और श्रीनेत को 29 मार्च की शाम तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने को कहा गया है।

निर्वाचन आयोग ने भाजपा की एक शिकायत के बाद श्रीनेत के खिलाफ कार्वाई की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अशोभनीय टिप्पणियों के साथ रनौत की एक तस्वीर पोस्ट की थी। निर्वाचन आयोग के नोटिस के अनुसार सुप्रिया ने पोस्ट किया था, मंडी में क्या भाव चल रहा है, कोई बताएगा? पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता घोष को नोटिस तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा आयोग का रुख करने के बाद जारी किया गया।

आयोग के नोटिस के मुताबिक घोष ने कहा था, जब दीदी गोवा जाती हैं, तो वह गोवा की बेटी बन जाती हैं, त्रिपुरा में वह कहती हैं कि मैं त्रिपुरा की बेटी हूं, तय करें कि आपके पिता कौन हैं। स्पष्ट करें। आयोग ने कहा कि सावधानीपूर्वक जांच करने पर टिप्पणी अशोभनीय, अपमानजनक और प्रथमदृष्टया एमसीसी के प्रावधानों और इस महीने की शुरुआत में जारी आयोग की सलाह का उल्लंघन करने वाली पाई गई है। आयोग ने दोनों नेताओं को एमसीसी के प्रावधान की याद दिलाई जिसमें कहा गया है कि अन्य राजनीतिक दलों की आलोचना उनकी नीतियों और कार्यक्रम, पिछले रिकॉर्ड और काम तक ही सीमित रहेगी।

आयोग ने कहा, पार्टियों और उम्मीदवारों को निजी जीवन के उन सभी पहलुओं की आलोचना से बचना चाहिए, जो अन्य पार्टियों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़े नहीं हैं। अपुष्ट आरोपों या तोड़ मरोड़कर दिए गए बयानों के आधार पर अन्य पार्टियों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना से परहेज करना चाहिए। राजनीतिक विमर्श के गिरते स्तर के संबंध में राजनीतिक दलों को जारी आयोग की सलाह में कहा गया कि अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के निजी जीवन के किसी भी पहलू, जो सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़ा न हो, की आलोचना नहीं की जानी चाहिए। आयोग की सलाह में कहा गया, प्रतिद्वंद्वियों का अपमान करने के लिए निचले स्तर के निजी हमले नहीं किए जाने चाहिए। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को ऐसे किसी भी कार्य, कार्वाई, बयान देने से बचना चाहिए जिसे महिलाओं के सम्मान और प्रतिष्ठा के प्रतिकूल माना जा सकता है। आयोग की सलाह में यह भी कहा गया था कि सोशल मीडिया पर प्रतिद्वंद्वियों की निंदा और अपमान करने वाली पोस्ट साझा नहीं की जानी चाहिए।

नोएडा का सीए 168 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी के माध्यम से धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने 168 करोड़ रुपए की फर्जी ई-बैंक गारंटी के जरिए 11 निजी कंपनियों से धोखाधड़ी करने के आरोप में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि नोएडा निवासी आशीष रॉय उर्फ आशीष सक्सेना (45) को कुवैत से लौटने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया।

आशीष के खिलाफ बेंगलुरु पुलिस ने फरवरी में लुकआउट नोटिस भी जारी किया था। पुलिस के मुताबिक, यह मामला तब सामने आया जब इन कंपनियों द्वारा जमा की गई ई-बैंक गारंटी फर्जी पाए जाने के बाद नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड के एक अधिकारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने पेशेवर संबंधों का इस्तेमाल कर ई-बैंक गारंटी प्रमाणपत्र मुहैया करने के बहाने इन निजी कंपनियों के चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा वित्तीय सलाहकारों से संपर्क किया और कमीशन के रूप में पांच करोड़ रुपए प्राप्त किए।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह अपने सहयोगी की मदद से कथित तौर पर कुवैत से काम कर रहा था। उसके सहयोगी का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि 11 निजी कंपनियों में से नौ बेंगलुरु से बाहर की हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के कब्जे से दो लैपटॉप, छह मोबाइल फोन और विभिन्न बैंक खातों की 10 चेक बुक बरामद की गई हैं।

जिस देश का आम आदमी महान होता है वह राष्ट्र महान होता है: मोहन भागवत

भाषा। मुंबई

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि जिस देश का आम आदमी महान होता है, वह राष्ट्र महान होता है और प्रत्एक व्यक्ति सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भागवत ने मुंबई के विले पार्ले इलाके में लोकमान्य सेवा संघ के एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, जिस देश का आम आदमी महान होता है वह राष्ट्र महान होता है। इसलिए सामाजिक स्तर पर सुधार की जरूरत है। किसी राष्ट्र का उत्थान और पतन समाज की सोच और मूल्यों से जुड़ा होता है। भागवत ने कहा कि 1925 में आरएसएस की स्थापना करने वाले केशव हेडगेवार अपने प्रारंभिक सामाजिक जीवन में स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बालगंगाधर तिलक से प्रेरित रहे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल का उदाहरण देते हुए, भागवत ने कहा कि वह जर्मनी के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए लगभग तैयार थे।

लेकिन उन्होंने लोगों की बात सुनी और महसूस किया कि वो रसोई में इस्तेमाल होने वाले चाकू से भी (दुश्मनों का) मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। भागवत ने कहा, उन्होंने (चर्चिल ने) अपना सबसे प्रसिद्ध भाषण (ब्रिटेन की) संसद में दिया, जिससे (जनता का) मनोबल बढ़ा और बाद में इंग्लैंड ने युद्ध जीत लिया। उन्होंने इसका श्रेय इंग्लैंड के लोगों को दिया...।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि प्रत्एक व्यक्ति सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने चिंता जताई कि अत्यधिक भौतिकवादी जीवनशैली ने समाज पर कब्जा कर लिया है और यह पारिवारिक बंधनों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा, देश में कई वर्षों से चरम भौतिकवादी विचार हावी रहे हैं। परिवार एकल हो गए हैं, और अहंकार पर नियंत्रण के लिए कोई नहीं है। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि उच्च शिक्षा व आय वाले परिवार विघटित हैं। कम आय वालों के बीच ऐसा दृश्य देखने को नहीं मिलता। हमारे समाज और हमारे परिवारों को बेहतर जुड़ाव की जरूरत है। भागवत ने अफसोस जताया कि नई पीढ़ी शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप से परिचित नहीं है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट मादक पदार्थ जब्ती मामले में दोषी करार

पालनपुर। गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर शहर की एक सत्र अदालत ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी संजीव भट्ट को 1996 के मादक पदार्थ जब्ती मामले में बुधवार को दोषी करार दिया।इस मामले में अदालत द्वारा बृहस्पतिवार दोपहर को सजा सुनाने की संभावना है। आपराधिक मामले में भट्ट की यह दूसरी दोषसिद्धि है। उन्हें 2019 में जामनगर अदालत द्वारा हिरासत में मौत के मामले में दोषी पाया गया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जे एन ठक्कर ने भट्ट को राजस्थान के एक वकील को झूठा फंसाने का दोषी ठहराया।

भट्ट को 2015 में भारतीय पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। उस समय वह बनासकांठा जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थे।जिला पुलिस ने राजस्थान के वकील सुमेरसिंह राजपुरोहित को 1996 में स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। जिला पुलिस ने यह दावा किया था कि उसने पालनपुर के एक होटल के उस कमरे से मादक पदार्थ जब्त किया था जहां वकील राजपुरोहित रह रहे थे।

राजस्थान पुलिस ने हालांकि बाद में कहा कि राजपुरोहित को बनासकांठा पुलिस ने राजस्थान के पाली में स्थित एक विवादित संपत्ति को स्थानांतरित करने के वास्ते दबाव बनाने के लिए झूठा फंसाया था। पूर्व पुलिस निरीक्षक आई बी व्यास ने मामले की गहन जांच का अनुरोध करते हुए 1999 में गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया था। भट्ट को राज्य के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने सितंबर 2018 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया था और तब से वह पालनपुर उप-जेल में हैं। पिछले साल, पूर्व आईपीएस अधिकारी ने 28 साल पुराने मादक पदार्थ मामले में पक्षपात का आरोप लगाते हुए मुकदमे को किसी अन्य सत्र अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

नवनीत राणा अमरावती से भाजपा के उम्मीदवार बने

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दो उम्मीदवारों की सातवीं सूची जारी कर दी। पार्टी ने महाराष्ट्र की अमरावती सीट से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को जबकि कर्नाटक के चित्रदुर्ग से वर्तमान सांसद ए नारायणस्वामी के स्थान पर पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल को टिकट दिया है। राणा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में अमरावती से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार जीत दर्ज की थी। उन्होंने इस चुनाव में शिवसेना (अविभाजित) के नेता अनंतराव अडसुल को पराजित किया था। अडसुल फिलहाल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में हैं। कर्नाटक के चित्रदुर्ग से भाजपा ने वर्तमान सांसद नारायणस्वामी का टिकट काट दिया है और उनके स्थान पर पूर्व उपमुख्यमंत्री करजोल पर भरोसा जताया है। इसके साथ ही भाजपा ने आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 10 उम्मीदवारों की सूची जारी की है।

उपराष्ट्रपति ने किया आर्थिक राष्ट्रवाद का आह्वान

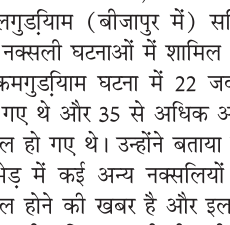

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को आर्थिक राष्ट्रवाद का आह्वान करते हुए कहा कि विदेशी सामान आयात करके जल्द पैसा बनाने का प्रलोभन लाखों भारतीय विनिर्माताओं से रोजगार के अवसर छीन सकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि महिलाओं को सशक्त करना आज का निवेश और दुनिया का भविष्य है। महिलाओं को अपना हक खुद लेना होगा और बहुत आगे तक जाना होगा। यहां फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन (एफएलओ) को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि समान अवसरों को बढ़ावा देकर, बाधाओं को तोड़कर और महिलाओं की आवाज और उपलब्धियों को बढ़ाकर हम एक ऐसा समाज बनाते हैं जो न केवल निष्पक्ष और न्यायसंगत है, बल्कि समृद्ध और टिकाऊ भी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद भी राष्ट्रवाद जितना ही जरूरी है क्योंकि इससे देश को विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी को भी उन्हीं वस्तुओं का आयात करके देश की कीमत पर जल्दी पैसा कमाने के प्रलोभन में नहीं आना चाहिए, जिनका निर्माण भारत में किया जा रहा है। उनका मानना है कि ऐसी वस्तुओं के आयात से लाखों स्थानीय विनिर्माताओं का रोजगार छीना जा रहा है।

जयशंकर की मलेशिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों को सराहा

भाषा। कुआलालंपुर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यहां मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात की और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के लिए उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारत-मलेशिया के रिश्तों के और अधिक महत्वाकांक्षी एजेंडा को तैयार करने में मदद मिलेगी।

जयशंकर सिंगापुर, फिलीपीन और मलेशिया के अपने तीन राष्ट्रों के दौरे के अंतिम और तृतीय चरण में कुआलालंपुर में हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के लिए मलेशिया के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, पारंपरिक और नव युगीन, दोनों क्षेत्रों में मजबूत भारत-मलेशिया संबंधों के लिए उनका दृष्टिकोण, हमें रिश्ते के लिए एक अधिक महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा, क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर उनके मार्गदर्शन और ज्ञान से लाभान्वित हुआ। इससे पहले जयशंकर ने अपने मलेशियाई समकक्ष मोहम्मद बिन हाजी हसन से मुलाकात की।

मलेशिया के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि जयशंकर ने यहां मलेशिया के विदेश मंत्री हसन से मुलाकात की और उनके बीच उपयोगी तथा स्पष्ट चर्चा हुई, जिसमें मलेशिया-भारत द्विपक्षीय मामलों के बहुमुखी आयामों के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान शामिल था।

जयशंकर ने एक्स पर इस संबंध में लिखा, राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, डिजिटल, स्टार्ट-अप, वाणिज्यिक दूतावास संबंधी, जनता के बीच संबंधों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। क्षेत्र, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया और यूक्रेन पर विचार साझा किए।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देश संवर्धित रणनीतिक साझेदारी का एक दशक पूरा करने के करीब हैं और ऐसे में वह संबंधों को और मजबूत करने को लेकर आशान्वित हैं।

दोनों मंत्रियों ने उच्च स्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य तिथि पर मलेशिया और भारत की 7वें संयुक्त आयोग की बैठक बुलाने पर भी चर्चा की। बयान के अनुसार, हसन ने दिसंबर 2023 में पदभार संभाला था और तब से जयशंकर और उनकी यह पहली मुलाकात है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर देश के डिजिटल मंत्री गोबिंद सिंह देव से भी मुलाकात कर सकते हैं।

बयान के अनुसार जयशंकर की यात्रा का उद्देश्य भारत और मलेशिया के बीच सहयोग बढ़ाना तथा साझा चुनौतियों एवं अवसरों की समझ का विस्तार करना है।

बाल्टीमोर में पुल ढहा, भारतीय दूतावास ने दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना पर शोक जताया

भाषा। न्यूयॉर्क

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने मैरीलैंड राज्य के बाल्टीमोर में एक मालवाहक जहाज के एक प्रमुख पुल से टकराने और इसके चलते पुल के नदी में गिरने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना बताया है। पोत का प्रबंधन 22 सदस्ईय भारतीय चालक दल कर रहा था।

इस घटना से पूर्वोत्तर अमेरिका में सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में से एक पर कामकाज ठप हो गया। घटना में छह लोगों के मारे जाने की आशंका है।

यह पोत सोमवार देर रात 2.6 किलोमीटर लंबे फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के एक खंभे से जब टकराया। तब पुल से कई गाड़ियां गुज़र रही थीं। कंटेनर के टकराने के बाद पुल टूट कर नदी में गिर गया।

इस दौरान जहाज में आग लग गई और उसमें से काला धुआं निकलने लगा। किसी ने इस घटना का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि सिंगापुर का झंडा लगे पोत डली में बिजली संबंधी समस्या थी और इसके पुल से टकराने से कुछ क्षण पहले परेशानी में होने का संदेश भेजा गया था।

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना।

उसने कहा कि दूतावास ने उन भारतीय नागरिकों के लिए एक समर्पित हॉटलाइन बनाई है जो इस घटना के कारण प्रभावित हुए हो सकते हैं या उन्हें सहायता की आवश्यकता है। दूतावास जहाज के चालक दल के संबंध में विवरण का पता लगा रहा है।

मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर ने भी संवाददाताओं से कहा कि मालवाहक जहाज के चालक दल ने पोत के पुल से टकराने से पहले अधिकारियों को ˆबिजली संबंधी समस्यौ के बारे में सचेत किया था जिससे पुल पर यातायात को सीमित किया जा सका।

मूर ने कहा, ˆए लोग नायक हैं। उन्होंने कल रात लोगों की जान बचाईौ पोत का प्रबंधन करने वाली सिनर्जी मरीन ग्रुप ने एक बयान में कहा कि डली पोत पर चालक दल के 22 सदस्य थे और सभी भारतीय थे।

बयान में कहा गया है कि दो पायलट समेत चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है। बयान में यह भी कहा गया है कि घटना की वजह से कोई प्रदूषण नहीं फैला है।

समूह ने बयान में कहा कि जहाज सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग ।:30 बजे बाल्टीमोर के फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के एक खंभे से टकरा गया। पोत जब पुल से टकराया उस वक्त उस पर निर्माण दल के श्रमिक गड्ढे भरने का काम कर रहे थे। बचाव कर्मियों ने नदी में से दो लोगों को निकाला है और छह कर्मी अब भी लापता हैं।

इन लापता श्रमिकों में ग्वाटेमाला, होंडुरास और मैक्सिको के नागरिक शामिल हैं। पूरे दिन खोज और बचाव अभियान के बाद, अमेरिकी तट रक्षक के रियर एडमिरल शैनन गिलरेथ कहा कि बल अभियान को निलंबित कर रहा है क्योंकि शेष श्रमिकों के जीवित पाए जाने की संभावना नहीं है।

तटरक्षक बल ने स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम 7:30 बजे अपना खोज और बचाव अभियान निलंबित कर दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्हाइट हाउस में कहा, ˆजहाज पर सवार कर्मियों ने मैरीलैंड परिवहन विभाग को सचेत कर दिया कि उन्होंने अपने पोत से नियंत्रण खो दिया है...परिणामस्वरूप, स्थानीय अधिकारी पुल के ढहने से पहले उसे यातायात के लिए बंद कर पाए जिससे निस्संदेह लोगों की जान बची।

बाइडन ने कहा कि वह आपात स्थिति के मद्देनजर आवश्यक संघीय संसाधन भेज रहे हैं। उन्होंने कहा, हम मिलकर उस बंदरगाह का पुनर्निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक दुर्घटना थी। राष्ट्रपति ने कहा, ˆइस समय, हमारे पास यह मानने के लिए कोई संकेत नहीं है कि यह जानबूझकर किया गया कृत्य थाौ इस पोत का मालिकाना हक ग्रेस ओशन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। यह बाल्टीमोर से कोलंबो जा रहा था।

बाइडन ने कहा कि बाल्टीमोर बंदरगाह देश के सबसे बड़े नौ-परिवहन केंद्रों में से एक है। यह पुल 1977 में खोला गया था और यह पटाप्सको नदी पर बना है जो एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है।

मैरीलैंड जिले के लिए अमेरिकी अटॉर्नी एरेक बैरोन ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह संकेत करता हो कि पुल के ढहने का आतंकवाद से कोई संबंध है।

लापता हुए छह लोगों को मृत माना गया

एपी। बाल्टीमोर (अमेरिका)

अमेरिका में मैरीलैंड के बाल्टीमोर में सोमवार देर रात एक मालवाहक जहाज के एक प्रमुख पुल से टकराने और इसके चलते पुल के नदी में गिरने के बाद लापता हुए सभी छह लोगों को मृत मान लिया गया है और उनकी तलाश के अभियान को अगले दिन तक के लिए रोक दिया गया। मैरीलैंड के गवर्नर ने बताया कि पोत के चालक दल के सदस्यों ने फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज से टकराने से पहले चेतावनी संदेश जारी किया था जिसकी वजह से अधिकारियों को पुल पर वाहनों की संख्या को सीमित करने में मदद मिली।

जहाज पुल के एक खंभे से टकरा गया, जिससे ढांचा देखते ही देखते कुछ ही सैकंड में नदी में गिर गया। इस दौरान जहाज में आग लग गई और उसमें से काला धुआं निकलने लगा। किसी ने इस घटना का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

मैरीलैंड राज्य पुलिस के अधीक्षक कर्नल रोलैंड एल बटलर जूनियर ने मंगलवार शाम को बताया कि लापता लोगों की तलाश रोक दी गई है और गोताखोर बुधवार सुबह छह बजे मौके पर फिर आएंगे और तब तक नदी में रात की चुनौतीपूर्ण स्थितियों में सुधार हो जाएगा।

यह जहाज स्थानीय समयानुसार रात लगभग ।:30 बजे बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के एक खंभे से टकरा गया।

राज्य के परिवहन मंत्री पॉल विडेफेल्ड ने कहा कि जिन छह लोगों का अब भी पता नहीं चल पाया है, वे पुल पर गड्ढे भरने वाले निर्माण दल का हिस्सा थे।

श्रमिकों को नियुक्त करने वाली कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार दोपहर को कहा कि नदी की गहराई और दुर्घटना के बाद की अवधि को देखते हुए लापता लोगों को मृत मान लिया गया है।

ब्राउनर बिल्डर्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष जेफरी प्रिट्जकर ने कहा कि जब पुल गिरा तब श्रमिक उसके बीच में काम कर रहे थे। हालांकि अभी कोई शव बरामद नहीं हुआ है। बचावकर्मियों ने नदी से दो लोगों को निकाला है जिनमें से एक का इलाज अस्पताल में किया गया और कुछ घंटों के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। कई वाहन भी नदी में गिर गए हैं।

बाल्टीमोर के मेयर ब्रैंडन स्कॉट ने इसे एक अकल्पनीय त्रासदी कहा। उन्होंने कहा, आपने कभी नहीं सोचा होगा कि आप इस पुल को धराशाई होते हुए देखेंगे। यह किसी एक्शन फिल्म जैसा लग रहा था।

पोत का प्रबंधन करने वाली सिनर्जी मरीन ग्रुप ने एक बयान में कहा कि जहाज के मालिकों और प्रबंधकों ने बताया कि जहाज सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग ।:30 बजे बाल्टीमोर के फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के एक खंभे से टकरा गया। इसमें कहा गया है कि चालक दल के सभी सदस्यों से स्पष्टीकरण मांगा गया है और किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

पाकिस्तान के छह न्यायाधीशों ने खुफिया एजेंसियों पर न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया

भाषा। इस्लामाबाद

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों ने पाकिस्तान की प्रभावशाली खुफिया एजेंसियों द्वारा न्यायपालिका के कामकाज में कथित हस्तक्षेप के खिलाफ उच्चतम न्यायिक परिषद से संज्ञान लेने की अपील की है।

इन छह न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में उच्चतम न्यायिक परिषद से न्यायिक मामलों में इस तरह के हस्तक्षेप के खिलाफ एक न्यायिक व्यवस्था की मांग की गई है।

जिन छह न्यायाधीशों ने 25 मार्च के पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, उनमें न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति सरदार एजाज इशाक खान, न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज शामिल हैं।

पत्र में व्यवस्था के माध्यम से न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कड़ा रुख अपनाने की बात कही गई है।

उच्चतम न्यायिक परिषद उच्च और उच्चतम न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ कार्वाई करने के लिए अधिकृत शीर्ष निकाय है।

पत्र में कार्यपालिका और एजेंसियों के हस्तक्षेप को लेकर न्यायाधीशों पर दबाव बनाने के उदाहरणों का भी जिक्र किया गया। पत्र में कहा गया कि एक मामले में उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश पर दबाव बनाने के लिए उनके रिश्तेदार का अपहरण किया गया और यातनाएं दी गईं।

इसमें कहा, हम इस बात पर भी ध्यान दिलाना चाहेंगे कि उच्चतम न्यायिक परिषद द्वारा न्यायाधीशों के लिए निर्धारित आचार संहिता में इसको लेकर कोई मार्गदर्शन नहीं दिया गया है कि न्यायिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप जैसे मामलों में किस तरह के कदम उठाए जाएं।

शीर्ष अदालत ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति शौकत अजीज को हटाए जाने के फैसले को अवैध घोषित कर कहा था कि उन्हें सेवानिवृत्त न्यायाधीश माना जा सकता है। अदालत के इस फैसले के बाद यह पत्र लिखा गया है।

फैसले में कहा गया था कि उच्चतम न्यायिक परिषद ने न्यायमूर्ति सिद्दीकी के खिलाफ इस धारणा पर कार्वाई की कि पूर्व न्यायाधीश द्वारा लगाए गए आरोपों की सच्चाई या झूठ अप्रासंगिक थी।

सिद्दीकी को 11 अक्टूबर 2018 को उच्चतम न्यायिक परिषद ने उस भाषण के आधार पर बर्खास्त किया था, जिसमें उन्होंने देश की शक्तिशाली खुफिया एजेंसी आईएसआई पर अदालती कार्यवाही को प्रभावित करने का आरोप लगाया था।

अपने पत्र में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों ने न्यायमूर्ति सिद्दीकी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की मांग का समर्थन किया है।

यह पत्र अभूतपूर्व माना जा रहा है क्योंकि यह आधिकारिक तौर पर न्यायपालिका के मामलों में कार्यकारी और खुफिया एजेंसियों की कथित भागीदारी को उजागर करता है और न्यायाधीशों के खिलाफ कार्वाई करने और ऐसे मामलों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सर्वोच्च निकाय एसजेसी का समर्थन मांगता है।

इमरान खान की पार्टी को अपनी रैली आयोजित करने दिया जाए: उच्च न्यायालय

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की इस्लामाबाद में एक रैली आयोजित करने के अनुरोध संबंधी याचिका स्वीकार कर ली और अधिकारियों को आदेश दिया कि पार्टी को कानून के तहत अपनी रैली आयोजित करने दें।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पीटीआई की याचिका पर सुनवाई की और यह आदेश पारित किया।

पार्टी शुरू में 23 या 30 मार्च को रैली आयोजित करना चाहती थी लेकिन उसने इसे छह अप्रैल के लिए पुनर्निर्धारित कर दिया। सुरक्षा कारणों से राजधानी जिला प्रशासन द्वारा रैली की अनुमति देने से इनकार करने के बाद पार्टी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक ने दलीलें सुनने के बाद पीटीआई को राहत प्रदान की। पीटीआई के वकील शेर अफजल मारवत ने कहा कि पार्टी छह अप्रैल को एक रैली आयोजित करना चाहती थी, जिस पर न्यायमूर्ति फारूक ने कहा कि पार्टी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रैली के दौरान कोई दंगा न हो।

मारवत ने अदालत को आश्वासन दिया, हम तैयार हैं और सभी शर्तें स्वीकार करेंगे। पाकिस्तान में आठ फरवरी के आम चुनावों के बाद पीटीआई की यह पहली बड़ी राजनीतिक सभा होगी। पीटीआई ने आरोप लगाया था कि चुनावों में धांधली हुई है।

थाइलैंड में निचले सदन में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाला विधेयक पारित

एपी। बैंकॉक

थाइलैंड की संसद के निचले सदन ने बुधवार को एक विवाह समानता विधेयक को भारी बहुमत से पारित कर दिया जिसमें समलैंगिक विवाह समेत किसी भी लैंगिक पहचान के लोगों के बीच विवाह संबंधों को मान्यता दी गई है।

इस विधेयक के कानून बनने के साथ थाइलैंड किसी भी लैंगिक पहचान वाले जीवनसाथियों के समानता के अधिकार को कानूनी मान्यता देने वाला दक्षिण पूर्व एशिया का पहला देश बन जाएगा।

प्रतिनिधि सभा में उपस्थित 415 सदस्यों में से 400 ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, वहीं 10 लोगों ने इसके खिलाफ मतदान किया। पांच सदस्यों ने मतदान से दूरी बनाई या उसमें भाग नहीं लिया।

विधेयक में नागरिक और व्यावसायिक संहिता में संशोधन कर पुरुषों और महिलाओं तथा पति और पत्नी शब्दों की जगह लोग और वैवाहिक जीवनसाथी शब्द डाले गए हैं।

यह विधेयक एलजीबीटीक्यू प्लस दंपतियों को पूरी तरह कानूनी, वित्तीय और चिकित्सा अधिकार प्रदान करेगा।

विधेयक अब सीनेट में जाएगा, जो निचले सदन से पारित होने वाले किसी भी विधेयक को बमुश्किल ही कभी खारिज करता है। इसके बाद विधेयक को थाइलैंड के नरेश की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

इसके कानून बनने के बाद थाइलैंड दक्षिण पूर्व एशिया का पहला और एशिया में ताइवान तथा नेपाल के बाद तीसरा ऐसा देश बन जाएगा जहां इस तरह का कानून पारित हुआ है।

भारत ने भूटान को ग्यालसुंग परियोजना के लिए 500 करोड़ की किस्त जारी की

भाषा। थिंपू

भारत ने ग्यालसुंग परियोजना से संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूटान को 500 करोड़ रुपए की दूसरी किस्त जारी की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 23 मार्च को भूटान की दो दिवसीय यात्रा संपन्न हुई थी। अपनी यात्रा के दौरान मोदी ने भूटान को विकास परियोजनाओं के लिए समर्थन देने का आश्वासन दिया था और अगले पांच वर्ष में इस हिमालई राष्ट्र को दस हजार करोड़ रुपए प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की थी। दूसरी किस्त भूटान में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला ने भूटान के विदेश मामलों और विदेश व्यापार मंत्री, ल्योनपो डी एन धुंगएल को सौंपी। इस साल 28 जनवरी को 500 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की गई थी।

भारतीय दूतावास के एक बयान में मंगलवार को यहां कहा गया, भारत को भूटान नरेश की एक ऐतिहासिक पहल पर भूटान के साथ साझेदारी करने का मौका मिला है और इस साझेदारी के तहत युवाओं और कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बयान में कहा गया है कि इसके साथ ही, भारत सरकार ने ग्यालसुंग परियोजना के लिए रियायती वित्तपोषण व्यवस्था पर समझौता ज्ञापन के तहत भूटान सरकार को कुल 1,000 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इसमें कहा गया है, यह वित्तपोषण भूटान सरकार को भारत सरकार की नियोजित सहायता के अतिरिक्त है।

पेंटागन ने इजराइल से गाज़ा में आम लोगों की रक्षा करने का आग्रह किया

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के रक्षा क्षेत्र के अधिकारियों ने इज़राइल के अपने समकक्षों से मंगलवार कोकहा कि दक्षिणी शहर रफह में कोई भी सैन्य अभियान आम नागरिकों की सुरक्षा और सहायता वितरण को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाए। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि इज़राइल के रक्षा मंत्री ने इस बात को सुना लेकिन यह साफ नहीं है कि इस बैठक का गाज़ा के लिए इज़राइल की योजना और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव पर क्या असर पड़ेगा।

अमेरिकी नेता रफह में ज़मीनी हमले के खिलाफ लगातार चेता रहे हैं और वैकल्पिक और सटीक लक्ष्य साधकर अभियान चलाने पर जोर दे रहे हैं। वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने पेंटागन में हुई 90 मिनट की बैठक को बहुत ही सार्थक और विचारपूर्ण बताया, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने गाज़ा में मानवीय स्थिति में सुधार की शर्त पर इज़राइल को भविष्य में अमेरिकी सैन्य सहायता देने की बात कही है तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई।

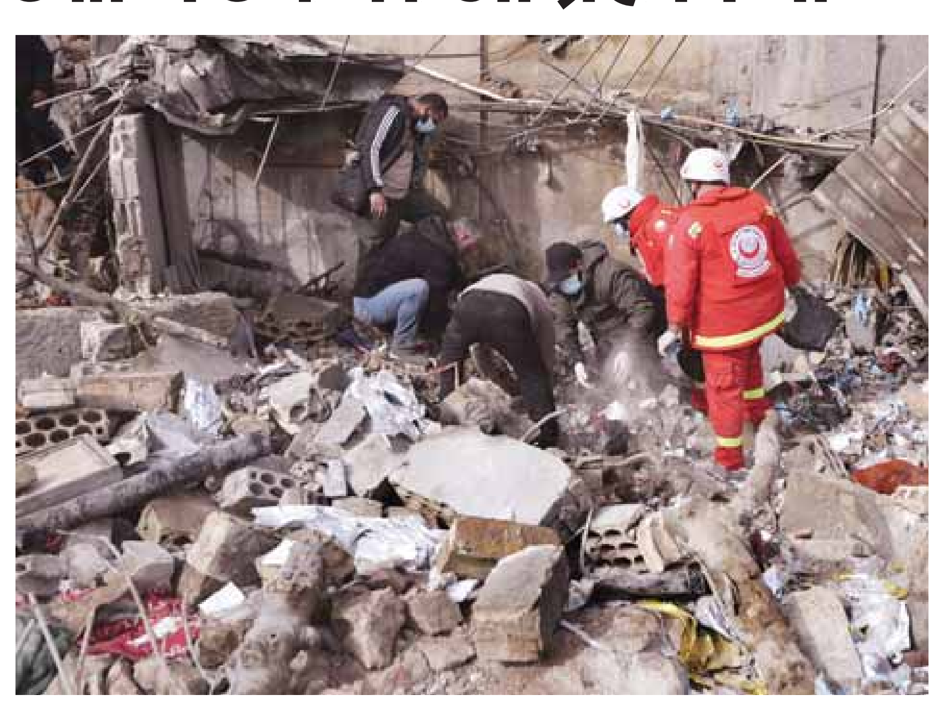

अधिकारी के मुताबिक, ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका सशस्त्र संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार इज़राइल के अपनी रक्षा के अधिकार का समर्थन करना जारी रखेगा। बैठक में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ जनरल सीक्यू ब्राउन भी शामिल थे और यह ऐसे वक्त में हुई है जब अमेरिका और इज़राइल के संबंधों में तनाव आ गया है।

इज़राइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने एक बयान में कहा कि उन्होंनेˆ क्षेत्र में इज़राइल की गुणात्मक सैन्य बढ़त सुनिश्चित करने के लिए इज़राइली और अमेरिकी रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच महत्वपूर्ण सहयोगै पर चर्चा की।

अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि इजराइली बलों को सटीक निशाना बनाकर कार्वाई करनी चाहिए जो गाज़ा में कहीं भी मौजूद हमास नेताओं के खिलाफ प्रभावी रही है। अधिकारी ने गैलेंट की प्रतिक्रिया के बारे में विवरण देने से इनकार कर दिया। अधिकारी ने कहा, दोनों मंत्रियों के बीच आज बहुत अच्छी बातचीत हुई। वे एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। वे एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। वे दोस्त हैं।

गैलेंट ने इज़राइल के लिए मौजूदा खतरों पर जोर दिया।

भारत के श्रीजेश एफआईएच एथलीट समिति में सह-अध्यक्ष नियुक्त हुए

लुसाने। भारतीय टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश और चिली महिला टीम की डिफेंडर कैमिला कैरम को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की नई एफआईएच एथलीट समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। ह जोड़ी एफआईएच में खिलाड़ियों के दृष्टिकोण को रखेगी। एफ आईएच एथलीट समिति एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करती है। यह एफआईएच कार्यकारी बोर्ड, एफआईएच समितियों, सलाहकार पैनलों और अन्य निकायों को सिफारिशें करती है।एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने नियुक्तियों के बाद एक विज्ञप्ति में कहा, खिलाड़ी हमेशा एफआईएच के सभी खेल प्रयासों के केंद्र में रहे हैं। जब एफआईएच ने अपनी नई सशक्तीकरण और सहभागिता रणनीति जारी की तो इसमें खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण को शामिल किया गया। यह दुनिया भर के खिलाड़ियों के कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नवनियुक्त सह-अध्यक्ष श्रीजेश ने कहा कि एक एथलीट के रूप में यह उनके लिए एक बड़ा सम्मान और जिम्मेदारी है। भारतीय खिलाड़ी ने कहा, एथलीट समिति का हिस्सा होना अपने आप में मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है।

सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक: पंकज आडवाणी ने 305 का ब्रेक बना एकतरफा जीत दर्ज की

मुंबई।विश्व चैंपियन भारत के पंकज आडवाणी ने ऑल इंडिया सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक के अपने शुरुआती मुकाबले में बुधवार को यहां हमवतन रोविन डिसूजा के खिलाफ 1197-156 की एकतरफा जीत के दौरान 305 का ब्रेक बनाया। आडवाणी ने पिछले नवंबर में आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में टाइम फॉर्मेट और लॉन्ग-अप में सफलता हासिल करते हुए ग्रैंड डबल जीता था। उन्होंने इस लय को जारी रखते हुए ग्रुप ए के मुकाबले में डिसूजा को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने 305 के अलावा 188, 162, 191, 92 और 97 के ब्रेक के साथ आसानी से जीत हासिल की। इससे पहले, भारत के सौरव कोठारी और इंग्लैंड के पीटर शीहान भी अपने-अपने शुरुआती ग्रुप मैचों के दौरान बड़े ब्रेक बनाते हुए जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान से हार के बाद कोच स्टिमक को हटाने की मांग उठी

कोलकाता। निचली रैंकिंग की अफगानिस्तान के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में भारत की।-2 की शर्मनाक हार के बाद पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों ने मुख्य कोच इगोर स्टिमक को हटाने की मांग की है। भारत के करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने अपने 150वें मैच में 94वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागा लेकिन इसके बावजूद घरेलू टीम विश्व रैंकिंग में 158वें स्थान पर काबिज अफगानिस्तान से मंगलवार को गुवाहाटी में हार गई। भारत के पूर्व डिफेंडर गौरमांगी सिंह का मानना है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में कुछ गड़बड़ है, जबकि पूर्व फॉरवर्ड दीपेंदु विश्वास ने इस शर्मनाक प्रदर्शन के लिए स्टिमक के टीम चयन की आलोचना की और उन्हें तत्काल बाहर करने की मांग की। अनुभवी सुब्रत भट्टाचार्य ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी कोचों ने कभी भारतीय टीम को गौरवान्वित नहीं किया। गौरमांगी ने पीटीआई-भाषा से कहा, याद रखें कि ए वही खिलाड़ी हैं जिन्हें कतर के खिलाफ (विश्व कप क्वालीफायर 2022 में) ऐतिहासिक ड्रॉ के लिए प्रशंसा मिली थी। उन्होंने कहा, पिछले साल इसी टीम ने सैफ चैम्पियनशिप सहित तीन टूर्नामेंटों में जीत के साथ शानदार प्रदर्शन किया था। एक साल तक वे दमदार प्रदर्शन कर रहे थे, उन्हें सभी से तारीफ मिल रही थी। अचानक क्या हुआ? वही टीम है, वही खिलाड़ी हैं तो ऐसा क्या हुआ। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में भी चीजें ठीक नहीं है। अध्यक्ष कल्याण चौबे ने नवंबर में महासचिव शाजी प्रभाकरण को पद से हटा दिया।

बाबर को फिर कप्तान बनाने पर विचार कर रहा है पाकिस्तान: सूत्र

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने के लिए शान मसूद और शाहीन शाह अफरीदी की क्षमता पर भरोसा नहीं रह गया है और उसे लगता है कि पूर्व कप्तान बाबर आजम एक बार फिर टीम की कप्तानी के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं। पिछले साल भारत में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान पाकिस्तान के ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाने के बाद बाबर ने सभी प्रारूपों में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी।मसूद को जहां टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं शाहीन को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया। पीसीबी थिंक टैंक के सूत्रों ने कहा कि बोर्ड इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि कोई व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध नहीं होने के कारण बाबर फिर से टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं। एक सूत्र ने बताया, मजेदार बात यह है कि ऐसा प्रतीत होता है कि बोर्ड के अध्यक्ष में बदलाव के साथ ही पदाधिकारियों ने टेस्ट और टी20 प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने की शान मसूद और शाहीन शाह अफरीदी की क्षमता पर भरोसा खो दिया है। सूत्र ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि बाबर अब कुछ तेवर दिखा रहे हैं। सूत्र ने कहा, बाबर से यह पता लगाने की कोशिश की गई कि क्या वह फिर से कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं और उन्होंने कुछ आशंकाएं जताई हैं। जाहिर है कि वह बोर्ड अध्यक्ष से कुछ आश्वासन चाहते हैं। जका अशरफ जब पीसीबी अध्यक्ष थे तो विश्व कप के तुरंत बाद बाबर को सफेद गेंद के प्रारूप के कप्तान के पद से हटा दिया गया था।

हैदराबाद ने आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर बना जीत लिया मैच

मुंबई इंडियंस को 31 रन से हराया क्लासन ने 34 बॉल पर 80 रन बनाए अभिषेक.हेड के विस्फोटक अर्धशतक

भाषा। हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल मैच में बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस को 31 रन से हराया।सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 277 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई की टीम 5 विकेट पर 246 रन ही बना पाई।

इससे पूर्व सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटी के बल्लेबाजों की तूफानी पारियों के दम पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को यहां तीन विकेट पर 277 रन बनाए, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नया रिकॉर्ड है। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने शुरू से लेकर आखिर तक ताबड़तोड़ रन बटोरे जिससे उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के 2013 में पुणे वारियर्स के खिलाफ बनाए गए पांच विकेट पर 263 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने में सफल रही। ट्रैविस हेड ने 24 गेंद पर नौ चौकों और तीन छक्के की मदद से 62 रन बनाए जबकि अभिषेक शर्मा ने 23 गेंद पर 63 रन बनाए जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल हैं। इन दोनों के आउट होने के बाद हेनरिक क्लासेन (34 गेंद पर नाबाद 80 रन, चार चौके, सात छक्के) और एडेन मार्कराम (28 गेंद पर नाबाद 42, दो चौके, एक छक्का) ने 55 गेंद पर 116 रन की अटूट साझेदारी की।हेड जब पांच रन पर थे तब हार्दिक पंड्या की गेंद पर टिम डेविड ने उनका कैच छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 17 वर्षीय क्वेना मफाका पर लगातार दो छक्के और दो चौके जड़कर इसका जश्न मनाया जिससे सनराइजर्स तीन ओवर में 40 रन बनाने में सफल रहा। मफाका बेहद महंगे साबित हुए। उन्होंने चार ओवर में 66 रन लुटाए। हार्दिक ने इसके तुरंत बाद जसप्रीत बुमराह को आक्रमण पर लगाया और वह स्वयं छोर बदलकर गेंदबाजी के लिए आए। उनकी यह रणनीति कारगर साबित हुई और इस बार डेविड ने मयंक अग्रवाल (11) का कैच लेने में कोई गलती नहीं की। हेड ने हालांकि हार्दिक के इस ओवर में लगातार तीन चौके लगाकर अपना आक्रामक रवैया बरकरार रखा। उन्होंने गेराल्ड कोएत्जी का स्वागत दो चौके और एक छक्के से करके 18 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस तरह से सनराइजर्स ने पावर प्ले में एक विकेट खोकर 81 रन बनाए। सनराइजर्स का पावर प्ले में यह सर्वाधिक स्कोर है। अभिषेक ने पीयूष चावला पर तीन छक्के जड़े जिससे सनराइजर्स का स्कोर सात ओवर में ही तिहरे अंक में पहुंच गया। कोएत्जी ने अगले ओवर में हेड के तेवरों पर विराम लगाया लेकिन अभिषेक अपने पूरे रंग में दिखे। उन्होंने मफाका पर लगातार दो छक्के लगाकर 16 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया तथा सनराइजर्स की तरफ से कुछ देर पहले हेड के बनाए गए रिकार्ड को थोड़ा।वह हालांकि अपनी पारी लंबी नहीं खींच पाए और चावला पर एक और छक्का लगाने के प्रयास में मिड विकेट पर कैच दे बैठे। सनराइजर्स ने 10 ओवर में दो विकेट पर 148 रन बनाए, जो आईपीएल में नया रिकॉर्ड है। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के दो बल्लेबाजों क्लासेन और मार्कराम ने जिम्मेदारी संभाली। क्लासेन ने 15वें ओवर में बुमराह पर छक्का लगाकर टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। क्लासेन ने लंबे शॉट खेलना जारी रखा और 23 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने शम्स मुलानी पर आखिरी ओवर में दो छक्के लगाकर सनराइजर्स को नए रिकॉर्ड तक पहुंचाया।

रॉयल्स के खिलाफ पहली जीत दर्ज करने के लिए उतरेगी दिल्ली, नजरें पंत पर

भाषा। जयपुर

दिल्ली कैपिटल्स गुरुवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल सत्र की पहली जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा तो सभी की नजरें कप्तान ऋषभ पंत पर टिकी होंगी जबकि टीम को बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गंभीर कार दुर्घटना के कारण 453 दिन बाहर रहने के बाद पंत पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में उनके नए घरेलू मैदान पर वापसी करते हुए सिर्फ 13 गेंद (18 रन) टिक पाए थे। पंत ने हालांकि विकेट के पीछे प्रभावित किया और जितेश शर्मा को स्टंप भी किया। अपने पहले मैच की शुरुआती घबराहट से उबरने के बाद पंत जल्द ही लय हासिल करने को बेताब होंगे क्योंकि उन्हें ट्रेंट बोल्ट, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे अनुभवी गेंदबाजों का सामना करना है। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने पहले मैच में डेविड वार्नर और मिशेल मार्श से पारी का आगाज कराने का विकल्प चुना था जिससे कि यह जोड़ी पर्याप्त रन बनाकर मध्य क्रम में पंत के ऊपर से दबाव कम कर दे। ए दोनों हालांकि अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और दबाव पंत पर आ गया। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने हालांकि नाबाद 32 रन की तेजतर्रार पारी खेली जिससे दिल्ली की टीम एक समय सात विकेट पर 138 रन बनाकर मुश्किल में घिरी होने के बावजूद नौ विकेट पर 174 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। पोरेल का इस्तेमाल इंपेक्ट प्लेयर के रूप में किया गया था जिससे दिल्ली के पास एक गेंदबाज कम हो गया। समस्या उस समय और बढ़ गई जब इशांत शर्मा का टखना मुड़ गया। इस तेज गेंदबाज के कुछ मैचों से बाहर रहने की संभावना है। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी से भी टीम को काफी उम्मीद होंगी। पिछले मैच में सवाई मानसिंह स्टेडियम की सूखी पिच पर राजस्थान रॉयल्स की जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी को लखनऊसुपर जाइंट्स के गेंदबाजों के खिलाफ परेशानी का सामना करना पड़ा था। संजू सैमसन के नाबाद 82 रन की बदौलत हालांकि रॉयल्स की टीम 20 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। लगातार पांचवीं बार रॉयल्स के सत्र के पहले मैच में अर्धशतक जड़कर सैमसन ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपना दावा पेश किया है। रेयान पराग भी अच्छी लय में नजर आए हैं। रॉयल्स के शीर्ष चार बल्लेबाज दिल्ली के गेंदबाजी क्रम को ध्वस्त करने का प्रयास करेंगे और ऐसे में कुलदीप तथा अक्षर की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रॉयल्स के गेंदबाज भी अच्छी लय में दिखे हैं। बोल्ट ने नई गेंद से प्रभावित किया है तो संदीप शर्मा ने डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने सुपर जाइंट्स को पिछले मैच में छह विकेट पर 173 रन पर रोक दिया था।

टीम इस प्रकार हैं:
राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान।
दिल्ली कैपिटल्स: ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश धुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्तवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा और शाई होप।
समय: मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

उरुग्वे के क्लब कोलोन एफसी से जुड़े बिजय छेत्री

चेन्नई। भारतीय डिफेंडर बिजय छेत्री इस साल के अंत तक उधार पर उरुग्वे के फुटबॉल क्लब कोलोन एफसी से जुड़ गए हैं। उनके इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब चेन्नईयिन एफसी ने बुधवार को यह जानकारी दी। छेत्री इस तरह किसी लेटिन अमेरिकी क्लब से अनुबंध करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने। कोलोन क्लब मोंटेवीडियो में स्थित है। क्लब सेगुंडा डिविजन पेशेवर (दूसरा डिविजन) में खेलता है और अभी ग्रुप बी लीग तालिका में तीसरे स्थान पर चल रहा है। छेत्री ने विज्ञप्ति में कहा, मैं अपने पेशेवर करियर में नई चुनौती का यह अवसर पाकर बहुत रोमांचित महसूस कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा और अपने खेल को बेहतर बनाऊंगा। कोलोन एफसी के भरोसे पर खरा उतरूंगा और भारतीय ध्वज को ऊंचा रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन करूंगा। उन्होंने कहा, मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि अगर मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं तो यह भविष्य के भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी विदेश जाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। मणिपुर के 22 साल के छेत्री ने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत 2016 में शिलांग लाजोंग के साथ की और उन्होंने 2018 में इंडियन एरोज के साथ सीनियर स्तर पर पदार्पण किया।

हीरो इंडियन ओपन गोल्फ से वापसी कर रहे लाहिड़ी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

गुरुग्राम। पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने की कोशिश में लगे अनुभवी भारतीय गोल्फ खिलाड़ी अनिर्बान लाहिड़ी गुरुवार से यहां शुरू हो रहे हीरो इंडियन ओपन में अपने नौ साल के खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेंगे। ओलंपिक मे दो बार देश का प्रतिनिधित्व कर चुके लाहिड़ी लंबे समय के बार राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मे वापसी करेंगे। एलआईवी गोल्फ से जुड़ने के बाद उनकी रैंकिंग 401 हो गई है और पेरिस खेलों में जगह बनाने के लिए उन्हें अच्छे नतीजे की जरूरत होगी। सऊदी अरब समर्थित एलआईवी गोल्फ को आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) से मान्यता प्राप्त नही है। लाहिड़ी ने अपना पिछला खिताब इसी स्पर्धा में नौ साल पहले (2015) जीता था। वह इसके 57वें आयोजन में बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा, मै यहां जीतना चाहता हूं। मै यहां फिर से जीतने के लिए आतुर हूं। .... मै पिछले 15-16 वर्षो से खेल रहा हूं और यहां जीत दर्ज करने की ललक वैसी ही है जैसी की 10, 15 साल पहले थी। मुझे खुद को यह साबित करना है। इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा, मै पेरिस जाना चाहूंगा। इसके लिए मुझे अगले आठ दौर या 12 दौर मे अच्छा खेलना होगा। मै एशियाई टूर के टूर्नामेंटो मे ऐसा करना चाहूंगा। लाहिड़ी भारतीय खिलाड़ियो की रैंकिंग मे तीसरे स्थान पर है। उनसे पहले शुभंकर शर्मा (202) और गगनजीत भुल्लर (240) हैं। यह दोनो खिलाड़ी भी ओलंपिक मे देश के प्रतिनिधित्व का मौका नही चूकना चाहेंगे। इस 2.25 मिलियन डॉलर (लगभग 18.75 करोड़ रुपए) पुरस्कार राशि की प्रतियोगिता मे 25 देशो के144 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। लाहिड़ी, भुल्लर और शुभंकर के अलावा मनु गंडास, शौर्य बीनू, राशिद खान, अमन राज, युवराज संधू, एस चिक्कारंगप्पा, करणदीप कोचर और वीर अहलावत जैसे भारतीय खिलाड़ी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। एसएसपी चौरसिया इस खिताब को 2017 में जीतने वाले आखिरी भारतीय है।

कोलसार्ट की टीम ने जीता इंडियन ओपन में प्रो एम टूर्नामेंट

गुरुग्राम। बेल्जियम के पूर्व राइडर कप खिलाड़ी निकोलस कोलसार्ट की टीम ने बुधवार को यहां हीरो इंडियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में प्रो एम स्पर्धा का खिताब जीता।कोलसार्ट की टीम मे तीन महिला खिलाड़ी अंजलि चावला, मीरा लूथरा और कुसुम आनंद शामिल थी।उनका कुल स्कोर 37 अंडर रहा और उन्होंने दूसरे स्थान पर रही रोमेन लैंगास्क की अगुवाई वाली टीम को तीन शॉट से पीछे छोड़ा। लैंगास्क की टीम में मसनी एरिज़ा, प्रथमेश मोहरिल और भारत की शीर्ष महिला पेशेवर दीक्षा डागर के पिता नरिंदर डागर शामिल थे।पिछले साल के उपविजेता यानिक पॉल ने भी कोर्स पर अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी टीम तीसरे स्थान पर रही। उनकी टीम में गोलियन क्निपगेन, सौरभ उप्पल और रोहित कपूर शामिल थे।

हमें लगता है कि रियान पराग चौथे नंबर पर अहम भूमिका निभा सकता है: संगकारा

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा का मानना है कि यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता ने रियान पराग की अच्छा प्रदर्शन करने की भूख बढ़ा दी है, जिन्हें वर्तमान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा जा रहा है। राजस्थान ने 22 वर्षीय पराग पर काफी भरोसा दिखाया है जो 2019 में इस फ्रेंचाइजी से जुड़े थे। वह पहले फिनिशर की भूमिका निभाते थे लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा रहा है। लखनऊसुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई तथा 29 गेंद पर 43 रन बनाए।संगकारा ने कहा, हमने पिछले कुछ वर्षों से उसका प्रदर्शन देखा है। हमें लगा कि वह हमारे लिए अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उसने जो कड़ी मेहनत की और इस सत्र में अभी तक जिस तरह से अच्छा प्रदर्शन किया है उसने भी यह फैसला करने में भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, उसने बहुत अच्छी शुरुआत की है और उसे खेल को समझते रहना होगा तथा नंबर चार पर वह क्या कर सकता है इसके लिए उसे खुद पर भरोसा रखना होगा।

इंपेक्ट प्लेयर नियम के कारण आठवें नंबर पर आ पा रहे हैं धोनी: हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा कि इंपेक्ट प्लेयर नियम ने उनके बल्लेबाजी क्रम को लंबा कर दिया है जिससे पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस आईपीएल में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आ पा रहे हैं। वर्ष 2023 सत्र से शुरू किया गया इंपेक्ट प्लेयर नियम प्रत्एक फ्रेंचाइजी को पांच खिलाड़ियों को नामित करने की अनुमति देता है जिनमें से एक मैच के दौरान स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में खेल सकता है।मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ सुपरकिंग्स की टीम छह विकेट पर 206 रन का विजई स्कोर बनाने में सफल रही। हालांकि सात बल्लेबाजों के क्रीज पर उतरने के बावजूद धोनी के बल्लेबाजी के लिए आने का कोई संकेत नहीं मिलने के कारण उनके प्रशंसक थोड़े अधीर हो गए थे। हसी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, यह निश्चित रूप से मुख्य कोच (स्टीफन) फ्लेमिंग का निर्देश है कि मुकाबले को आगे बढ़ाते रहें।

किसी को भी शमी जैसे गेंदबाज की कमी खलेगी: मोहित

चेन्नई। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने गत आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ यहां 63 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाज की भरपाई करना काफी मुश्किल है। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज शमी टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं और आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उनके बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के साथ वापसी करने की उम्मीद है। वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे। शमी जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाएंगे। मोहित ने सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, किसी भी टीम को शमी जैसे गेंदबाज की कमी खलेगी और आप उनकी भरपाई किसी अन्य खिलाड़ी से नहीं कर सकते। लेकिन चोट पर किसी का नियंत्रण नहीं है और आपको यह देखना होगा कि इसके साथ कैसे आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा, जहां तक गुजरात टाइटंस की बात है, स्पेंसर (जॉनसन) और अजमतुल्लाह (उमरजई) का यह पहला साल है। उन्होंने अब तक काफी क्रिकेट नहीं खेला है इसलिए हमें उनके साथ धैर्य रखना चाहिए और नतीजों पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देना चाहिए। सुपरकिंग्स ने छह विकेट पर 206 रन का विशाल स्कोर बनाया जिसमें सलामी बल्लेबाजों ऋतुराज गायकवाड़ (46) और रचिन रविंद्र (46) तथा शिवम दुबे (51) की अहम भूमिका रही। टाइटंस के गेंदबाजों ने काफी रन लुटाए जिसमें उमेश यादव ने दो ओवर में 27 रन दिए जबकि अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने चार ओवर में 49 रन खर्च किए। राशिद को हालांकि दो विकेट मिले।

ऑस्ट्रेलिया ने फिर भारत-पाकिस्तान टेस्ट श्रृंखला की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाई

मिलबर्न। भारत और पाकिस्तान अगर भविष्य में किसी तटस्थ स्थल पर टेस्ट श्रृंखला खेलने के लिए राजी हो जाते हैं तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उनकी मेजबानी के लिए तैयार है। भारत और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव के कारण 2012-13 से कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है। इन दोनों देश की टीम इस बीच आईसीसी या महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में ही एक दूसरे का सामना करती रही है। भारत और पाकिस्तान दोनों की टीम को इस साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी20 श्रृंखला खेलनी है जबकि भारत इसके बाद पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगा। मेलबर्न क्रिकेट क्लब और विक्टोरिया सरकार ने भारत और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इन दोनों देशों की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाई है क्योंकि टी20 विश्व कप 2022 में इन दोनों देशों के बीच इस मैदान पर खेले गए मैच को देखने के लिए लगभग एक लाख दर्शक पहुंचे थे।ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा, मुझे लगता है कि जिसने भी यहां एमसीजी पर भारत और पाकिस्तान के बीच मैच देखा होगा वह उसके लिए सबसे यादगार अवसर रहा होगा। उन्होंने कहा, लोग इन दोनों देशों के बीच मुकाबला देखना चाहते हैं और यदि अवसर मिलता है तो हम उनकी मेजबानी करना चाहेंगे। अगर हम कोई भूमिका निभा सकते हैं तो हमें यह भूमिका निभाने में खुशी होगी। हॉकले ने कहा, हम पाकिस्तान की मेजबानी करने को लेकर उत्साहित हैं। हम भारत की मेजबानी करने के लिए उत्साहित हैं। अगर हम मदद कर सकते हैं तो यह अच्छा होगा।

बिना जानकारी दिए शिविर छोड़ने वाले पिस्टल निशानेबाज ने मांगी माफी

ओलंपिक ट्रायल में मिली जगह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महासंघ को सूचित किए बिना पिछले साल दिसंबर में एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के तैयारी शिविर को छोड़ने वाले पिस्टल निशानेबाज को माफी मांगने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए होने वाले ट्रायल में शामिल कर लिया गया है। इस ट्रायल का आयोजन अप्रैल और मई में क्रमश: दिल्ली और भोपाल में होगा। पच्चीस मीटर रैपिड-फायर स्पर्धा में चुनौती पेश करने वाले भावेश शेखावत ने 29 दिसंबर (2023) को शिविर छोड़ दिया था। इसके बाद चार जनवरी तक उनसे संपर्क नहीं किया जा सका था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) को जकार्ता में ओलंपिक क्वालीफायर के लिए उनकी जगह दूसरे निशानेबाज को टीम में शामिल करना पड़ा था। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने बुधवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि राजस्थान के निशानेबाज ने अनुशासनहीनता के लिए माफी मांगी है, जिससे उनके लिए ट्रायल में प्रतिस्पर्धा करने और पेरिस ओलंपिक के लिए दावा पेश करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। भाटिया ने कहा, हां, वह हमारे पास आया था। वह अपने पिता के साथ आया था और उसने माफी मांगी। हमने इस मामले को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया। यह एक निजी मामला था। उन्होंने कहा, वह एक अच्छा निशानेबाज है और उनकी निजी जिंदगी में जो कुछ भी हो रहा है, उससे हमें मतलब नहीं है। उनके पिता ने भी संबंधित दस्तावेज पेश किए और मामला सुलझ गया। उन्होंने कहा कि इस हरकत के लिए, इस निशानेबाज को महासंघ ने पहले ही सजा दे दी है। भाटिया ने कहा, हमने उसे चेतावनी दी है। हमने जकार्ता प्रतियोगिता के बाद एक अन्य प्रतियोगिता में विदेश जाने की अनुमति नहीं दी थी। अब हम इससे बड़ी सजा क्या दे सकते हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।